डालटनगंज (मेदिनीनगर), रविवार | वर्ष-31, अंक- 203, पृष्ठ-12 | वैशाख शुक्ल पक्ष 14, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

₹3.00

11 मई 2025

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

मातृ दिवस की शुभकामनाएं

एक नजर

चतरा में सड़क हादसा 22 यात्री हुए घायल

चतरा। चतरा से तिलैया (कोडरमा) जा रही सुधांशु नामक एक यात्री बस ने शनिवार को चतरा-चौपारण मुख्य पथ पर गंधरिया के समीप अनियंत्रित होकर पेड़ में टक्कर मार दी। इस हादसे में 22 यात्री घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल चतरा में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने इसकी सूचना 108 एंबुलेंस के माध्यम से सदर अस्पताल चतरा को दी। जानकारी मिलने के बाद सदर अस्पताल से चार-पांच एंबुलेंस को गंधरिया भेजा गया। इसके बाद एंबुलेंस से सभी घायलों को सदर अस्पताल लाया गया। घायलों में चतरी सदर ब्लॉक की नाजिर अनीता देवी एवं अन्य शामिल हैं। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ मनीष कुमार ने कहा कि सूचना मिलने के बाद सभी घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल लाया गया और सभी का इलाज किया जा रहा है। किसी को रेफर नहीं किया गया है। घायलों में 8 बच्चे भी शामिल हैं। वे अपने परिजनों के साथ बस में यात्रा कर रहे थे। सभी ठीक हैं। इधर, चतरा जिला परिषद के उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी भी सदर अस्पताल पहुंचे और घायलों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी घायलों का बेहतर रूप से इलाज चल रहा है।

पुनर्वासित परिवारों को आवंटित भूमि व आवास का मिलेगा मालिकाना हक : मुख्य सचिव

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी शनिवार को पलामू जिले के पोलपोल गांव पहुंचीं, जहां उन्होंने पलामू बाघ परियोजना के कोर क्षेत्रों से पुनर्वासित परिवारों से मुलाकात की। मुख्य सचिव ने उनके आवास, सुविधाओं और जीवनयापन की स्थिति की जानकारी ली। पुनर्वासित परिवारों ने सरकार और प्रशासन द्वारा प्रदान की गई सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि उन्हें सुरक्षित और बेहतर जीवन की अनुभूति हो रही है।मुख्य सचिव ने आश्वस्त किया कि सरकार का उद्देश्य सभी पुनर्वासित परिवारों को स्थायी और अधिकारयुक्त जीवन देना है। उन्होंने आवंटित भूमि और आवास का मालिकाना हक देने की प्रक्रिया जल्द शुरू करने का निर्देश दिया। इसके लिए रजिस्टर-2 में नाम दर्ज कर प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजने का निर्देश अधिकारियों को दिया गया। साथ ही उन्होंने गांव को मॉडल ग्राम के रूप में विकसित करने हेतु राज्य से हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

मुख्य सचिव ने सभी परिवारों का आधार कार्ड बनवाने, पते में सुधार कराने और कृषि, पशुपालन, सहकारिता, सिंचाई आदि विभागों की योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए। बच्चों को स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों से जोड़कर शिक्षा सुनिश्चित कराने पर भी बल दिया। उपायुक्त शशि रंजन ने मुख्य सचिव को अवगत कराया कि 57 परिवारों को बिजली शेष पेज 11 पर

राज्य में खराब पड़े चापानलों की मरम्मत के लिए अनाबद्ध की राशि से 259 करोड़ रुपए की स्वीकृति

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। राज्य में पेयजल संकट को देखते हुए राज्य के योजना एवं विकास मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने निर्देश दिया है कि अनाबद्ध की राशि से राज्य में खराब पड़े चापानलों की मरम्मत की जाएगी। इस संबंध में 2025-26 वित्तीय वर्ष के लिए 259 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है। कुल 74500 चापानल राज्य में खराब पड़े हैं, जिनकी मरम्मत के लिए यह राशि आवंटित की गई है। विशेष रूप से, अतिसंवेदनशील गिरिडीह जिले के लिए 15 करोड़ 70 लाख रुपए, पलामू जिले के लिए 14 करोड़ 7 लाख रुपए, और गढ़वा जिले के लिए 12 करोड़ 5 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है। राधाकृष्ण किशोर ने बताया कि योजना विभाग के सचिव मुकेश कुमार, अपर सचिव गरिमा सिंह और अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ 2 मई 2025 को एक विभागीय बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें इस मुद्दे पर चर्चा की गई थी। उन्होंने बताया कि यह निर्णय पेयजल संकट को देखते हुए लिया गया है, और सभी जिलों को अनाबद्ध की राशि का कम से कम 15% हिस्सा पेयजल आपूर्ति से संबंधित योजनाओं पर खर्च करना होगा। किशोर ने यह भी कहा कि जिला योजना अनाबद्ध की राशि से विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं पर व्यय किया जाएगा, और जिलों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि अनाबद्ध की राशि से चापानलों की मरम्मती युद्धस्तर पर की जाए, ताकि जल संकट को जल्द से जल्द दूर किया जा सके। यह निर्णय झारखंड राज्य में पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ करने और जल संकट का समाधान निकालने में अहम भूमिका निभाएगा।

आईएमएफ से लोन लेने के लिए ही पाकिस्तान ने किया था सीजफायर!

तीन घंटे में ही तोड़ा युद्धविराम

ब्यूरो

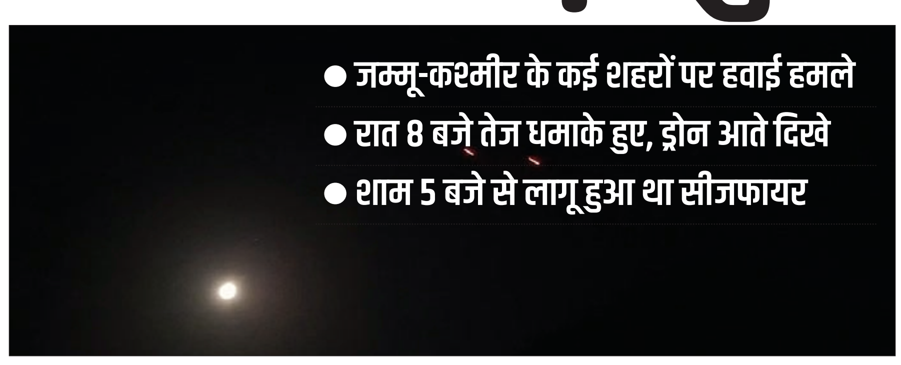

- विदेश मंत्रालय ने की सीजफायर की पुष्टि
- बोले विदेश सचिव, अपनी शर्तों पर किया युद्धविराम
- दोनों देशों के डीजीएमओ कल फिर करेंगे वार्ता

नई दिल्ली। सीजफायर के तीन घंटे के भीतर ही पाकिस्तान ने अपने नापाक इरादे फिर से स्पष्ट कर दिए। जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में शनिवार की रात करीब आठ बजे तेज धमाके हुए और पाकिस्तान की ओर से ड्रोन आते दिखे। इसके साथ ही कई इलाकों में ब्लैकआउट कर दिया गया। ज्ञात हो कि तीन दिनों तक चले संघर्ष के बाद शनिवार को भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम हुआ था। जिस ढंग से पाकिस्तान ने युद्धविराम तोड़ा है, उससे लगता है कि आईएमएफ से लोन लेने के लिए ही पाकिस्तान ने सीजफायर किया था।

ज्ञात हो कि पहले, भारत और पाकिस्तान सीजफायर के लिए सहमत हो गए थे। भारत के विदेश मंत्रालय ने भी इसकी पुष्टि की थी। लेकिन, महज चार घंटे के अंदर ही पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया और सीमा पार से गोलीबारी शुरू की। साथ ही, कई शहरों को ड्रोन के जरिए निशाना बनाया। जानकारी के अनुसार, श्रीनगर, रियासी, कटरा, उधमपुर समेत कई जगहों पर तेज धमाके की आवाजें सुनी गई हैं,

शेष पेज 11 पर

भारत-पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल युद्धविराम पर सहमत : डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इसको लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान पूरी तरह से सीजफायर के लिए सहमत हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, अमेरिका की मध्यस्थता में एक लंबी रात की बातचीत के बाद मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल युद्ध विराम पर सहमत हो गए हैं। दोनों देशों को बुद्धि और बुद्धिमत्ता का उपयोग करने के लिए बधाई। इस मामले पर आपके ध्यान के लिए धन्यवाद।

भविष्य में होने वाले आतंकी हमलों को भारत मानेगा युद्ध की कार्रवाई

नई दिल्ली (हि.स.)। पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच भारत ने अहम निर्णय लिया है। भविष्य में आतंकवाद की किसी भी कार्रवाई को देश के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसी के अनुसार जवाब दिया जाएगा। शीर्ष सरकारी सूत्रों के अनुसार, भारत ने निर्णय लिया है कि भविष्य में किसी भी आतंकवादी कार्रवाई को भारत के विरुद्ध युद्ध कार्रवाई माना जाएगा तथा उसका जवाब तदनुसार दिया जाएगा। इससे पहले, शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने के लिए लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय शेष पेज 11 पर

बिना किसी शर्त का है सैन्य कार्रवाई रोकने का समझौता

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई और फायरिंग रोकने की घोषणा औपचारिक संघर्ष विराम नहीं, बल्कि केवल एक आपसी समझौता है। आधिकारिक सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि समझौते में न कोई पूर्व शर्त रखी गई है, न ही कोई बाद की शर्त है। साथ ही, भारत की ओर से दोनों देशों के बीच सिंधु जल संधि का स्थगन जारी रहेगा। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान के डीजीएमओ (डायरेक्टर जेनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस) ने शनिवार दोपहर भारतीय डीजीएमओ को कॉल किया था। इसके बाद दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच बातचीत हुई और यह समझ बनी कि जमीनी, समुद्री और हवाई मोर्चों पर सभी प्रकार की सैन्य कार्रवाई को रोका जाएगा। हालांकि, यह स्पष्ट किया गया है कि इस समझ के बाद किसी अन्य मुद्दे पर किसी तटस्थ स्थल पर बातचीत करने का फिलहाल कोई निर्णय नहीं हुआ है।

आदतों से बाज नहीं आया

श्रीनगर से नलिया तक किए गए हवाई घुसपैठ के प्रयास

- भारतीय सेना ने 26 से ज्यादा स्थानों पर घुसपैठ को सफलतापूर्वक किया निष्क्रिय
- श्रीनगर, अवंतीपुर व उधमपुर के वायुसेना अड्डों पर चिकित्सा केंद्र व स्कूल को बनाया निशाना

ब्यूरो

नई दिल्ली। पाकिस्तान अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहा है।उसने सीमावर्ती इलाकों में ड्रोन के मार्फत अपनी आक्रामक गतिविधियां जारी रखीं। विदेश मंत्रालय व सेना की संवाददाता सम्मेलन में शनिवार को ताजा हालातों की जानकारी दी गई। प्रेस वार्ता में भारतीय सेना ने भारत में वायु सेना स्टेशन व अड्डों को नष्ट करने के पाकिस्तानी दावों को नकारने के लिए तस्वीरें दिखाईं, जिनमें समय भी लिखा था।

कर्नल सोफिया कुरैशी ने बताया कि पाकिस्तानी सेना ने पूरे वेस्टर्न बॉर्डर पर अपनी आक्रामक गतिविधियां जारी रखीं। पाकिस्तानी सेना ने ड्रोन, लॉन्ग रेंज वेपन, गोला बारूद और लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल कर लड़ाकू सैन्य ढांचे को निशाना बनाया। लाइन आफ कंट्रोल (एलओसी), इंटरनेशनल बॉर्डर पर भी पाकिस्तानी सेना ने भारी गोलीबारी की और ड्रोन का इस्तेमाल कर घुसपैठ की कोशिश की।

कर्नल सोफिया ने बताया कि इंटरनेशनल बॉर्डर व लाइन आफ कंट्रोल पर श्रीनगर से नलिया तक 26 से अधिक स्थानों हवाई घुसपैठ के प्रयास किए गए। भारत के सशस्त्र बलों ने अधिकांश खतरों को सफलतापूर्वक निष्क्रिय किया। फिर भी उधमपुर, आदमपुर, भुज, पठानकोट, बठिंडा में वायु सेना के ठिकानों पर हमारे उपकरणों और कर्मियों को नुकसान पहुंचाया। पाकिस्तान ने रात में 01:40 बजे एक हाई स्पीड मिसाइल का इस्तेमाल कर पंजाब के वायुसेना बेस को निशाना बनाने की कोशिश की। पाकिस्तान ने श्रीनगर, अवंतीपुर और उधमपुर के वायुसेना अड्डों पर चिकित्सा केंद्र और स्कूल को निशाना बनाया।

कर्नल सोफिया कुरैशी ने बताया कि पाकिस्तान द्वारा सैन्य ठिकानों को जानबूझकर निशाना बनाने के बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने त्वरित और सुनियोजित जवाबी हमले किए। टेक्निकल इंस्टॉलेशन, कमांड एंड कंट्रोल साइट्स, रडार साइट्स व हथियार भंडार को चुनकर निशाना बनाया गया। रफीकी, मुरीद, चकलाला, रहीमयार खान, सूकूर व चुनिया स्थित पाकिस्तान शेष पेज 11 पर

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर 72094 53444 पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर 72094 03444 संपर्क करें।

आज / कल

अवैध हथियार के साथ कुख्यात अपराधी गिरफ्तार, बड़ी वारदात की योजना नाकाम

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। रात्रि लगभग 02:30 बजे टी.ओ.पी.-02 क्षेत्र (शहर थाना) अंतर्गत कान्दू मुहल्ला में पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि कुछ अपराधी किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। पुलिस अधीक्षक, पलामू के निर्देशानुसार तत्काल कार्रवाई करते हुए टी.ओ.पी.-02 के प्रभारी सहायक अवर निरीक्षक राकेश कुमार के नेतृत्व में टाइगर मोबाइल दल ने सर्च ऑपरेशन चलाया। पुलिस को गोरह मंदिर जाने वाले रास्ते पर 3-4 संदिग्ध व्यक्ति झाड़ियों के पास छिपे हुए मिले। पुलिस को देखते ही सभी व्यक्ति भागने लगे, लेकिन एक अपराधी नितेश शर्मा उर्फ राहुल शर्मा (पिता – दिनेश शर्मा, निवासी – कान्दू मुहल्ला, थाना – शहर डालटनगंज) को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने नितेश शर्मा से जब पूछताछ की तो उसने बताया कि वह तेजा उर्फ विशाल शर्मा और अन्य साथियों के साथ मिलकर अवैध हथियारों के बल पर किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहा था।

शेष पेज 11 पर

राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सीएम ने की उच्च स्तरीय बैठक

राष्ट्र सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : हेमंत सोरेन

- कहा, अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें
- राज्यवासियों की सुरक्षा से जुड़े सभी एहतियाती कदम उठाए जाएं

नवीन मेल डेस्क

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में वर्तमान राष्ट्रीय परिस्थितियों एवं परिदृश्य के मद्देनजर राज्य की सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। देशभर में सुरक्षा हालातों को देखते हुए झारखंड में एक-एक व्यक्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि जरूरी नागरिक सेवाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष फोकस रखें तथा एक बेहतर कार्ययोजना बनाकर राज्यवासियों की सुरक्षा से संबंधित सभी प्रकार के एहतियाती कदम शीघ्र उठाएं जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि राज्य में आमजनों के बीच कोई पैनिक स्थिति उत्पन्न न हो, यह सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अफवाहों पर हर हाल में रोक लगाई जाए। वैसे असामाजिक तत्व जो झूठी और भ्रामक संदेश प्रेषित कर माहौल खराब करने का कार्य करते हैं, उनके ऊपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। राष्ट्र विरोधी गतिविधियों तथा सोशल साइट्स पर गलत संदेशों का आदान-प्रदान करने वालों की पहचान कर उनपर कानूनी कार्रवाई करें।

सीएम सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में सिविल डिफेंस वॉलेंटियर्स को एक्टिव करें तथा आवश्यकता के अनुरूप सिविल डिफेंस वॉलेंटियर्स की संख्या बढ़ाएं।

शेष पेज 11 पर

इंडिया

मदर इंडिया के बजाय कुमाता समाज बना रहा है या आधुनिकता?

कुपुत्रो जायेत क्वचिदपि कुमाता न भवति॥ मैंने तुम्हारे चरणों की सेवा कभी नहीं की , देवि ! तुम्हें अधिक धन भी समर्पित नहीं किया ; तथापि मुझ – जैसे अधम पर जो तुम अनुपम स्नेह करती हो , इसका कारण यही है कि संसार में कुपुत्र पैदा हो सकता है, किंतु कहीं भी कुमाता नहीं होती॥ हमारे वेद और पुराणों में मां को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। दुर्गा सप्तशती के प्रार्थना श्लोक में ये पंक्तियां हैं परंतु पश्चिमी देशों की अंधी नक़ल से भौतिकवाद का असर आज हमारे समाज में भी दिखने लगा है। अब स्कूलों में भी मदर्स डे मनाते हुए बच्चों की मां को बुलाया जाता है उन्हें सम्मानित किया जाता है। कई स्कूलों में तो माताओं के बीच विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिताओं का भी आयोजन भी किया जाता है। परंतु अभी भी हमारे यहां प्ले स्कूल में माता-पिता बच्चों को नहीं भेजना चाहते और उसे मां ही ममता की छांव में उससे अधिक जानकारियां दे देती हैं । इसके मूल में यह अवधारणा है कि माता किसी भी देश की हो पर अपने बच्चों की प्रथम गुरु वही होती है जिस कारण प्राचीन भारत में कुन्तीनंदन, राधेय, गंगापुत्र भीष्म,सीताराम जैसे संबोधनों से माताओं को उच्च स्थान दिया गया था । वीर शिवाजी को महान देशभक्त बनने की प्रेरणा उनकी मां ने दी थी । यदि किसी बच्चे के बालमन में अच्छे आदर्श बचपन में डाल दिए जाएं तो संस्कार के रूप में वह जीवनपर्यंत उसे प्रदर्शित कर अपने मां बाप की पहचान बनता रहेगा । लोग कहते हैं कि ईश्वर हर जगह नहीं जा सकता इसीलिए उसने मां बनाई । भारत की मां फिल्मों की मदर इंडिया भी थी जो राह भटके अपने पुत्र की हत्या तक कर सकती थी और जितने शहीद हुए या आज भी सीमाओं पर जो मातृभूमि की रक्षा के लिए शीश कटाने को तत्पर हैं उसकी प्रेरणा माताओं ने ही दी थी । भारतीय परंपरा में न जानें कितने ऐसे उदाहरण मिल जाते हैं जहां इतिहास मां का सम्मान करने के लिए प्रेरित करता है। जननी और जन्मभूमि को स्वर्ग से भी बढ़कर माना गया है। इनका सम्मान करने के लिए हर धर्म ग्रंथ ने अपने तरह से व्याख्या की है। आजकल भौतिकवाद में अंधे होकर शारीरिक सुख के लिए भले एकाध मां होने वाले दामाद के साथ भाग जाए पर भारत का मूल चरित्र आदर्शवाद का ही है जिसमें परिवार और समाज के प्रति जिम्मेदारी और ममता और दृढ़ता के साथ त्याग की प्रतिमूर्ति भारतीय माताएं बनी हुई हैं जिसमें सभी का पेट भरने की जिम्मेदारी उनके ऊपर ही होती है खुद भले भूखी रह जाएं । प्राचीन और मध्यकालीन भारत आत्मसम्मान के लिए जौहर और मातृभूमि की रक्षा के लिए निस्संकोच युद्ध के लिए राणा जी को अपना सर काटकर देने वाली पत्नी स्वरुपा माता भी हैं जिन्होंने सदियों से इसे वीरभूमि बनाया है । आजकल हम पश्चिमी भोगवाद में ऐसे रम गए हैं कि अर्धनग्न शराब पीनेवाली आधुनिक माताओं की संख्या बढाती जा रही है पर क्या समाज इसके लिए दोषी नहीं ? यदि हम पुरुष होकर अपनी मर्यादा खोकर अय्याशी करेंगे भोग विलास को ही संस्कृति बना लेंगे तो कितनी माताएं और कब तक घर के बच्चों को उसी रास्ते पर चलने से रोक पाएंगी ? प्राचीन भारत दादी मां फिल्म का गीत गाता था 'उसको नहीं देखा हमने कभी पर तेरी सूरत से अलग भगवान की सूरत क्या होगी ऐ माँ !' आज के बच्चे दादी से बोलते हैं दादी तुम बहुत सेक्सी लग रही हो । फिल्मों में महिलाओं को मॉडल के रूप में उपयोग करने की परंपरा पुरानी है पर अब पूरी बेशर्मी से उपभोक्ता वस्तुओं की तरह नारी देह को दिखाना और टीवी पर सभी संबंधों को शारीरिक सुख के लिए षड्यंत्र के दावपेंच से भरे धारावाहिक घर-घर दिखाए जा रहे हैं जिन्हें लोग आदर्श मानकर वैसी ड्रेस बातचीत और आचरण पेश कर रहे हैं ऐसे में आदर्श मां और समाज कहां से आएगा ? मदर्स डे अमेरिका में एक लोकप्रिय अवकाश है जो मातृत्व की सराहना और उत्सव तथा परिवार और समाज में माताओं की भूमिका के लिए समर्पित है। लोग अपनी माताओं, दादी, सौतेली माताओं, सास और अन्य मातृ आकृतियों को धन्यवाद देते हैं और उनकी सराहना करते हैं जिन्होंने उनके जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। हम जिन संस्कारों से दूर हो रहे हैं पश्चिम अपने बच्चों को वही सब सिखा रहा है जिसमें बच्चियों में आत्मरक्षा और सजगता के साथ उच्च आदर्श शामिल हैं । मातृ दिवस की मूल अवधारणा माताओं द्वारा की जाने वाली कड़ी मेहनत, प्रयास और समर्पण का सम्मान करने का एक विशेष दिन है। अमेरिका में, मदर्स डे हमेशा मई के दूसरे रविवार को मनाया जाता है। 2025 में यह 11 मई को मनाया जाएगा। इसी दिन को ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे कई अलग-अलग देशों द्वारा मनाया जाता है पर मातृशक्ति को सम्मानित करने का दिन दुनिया भर में काफी अलग-अलग है, जो विभिन्न परंपराओं और विभिन्न ऐतिहासिक कारणों पर निर्भर करता है।

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

इस वर्ष केरल में 27 मई को दस्तक दे सकता है मानसून

नई दिल्ली (हि.स.)

- आईएमडी ने स्वदेशी रूप से विकसित मॉडल का उपयोग कर दी जानकारी

इस वर्ष केरल में 27 मई को मानसून दस्तक दे सकता है। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को बताया कि इस बार केरल में मानसून का प्रवेश 27 मई को होने जा रहा है। पिछले वर्ष मानसून 30 मई को केरल पहुंचा था। शनिवार को मौसम विभाग ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने की शुरुआत केरल में मानसून के मौसम से होती है। जैसे-जैसे मानसून उत्तर की ओर बढ़ता है, चिलचिलाती गर्मी से लोगों को राहत मिलती है। दक्षिण-पश्चिम मानसून आमतौर पर 1 जून को केरल में आता है, जिसका मानक विचलन लगभग 7 दिन होता है। आईएमडी ने एक स्वदेशी रूप से विकसित अत्याधुनिक सांख्यिकीय मॉडल का उपयोग करते हुए इस साल 27 मई को मानसून का पूर्वानुमान लगाया है। इस स्वदेशी मॉडल में उत्तर पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान, दक्षिण प्रायद्वीप में मानसून-पूर्व वर्षा का चरण, उपोष्णकटिबंधीय उत्तर-पश्चिम प्रशांत महासागर में औसत समुद्र तल दवाब, दक्षिण चीन सागर में बहिगार्मी दीर्घतरंग विकिरण, उत्तर-पूर्वी हिन्द महासागर में निचली क्षोभमंडलीय क्षेत्रीय हवा और इंडोनेशिया क्षेत्र में ऊपरी क्षोभमंडलीय क्षेत्रीय हवा का अध्ययन किया जाता है।

गर्मा फसलों के लिए बना फायदेमंद मौसम

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। अब तक बरकरार उमस भरे मौसम के बीच ही शनिवार को तापमान में उछाल आ गया है। बताया गया कि इससे मौसम में बदलाव के बावजूद भी बादल के साथ धूप व गर्म हवाओं के बीच दिनभर असहज महसूस किया गया। इस दौरान दोपहर बाद भी तापमान 40 पर रिकॉर्ड किया गया। इससे बैचेनी महसूस होती रही। बीते कई दिनों तक 35-36 पर तापमान पहुंच गया था। इससे धूप और गर्मी से राहत मिल रही थी। बताया गया कि तापमान का यह स्तर 13 मई तक रह सकता है। ऐसी स्थिति में इन दिनों में पानी के अलावा अन्य पेय पदार्थों के अधिक सेवन और विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होगी। बताया गया कि ऐसे मौसम चक्र में मौसमी बीमारियों ने लोगों की परेशानी बढा दी है। हालांकि गर्मा फसलों के लिए उनकी नियमित सिंचाई के साथ चालू मौसम अनुकूल बताया गया है। जो मक्का,मूंग और मूंगफली की लहलहाती फसलों के लिए फायदेमंद साबित होगी। मौसम पूवार्नुमान के अनुसार इन दिनों में लू के प्रभावी रूप धारण करने की संभावना के मद्देनजर बुजुर्गों और बच्चों के लिए सावधानी बरतना जरूरी होगा। जानकारों की मानें, तो मौसम में उतार-चढ़ाव का सिलसिला बीमारी और बरसात को लेकर शुभ संकेत नहीं है।

मनरेगा के बागवानी लाभुकों को मिला तकनीकी प्रशिक्षण, 105 किसान हुए शामिल

किसान नर्सरी तैयार कर लगाएं उच्च गुणवत्ता वाले पौधे : उप विकास आयुक्त

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। समाहरणालय स्थित विकास शाखा के सभागार में शनिवार को मनरेगा अंतर्गत बागवानी योजना से जुड़े किसानों को फलदार पौधों की नर्सरी तैयार करने का एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने की। उप विकास आयुक्त ने किसानों से आग्रह किया कि वे स्वयं नर्सरी तैयार कर अच्छी किस्मों के गुणवत्ता पूर्ण पौधों का रोपण करें। उन्होंने कहा कि इससे न केवल उत्पादन में वृद्धि होगी, बल्कि किसानों को दीर्घकालिक लाभ भी मिलेगा। प्रशिक्षण में क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिक प्रमोद कुमार एवं सामाजिक संस्था ह्यप्रदानह्न के सीएसओ लंकेश कुमार ने किसानों को तकनीकी जानकारी दी। प्रशिक्षकों ने किसानों को ग्राफ्टिंग विधि से पौधे तैयार करने की प्रक्रिया, नर्सरी प्रबंधन तथा फलों के पौधों की उचित देखभाल की विधियां विस्तार से बताईं। प्रशिक्षण में जिले के सभी प्रखंडों से आए कुल 105 मनरेगा बागवानी योजना के लाभुक किसानों ने भाग लिया। प्रत्येक प्रखंड से पांच लाभुकों का चयन किया गया था। इस अवसर पर मनरेगा के परियोजना पदाधिकारी उपेंद्र राम, तकनीकी सहायक संजीत कुमार, जेएसएलपीएस की डीपीएम अनिता केरकेट्टा, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पैर का नस फटने से ग्रामीण का निधन

हैदरनगर। प्रखंड के परता पंचायत मुख्यालय निवासी 60 वर्षीय महेन्द्र चंद्रवंशी का पैर का नस फटने के बाद अधिक रक्तस्राव से निधन हो गया। परिजनों सहित पंचायत समिति सदस्य गुप्तेश्वर पांडेय ने बताया कि महेन्द्र के पैर में सूजन तीन वर्ष पूर्व से ही था। इससे उनके पैर के नस असमय फूलने की शिकायत होते रही है। इस दौरान उन्होंने लंबे समय से होमियोपैथिक की दवा का सेवन भी करते रहे हैं। शुक्रवार की दूसरे पहर अचानक उनके पैर में पूर्व से फूले नस फटने के बाद इतना रक्तस्राव हो गया कि उसने चंद मिनटों में ही दम तोड़ दिया। मृतक के कमाऊ विवाहित चार पुत्र सहित भरापूरा परिवार है। पुत्रों के अनुसार उनके पिता को बाहर कई जगहों पर इलाज कराने का दवाब बनाये जाने के बावजूद उन्हें होमियोपैथिक की दावा पर ही भरोसा था। किन्तु उन्हें लंबे समय से दवा खाने के बावजूद उनकी बीमारी ठीक नहीं हो सका। इनकी मृत्यु की सूचना पर स्थानीय पुलिस भी जांच पड़ताल कर वापस आ गई है। मृतक का अंतिम संस्कार तटवर्ती सोन नदी के तट पर शनिवार को किया गया है।

प्रखंड में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

सीओ कर रहे हैं मानिटरिंग, बाजार क्षेत्र के जवाहर पथ में चला प्रशासन का बुलडोजर

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। बाजार क्षेत्र सहित मुख्य पथ व नदी-नालों की भी व्यापक पैमाने पर की गई अतिक्रमण की आवाज वर्ष 2018 से ही उठ रही है। इस संबध में लगातार विभिन्न सामाजिक संगठन के कार्यकताओं ने अतिक्रमण मुक्त कराने को लेकर कई सरकारी संस्थानों में दर्जनों बार पत्राचार भी किया है। इस दौरान अतिक्रमणकारियों को अब तक चार बार नोटिस भी तामिला कराया है। बावजूद स्थिति इतनी जटिल हो गई कि बाजार क्षेत्र में दोपहिया लेकर या पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। दो माह पूर्व अंतिम नोटिस के बावजूद सरकारी भूमि, रास्ते व सड़क के प्रति अतिक्रमणकारियों में कोई भी प्रतिक्रिया नहीं होने पर शनिवार को बाजार क्षेत्र के व्यस्ततम जवाहर पथ में प्रशासनिक बुलडोजर चलाना शुरू हो गया है। इस अभियान की स्वयं मानिटरिंग कर रहे सीओ संतोष कुमार ने बताया कि इस मुहल्ले के कुल 19 लोगों को पूर्व में ही कई बार स्वयं सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने का मौका नोटिस के माध्यम दिया गया था। इसमें एक मकान को छोड़ अन्य अतिक्रमणकारी ने घर के बाहर ओटा व चबूतरा का निर्माण अवैध रुप में किया है, किन्तु कोई सुगबुगाहट नहीं होने पर इस मुहल्ले को अतिक्रमण मुक्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इसके अलावा अन्य गली मुहल्लों में फेज वाइज प्रक्रिया शुरू की जायेगी। हालांकि इस कार्रवाई के बाद मुहल्ले में कहीं खुशी तो कहीं गम का माहौल भी छाया है। नीचले तबके के शमीम राईन, उसमान, मुजफ्फरुल हुसैन, अफजल, उमेश, अशरफ आदि अन्य लोगों ने कहा कि इस कार्रवाई में बड़े, दबंग व धनवान की पहुंच, पैरवी से इनके बड़े मकानों को ध्वस्त करने में पक्षपात की जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 में की गई सरकारी स्तर पर रेखांकन व सीमांकन अनुसार सभी लोगों की जमीन अतिक्रमण मुक्त नहीं किया गया तो उच्च न्यायालय की शरण में भी जाने को तैयार हैं। वहीं प्रखंड के वरीय पंचायत समिति सदस्य गुप्तेश्वर पांडेय, मुखिया कमल कमल कुमार पासवान ने कहा कि प्रशासन किसी भी स्तर पर कोई भी लोगों के साथ पक्षपात नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि कई लोगों ने दूसरे जमीन का कागजात दिखाकर प्रशासन को गुमराह करना चाह रहे हैं, किन्तु किसी वाद विवाद से हटकर प्रशासन को अपनी सरकारी भूमि को खाली कराना ही मुख्य उदेश्य है।

करीमनडीह में छात्रों ने निकाली जागरुकता रैली

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। प्रखंड के मोकहर कला पंचायत के उत्क्रमित उर्दू मध्य विद्यालय करीमनडीह के स्कूली बच्चे ने शनिवार को रुआर कार्यक्रम (बैक टू स्कूल कंपेन) के तहत जागरुकता रैली निकाली। इसमें शामिल संबंधित प्रधानाध्यापक के अलावा राजद के प्रदेश सचिव रिजवान खान, मुखिया प्रतिनिधि नावाजिश खान, पूर्व उपप्रमुख कमर रजा ने बताया कि सरकार के निर्देश के तहत ग्रामीण बच्चे व उनके अभिवाकों को सरकारी स्कूलों से जोड़ने का अभियान सतत जारी रखना है। अनामांकित बच्चों को उनके अभिवावकों से संपर्क कर उन्हें स्कूल तक पहुंचाना इस अभियान का लक्ष्य है। स्कूली बच्चों ने इस रैली के माध्यम शिक्षा संबधित विभिन्न जागरुकता के श्लोगन की तख्ती लेकर स्कूल सहित आसपास के इलाके व पोषक क्षेत्र में भ्रमण किया।

स्वास्थ्य जांच शिविर लगा

नौडीह। प्रखंड के नौडीहा बजार में पीएम श्री उत्क्रमित हाई स्कूल में शनिवार को छात्र-छात्राओं की बीच स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया। शिविर में खून, आंख सहित विभिन्न रोगी की जांच की गयी। मौके पर स्कूल के प्राचार्य रोहित कुमार ने कहा आज के दौर हर लोगों का स्वास्थ्य जांच जरूरी है। इसलिए सभी लोगों को अपने स्वास्थ्य का नियमित जांच करवाना चाहिए। मौके शशिकांत, शिक्षक सुनील पाठक, अमरनाथ सोनी,रबिंद्र प्रसाद शर्मा,गुलाम मुर्तजा उपस्थित थे।

बाराही में सीएम के आगमन को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों ने किया बाराही धाम का निरीक्षण

14 को भूमि पूजन अनुष्ठान कार्यक्रम में शामिल होंगे मुख्यमंत्री

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। बराही धाम परिसर में शनिवार को पलामू उपायुक्त के निर्देश पर जिला प्रशासन की टीम बराही धाम में पहुंची। बता दें कि शिवांश चेरिटेबल ट्रस्ट के रणधीर सिंह व जिप उपाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित आम नागरिकों को कार्यक्रम मेंआमंत्रित किया है। इस निमित नगर निगम आयुक्त जावेद हुसैन, अभियान एसपी राकेश कुमार सिंह, छतरपुर एसडीएम आशीष गंगवार, हुसैनाबाद एसडीएम गौरांग महतो, एसडीपीओ छतरपुर अवध यादव, अंचल पदाधिकारी पंकज कुमार, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी, दंगवार ओपी प्रभारी सोनू कुमार ने भूमि पूजन स्थल, हैलीपेड, समेत कई स्थलों का निरीक्षण किया, निरीक्षण के बाद स्थानीय विधायक संजय कुमार सिंह यादव, जिप उपाध्यक्ष आलोक सिंह उर्फ टूटू सिंह, शिवांश चैरिटेबल ट्रस्ट के संयोजक रंधीर कुमार सिंह, इवेन्ट्स व्यवस्थापक आकाश सिन्हा ने बताया कि सीएम के आगमन को लेकर सभी बिंदुओं की जानकारी दी। नगर निगम आयुक्त जावेद हुसैन ने आयोजकों को कई निर्देश दिया। मालूम हो कि बराही धाम महोत्सव पिछले सात मई से शुरू हो चुकी है। आगामी 14 मई को इस धाम परिसर में 551 फीट मां दुर्गा, 151 फिट नवग्रह मंदिर निर्माण को लेकर भूमि पूजन अनुष्ठान कार्यक्रम किया जा रहा है। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन के अलावा कई मंत्री, विधायक, सांसदों के अलावा देश के महान साधु संतों की इस पुनीत कार्य में शामिल होंगे।

पिकअप के धक्के से अधेड़ की मौत

छतरपुर। थाना क्षेत्र के सड़मा पेट्रोल पंप के समीप पिकअप के धक्के से एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना शनिवार शाम सात बजे की बताई जा रही है। जानकारी केअनुसार प्रखंड क्षेत्र के तेनुडीह निवासी रामकेश यादव 55 वर्ष सड़क पार करने के दौरान पिकअप की चपेट मे आ गए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने घायल को छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल इलाज के लिए भर्ती कराया। वहां इलाज के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पिकअप घटना स्थल से फरार हो गया।

जलावन के लिए जंगल की लकड़ियों पर निर्भर हैं महिलाएं

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। भोजन पकाना हो या कुछ और जरूरत, इसके लिए जंगल की लकड़ियों पर से निर्भरता का अंत होता नजर नहीं आ रहा है। खासकर ग्रामीण परिवेश की महिलाओं के लिए लकड़ियां काटने और चुनने की बड़ी पारिवारिक जवाबदेही आज भी निश्चित है। बताया जाता है कि इस जवाबदेही को पूरा करने के लिए साधारण घरों की महिलाओं को अहले सुबह जंगलों की ओर जाने की विवशता होती है। वैसे भी अक्सर ऐसे घरों की महिलाओं को जलावन की लकड़ियों के जंगलों की ओर जाते देखा जा सकता है। गरीबी रेखा से नीचे जीवन बसर करने वाले प्रायः परिवार की गृहिणियों के नाम प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत एलपीजी सिलेंडर और चूल्हे पहली बार मुफ्त उपलब्ध कराए गए हैं। मगर बताया जाता है कि रसोई गैस की कीमतों के अधिक होने की वजह से शायद ही किसी घर में दूसरी बार अथवा नियमित रूप से रसोई गैस की खरीदी करते पाया गया है। जानकार बताते हैं कि बीपीएल परिवार की काफी संख्या में गृहिणियों को अब भी इस योजना का लाभ नहीं मिल सका है। ऐसे में कुल मिलाकर 60-70 प्रतिशत परिवारों को भोजन पकाने को लेकर जलावन के लिए जंगल अथवा मैदानी इलाकों की लकड़ियों अथवा उपले पर निर्भर रहना पड़ता है। इस मामले पर उनका कहना है कि लकड़ियों के लिए भी उन्हें काफी काफी भटकना पड़ता है। जंगलों में अब जहां-तहां ही काफी खोज के बाद लकड़ियां उपलब्ध हो पाती हैं। उन्होंने कहा कि खुले बाजार में भी तो जलावन के लिए लकड़ियां अथवा कोयला उपलब्ध जो नहीं होते हैं। ऐसे में जंगलों से ही काट-चुनकर लकड़ियां जुटाना उनकी विवशता बनी हुई है। उनका कहना है कि इनके लिए विशेष तौर पर रसोई गैस की कीमत में कमी लाना और सभी बीपीएल परिवार को मुफ्त कनेक्शन उपलब्ध कराने पर ही जलावन को लेकर लकड़ियों पर से उनकी निर्भरता का अंत हो सकती है।

मानसून की जल्दी इंट्री से किसानों को होगा बड़ा लाभ

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। मानसून के आगमन को लेकर मौसम वैज्ञानिकों के जारी अनुमान से किसानों को बड़ा लाभ होने की संभावना जताई गई है। इस बार मानसून के तय समय से पहले दस्तक देने के संकेत मिल रहे हैं। मौसमीय स्थितियों में बदलाव और वैश्विक मॉडल्स के अनुसार मानसून की रफ्तार सामान्य से तेज हो सकती है। इस संबंध में प्रमुख ग्लोबल एनडब्ल्यूपी मॉडलिंग केंद्रों से अग्रिम पूर्वानुमान के अनुसार दक्षिण एशियाई क्षेत्र, जिसमें भारत में भी जल्द मानसून सक्रिय हो सकता है। अगले कुछ हफ्तों में हवा के सकुर्लेशन पैटर्न में बदलाव की प्रबल संभावना जताई गई है। बताया गया है कि अंडमान में जल्द मानसून की एंट्री के बाद मध्य मई तक मानसून की बारिश शुरू हो सकती है। 13 मई तक मानसून की पहली दस्तक की संभावना जताई है। इसके बाद मई के अंतिम सप्ताह में केरल में मानसून पहुंच सकता है। जिससे भारत के मुख्य भूभाग में वर्षा शुरू होगी। भूमध्यीय तरंगें मानसून को रफ्तार भी दे सकती है। मौसम विश्लेषण में यह भी सामने आया है कि भूमध्य रेखीय रॉस्बी तरंगें और अन्य आर्द्र इक्वेटोरियल वेव्स, जो या तो आगे बढ़ रही हैं या स्थिर हैं। यह भारत के मौसम पर असर डाल सकती हैं। इन तरंगों का प्रभाव आने वाले दिनों में मानसून की गति बढ़ा सकता है। इससे दक्षिण भारत में जल्द बारिश की संभावनाएं प्रबल होगी। यदि समय पहले मानसून ने दस्तक दी तो इससे खेती और जल संसाधनों को बड़ा लाभ मिलना बताया गया है। किसानों को समय पर बुवाई का मौका के साथ जलाशयों और भूजल स्त्रोतों को रिचार्ज करने में सहायता मिलेगी। अब देखना होगा कि रियल टाइम मॉनिटरिंग से अगले कुछ दिनों में मानसून की दिशा और स्थिति क्या स्पष्ट होती है।

न्यूज | बॉक्स

पेयजल समस्या के समाधान के लिए जेई को अतिरिक्त जवाबदेही मिली

मोहम्मदगंज। पेयजल समस्या के निराकरण को लेकर विभागीय कनीय अभियंताओं की कमी के मद्देनजर 15 वें वित्त आयोग के जेई को प्रखंड वार नामित किया गया है। इस संबंध में उपायुक्त के स्तर से आदेश जारी कर दिया गया है। इसके तहत संबंधित प्रखंडों में 15 वें वित्त आयोग के जेई को ही उसी प्रखंड में उनके विभागीय कार्यों के साथ पेयजल समस्या के निराकरण की दिशा में काम करने का आदेश दिया गया है। इसमें उन्हें विभागीय सहायक अभियंता और बीडीओ के पास बंद, खराब, पेयजल केंद्र/चापानल की उपलब्ध सूची के आधार पर मरम्मत और जीर्णोद्धार कराने की जवाबदेही दी गई है। इसे लेकर उन्हें पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्य में सहयोग प्रदान करना है। इसके लिए स्थानीय प्रखंड मुख्यालय में पदस्थापित 15 वें वित्त आयोग के जेई प्रदीप कुमार को इस प्रखंड क्षेत्र में पेयजल समस्या के निराकरण की दिशा में काम करने को लेकर नामित किया गया। इस समस्या से उन्हें भी अवगत कराने के लिए उनका मोबाइल नंबर 9955288460 भी जारी किया गया है।

श्री विष्णु भगवान, माता लक्ष्मी व पितृ की पूजन से होता है पितृदोष का निवारण

हैदरनगर। श्री विष्णु भगवान का चार अवतार के रुप में आने से वैशाख मास का महत्व का स्थान रखता है। इसमें श्री परशुराम, श्री नृसिंह, कूर्म (कच्छप) और बुद्ध के अवतार के रुप में यह मास भगवान विष्णु को समर्पित है। इस मास में भगवान विष्णु जल में निवास करते हैं। इस संबध में एक चर्चा में ज्योतिष जिज्ञासु पं. कुंडल तिवारी ने कहा कि इस माह में सूर्योदय से पूर्व स्नान कर सूर्यदेव को अर्ध्य देना काफी उत्तम फलदायी माना गया है। सूर्यदेव मेष राशि में होने से उनका प्रबल प्रभाव होता है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री रामचंद्र की पत्नी स्वरुपा माता सीता जी की प्राकट्य दिवस भी वैशाख शुक्ल पक्ष नवमी तिथि को मनाई जाती है। श्री विष्णु भगवान माता लक्ष्मी की पूजा-पाठ, अनुष्ठान, दान, जल, अन्न व वस्त्र दान से मोक्ष की प्राप्ति होती है। वैशाख मास से सभी मांगलिक कार्य विवाह, गृहप्रवेश आदि प्रारंभ हो जाते हैं। अक्षय तृतीया, मोहिनी एकादशी, परशुराम जयंती, सीता प्राकट्य दिवस और भगवान बुद्ध की जन्म-मृत्यु और निर्वाण वैशाख पूर्णिमा को ही मनाई जाती है। इस मास मे श्री विष्णु भगवान, माता लक्ष्मी और पितृ (यम) की पूजन करने से पितृ दोष का निवारण होता है। इस वर्ष 12 मई को वैशाख पूर्णिमा मनाई जायेगी।

पूजा-अर्चना व कर शिव शक्ति मंदिर छत ढलाई कार्य प्रारंभ

नीलांबर पीतांबरपुर। प्रखंड क्षेत्र के दिदरी गांव के मटपुरिया स्थान पर स्थानीय लोगों द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना कर शिव शक्ति मंदिर का छत ढलाई कार्य नारियल फोड़कर प्रारंभ किया गया। इस दौरान लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। मंदिर निर्माण समिति से जुड़े सदस्यों ने बताया कि उक्त मंदिर निर्माण पिछले वर्ष अक्षय तृतीया पर शुरू किया गया था, जिसका विधिवत ढलाई कार्य प्रारंभ हुआ। बताया गया कि लगभग एक करोड़ की लागत से बन रहे यह मंदिर ऐतिहासिक होगा। ढ़लाई कार्य के मौके पर सर्वेश्वर पांडेय, जगनारायण पांडेय, कंचन पांडेय, रवींद्रनाथ पांडेय, प्रेमतोष पांडेय, रामाशंकर पांडेय, संजीत कुमार पांडेय, सुमित दुबे, विशाल पांडेय,राज पांडेय समेत दर्जनों ग्रामवासी उपस्थित रहे।

युवा वर्ग की भागीदारी से शहर का हो रहा है विकासः थाना प्रभारी

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। युवाओं का व्यवसाय में भागीदारी बढ़ने से हरिहरगंज शहरी क्षेत्र का तीव्र गति से विकास हो रहा है। व्यवसाय के प्रति युवाओं का रूझान बढ़ना शुभ संकेत है। ये बातें शनिवार को पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंदन कुमार ने अररुआ खुर्द शनि मंदिर के समीप एवन कलेक्शन रेडीमेड गारमेंट्स का उद्घाटन के मौके पर कही। उन्होंने कहा कि युवाओं की सक्रियता से देश और समाज का विकास होता है। यह काफी प्रशंसनीय है। मौके पर प्रोपराइटर इरफान शाहिद, इमरान शाहिद, मो. यूसुफ, महताब शाहिल उर्फ बबलू, रवि कुमार, मो. उमर, मो. हेलाल आलम, मनोज सिंह, मुस्तफा रजा, मो. सद्दाम सहित कई लोग मौजूद थें।

आपातकालीन व्यवस्था में पुलिस की सेवा व साइबर अपराध पर नियंत्रण की दी गयी जानकारी

पुलिस ने स्कूली छात्र-छात्राओं को थाना के कार्यप्रणाली से कराया अवगत

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू एसपी रीष्मा रमेशन के निर्देश के आलोक में स्कूली छात्र-छात्राओं को पुलिसिंग व्यवस्था से अवगत कराया गया। हुसैनाबाद थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक सोनू कुमार चौधरी, हुसैनाबाद महिला व बाल संरक्षण थाना प्रभारी पुअनि पार्वती कुमारी ने प्लस टू बालिका उच्च विद्यालय, बक्शी उच्च विद्यालय, कन्या मध्य विद्यालय, बालक मध्य विद्यालय के छात्र- छात्राओं को थाना परिसर में बुलाकर उन्हें विधिवत रूप से पुलिस की कार्यवाही व उपयोगिता को समझाया गया। इस मौके पर इंस्पेक्टर सोनू कुमार चौधरी ने बच्चों को बताया कि किसी भी विपरीत स्थिति में अगर आपको पुलिस की जरूरत हैं,तो आप 112 नंबर पर डायल करें। उन्होंने सड़क सुरक्षा अधिनियम का पालन करने,साइबर अपराध से बचने, थाना में आने के बाद किस तरीका से पुलिस की सेवा लेने से संबंधित जानकारी दी। पुअनि. पार्वती कुमारी ने बच्चियों को महिलाओं से सम्बंधित घरेलू झगड़ा,महिला उत्पीड़न, दहेज उत्पीड़न,भूत व डायन बिसाही एवं बच्चों के अपराध से संबंधित जानकारी दी एवं लड़कियों को आत्मरक्षा करने व जरूरत पड़ने पर कानून का मदद कैसे लेनी चाहिए आदि बातों को जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत मे सहयोग करने वालों शिक्षकों ने बुके देकर सम्मानित किया । मौके पर थाना के सहायक मुकेश कुमार, सुरेश पासवान, मनोहर प्रजापति, टुनटुन मिश्रा, गुड्डी कुमारी समेत स्कूल के अध्यापक सचिन कुमार, महबूब हसन, अजमत सलाम सिद्दीकी, रविकांत पांडेय, गौरव द्विवेदी, राजेश प्रसाद गुप्ता, कन्हैया प्रसाद, जुबैर अंसारी समेत कई शिक्षक व काफी संख्या में स्कूली छात्र छात्राएं मौजूद थे।

पर्यटन विकास से स्थानीय स्तर पर बढ़ेगा रोजगार : डीसी

- रानी ताल डैम, बराही धाम व कुंदरी लाह बगान समेत नए स्थलों को मिलेगा पर्यटकीय रूप; केचकी संगम और देवरी पार्क का बनेगा डीपीआर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू उपायुक्त शशि रंजन की अध्यक्षता में जिला पर्यटन संवर्द्धन परिषद की बैठक समाहरणालय सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिले के वर्तमान और संभावित पर्यटन स्थलों के समग्र विकास, सौंदर्यीकरण और रोजगार सृजन की दिशा में व्यापक निर्णय लिए गए। उपायुक्त ने पर्यटन मद अंतर्गत स्वीकृत योजनाओं की क्रमवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करें।

उपायुक्त ने रानी ताल डैम, बराही धाम, कुंदरी लाह बगान एवं झलखंडी मंदिर को पर्यटक स्थलों के रूप में विकसित करते हुए वहां पर्यटकीय सुविधाएं बहाल करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने सभी वर्तमान पर्यटन स्थलों की कैटेगरी अपग्रेड करने की बात कही, ताकि राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर इनकी पहचान बने।

उन्होंने चियांकी पहाड़ एवं पार्क का संचालन मेदिनीनगर नगर निगम को सौंपने, मलय डैम का डीपीआर तैयार कर उसे शीघ्र क्रियान्वित करने, तथा केचकी संगम, भीम चूल्हा एवं निरीक्षण भवन (आईबी गेस्ट हाउस) का डीपीआर तैयार कर पर्यटकीय विकास की प्रक्रिया प्रारंभ करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, देवरी पार्क का जीर्णोद्धार तथा छतरपुर में मल्टीपरपस पार्क के निर्माण की योजना पर अमल की बात कही गई। उपायुक्त ने सभी पर्यटन स्थलों पर साइनबोर्ड (साईनेज) लगाने का निर्देश भी दिया, ताकि आगंतुकों को जानकारी और दिशा-निर्देश सहजता से उपलब्ध हो सकें। उपायुक्त ने कहा कि सरकार पर्यटन स्थलों को एक पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य कर रही है। इसके लिए नए ट्रैकिंग रूट चिन्हित किए जा रहे हैं। इससे पलामू जिले में बाहरी पर्यटकों का आगमन बढ़ेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे, जिससे क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी।

बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष प्रतीमा कुमारी, वन प्रमंडल पदाधिकारी सत्यम कुमार, उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद, नगर आयुक्त जावेद हुसैन, माननीय सांसद व विधायक प्रतिनिधि तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

आबादगंज रेल फाटक पर गेटमैन की लापरवाही

ट्रेन आने के दौरान एकतरफा गेट खोलने से मची अफरा-तफरी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शनिवार को आबादगंज रेलवे फाटक पर एक बड़ी लापरवाही देखने को मिली, जब ट्रेन आने की सूचना के बीच गेटमैन ने एक तरफ का रेलवे फाटक खोल दिया। इससे दर्जनों वाहन रेलवे ट्रैक पर आ गए और अचानक ट्रेन की आवाज सुनाई देने पर अफरा-तफरी मच गई। लोग हड़बड़ी में अपनी गाड़ियां रेलवे ट्रैक पार कराने में जुट गए। घटना लगभग 4:15 बजे की है जब मालगाड़ी के गुजरने की सूचना के बाद रेलवे फाटक बंद कर दिया गया था। लेकिन कुछ ही मिनटों बाद एक ओर का फाटक अचानक खोल दिया गया, जिससे वाहन चालक पार करने की कोशिश करने लगे। दूसरी ओर का फाटक नहीं खुलने के कारण कई वाहन बीच ट्रैक पर फंस गए। स्थिति उस समय और भयावह हो गई जब मालगाड़ी के हॉर्न की आवाज सुनाई दी। हालांकि गेटमैन ने तुरंत दूसरी ओर का गेट भी खोल दिया, जिससे वाहनों को ट्रैक से हटाया जा सका और एक बड़ा हादसा टल गया। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले इसी फाटक के समीप एक महिला व एक पुरुष ने ट्रेन से कटकर जान दे दी थी। यह फाटक कचहरी चौक और कोचिंग संस्थानों को जोड़ता है, जिस कारण यहां हमेशा भीड़ रहती है और फाटक अक्सर बंद रहता है। इस संबंध में गेटमैन चंद्रभूषण ने तकनीकी खराबी का हवाला देते हुए कहा कि गलती से एक ओर का फाटक खुल गया था, लेकिन उन्होंने तत्काल स्थिति को संभाल लिया। वहीं, स्टेशन अधीक्षक उमेश कुमार ने बताया कि जब तक दोनों ओर के गेट बंद नहीं होते, तब तक कोई ट्रेन पार नहीं होती। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम होने के कारण इस प्रकार की घटनाएं सामान्यतः संभव नहीं होतीं, फिर भी मामले की जांच की जा रही है।

न्यूज बॉक्स

नशा से होने वाले नुकसान व आपातकालीन सेवा 112 के प्रति लोगों को किया गया जागरूक

मेदिनीनगर। पलामू जिले के लेस्लीगंज थाना अंतर्गत अटल स्मृति भवन में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य आम जनता को नशे के दुष्प्रभाव और आपातकालीन सेवा नंबर 112 के महत्व के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों और समाजसेवियों ने नशे के कारण समाज में उत्पन्न होने वाली समस्याओं—जैसे गृह कलह, अपराध, और स्वास्थ्य हानि पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही, उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने और जीवन में सकारात्मक दिशा अपनाने की प्रेरणा दी। इसके अतिरिक्त, 112 आपातकालीन सेवा नंबर के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि किसी भी संकट की स्थिति में—चाहे वह महिला सुरक्षा से जुड़ी हो, अग्निकांड, दुर्घटना, चोरी या अन्य कोई आपात स्थिति हो—112 डायल कर तुरंत सहायता प्राप्त की जा सकती है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, युवाओं, और महिलाओं ने भाग लिया और पुलिस प्रशासन के इस प्रयास की सराहना की।

पूर्व मंत्री के.एन. त्रिपाठी ने युद्धविराम पर दिया बयान, भारत के मूल स्वरूप में लौटने की वकालत

मेदिनीनगर। भारत-पाकिस्तान युद्धविराम के पृष्ठभूमि में झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री के.एन. त्रिपाठी ने एक अहम बयान जारी किया है। मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 1947 से पूर्व ब्रिटिश साम्राज्य ने भारत को कमजोर करने के उद्देश्य से इसे पूर्व और पश्चिम में विभाजित कर दिया था, जिसके चलते आज पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देश अस्तित्व में आए। पूर्व मंत्री ने कहा कि यह विभाजन सिर्फ राजनीतिक नहीं था, बल्कि भारत की एकता और संस्कृति को खंडित करने की रणनीति थी। उन्होंने कहा, "पंजाब, सिंध और बंगाल जैसे हमारे ऐतिहासिक हिस्सों को काटकर अलग राष्ट्र बना दिया गया। परिणामस्वरूप ये क्षेत्र प्रतिस्पर्धी राष्ट्रों के हाथों के खिलौने बनते रहे हैं।" उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान शुरू से ही चीन और तुर्की जैसे देशों के प्रभाव में रहा, जबकि बांग्लादेश भी अब अमेरिका और चीन के प्रभाव में आता जा रहा है। त्रिपाठी ने स्पष्ट रूप से कहा कि जब तक 1947 में पारित भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम को समाप्त नहीं किया जाता, भारत की मूल एकता पुनः स्थापित नहीं हो सकती।

पं. दीनदयाल मार्ग के बंद होने से लोग परेशान, रास्ता चालू करने की उठ रही मांग

मेदिनीनगर। अंबेडकर पार्क बनने के दौरान पंडित दीनदयाल मार्ग के बंद होने से स्थानीय लोगों को भारी असुविधा हो रही है। इस मार्ग का उपयोग पहले सुदना, जेलहाता, बैरिया और अन्य स्थानों के लोग बाजार तक सीधे पहुंचने के लिए करते थे। वहीं, इस मार्ग से होकर गुजरने वाली ऑटो भी सीधे बाजार पहुंचती थीं। लेकिन इस मार्ग के बंद होने के बाद, लोगों को अब बाजार जाने के लिए अन्य लंबी और जाम वाली सड़कों का उपयोग करना पड़ता है, जिससे यात्रा की दूरी तो बढ़ी ही है, साथ ही साथ छह मुहान और कचहरी चौक जैसे प्रमुख स्थानों पर जाम की समस्या भी बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि शाम मोहन पर गायत्री मंदिर रोड और बैरिया से आने वाली ऑटो के लिए कोई निर्धारित स्थान नहीं होने के कारण, ऑटो चालक छह मुहान के पास यात्रियों को बैठाने के लिए ऑटो खड़ी करते हैं, जिससे जाम की स्थिति उत्पन्न होती है। इसके अलावा, इस रास्ते में फल की दुकानें और फुटपाथ पर विक्रेताओं के कारण भी जाम की समस्या बनी रहती है। स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि यदि पं. दीनदयाल मार्ग फिर से चालू कर दिया जाए, तो उन्हें राहत मिलेगी और ट्रैफिक की समस्या भी कम हो सकती है।

तिरंगा यात्रा निकालकर भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई का समर्थन किया

मेदिनीनगर। शनिवार को पलामू जिला कांग्रेस पार्टी ने भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवादियों और पाकिस्तान पर की गई कार्रवाई के समर्थन में तिरंगा यात्रा निकाली। यह यात्रा कांग्रेस भवन से दिन के 11:00 बजे, पलामू जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक के नेतृत्व में शुरू हुई। यात्रा में जिले भर के कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी ने पाकिस्तान मुर्दाबाद और सेना के हौसलों को बढ़ाने संबंधी नारे लगाए। यात्रा राजेंद्र चौक होते हुए कांग्रेस कार्यालय में समाप्त हुई। इस अवसर पर, बिट्टू पाठक ने कहा कि भारतीय सेना द्वारा पहलगाम में 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या का बदला लेने के लिए पाकिस्तान स्थित आतंकियों के ठिकानों को जिस तरह निशाना बनाया गया, वह सराहनीय और अनुकरणीय है। उन्होंने कहा, "आतंकवाद के खिलाफ कांग्रेस पार्टी सैन्य कार्रवाई का समर्थन करती है। हम पूरी तरह से भारतीय सेना के साथ खड़े हैं।"कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे कहा, "देश पर संकट के समय भारतीय सेना ने अपने साहस और पराक्रम से खतरे को टाला है। आज भी भारतीय सेना संयम से पाकिस्तान द्वारा किए गए आतंकवादी हमलों का जवाब दे रही है। कांग्रेस पार्टी देश और सेना के सम्मान में सदैव साथ खड़ी है।"

डालसा सचिव को स्थानांतरण पर दी गई भावभीनी विदाई

मेदिनीनगर। पलामू जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) के सचिव सह वरीय सिविल जज (सीनियर डिवीजन) अर्पित श्रीवास्तव को स्थानांतरण उपरांत लीगल एड डिफेंस काउंसिल (एलएडीसी) के अधिवक्ताओं द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर उन्हें पुष्पगुच्छ और मोमेंटो भेंटकर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि श्रीवास्तव का स्थानांतरण झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, रांची में प्रधान डिप्टी सेक्रेटरी के पद पर हुआ है। शनिवार को उनके बेषम कार्यालय में विदाई समारोह आयोजित किया गया। एलएडीसी के चीफ अमिताभ चंद सिंह ने कहा कि श्री श्रीवास्तव के नेतृत्व में टीम भावना से काम करते हुए कई निरीह और कमजोर लोगों को न्याय दिलाने का कार्य हुआ। उन्होंने कहा कि डालसा के माध्यम से न केवल मुफ्त विधिक सहायता प्रदान की गई, बल्कि पीड़ितों को मुआवजा दिलाने में भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय ने कहा कि श्री श्रीवास्तव का कार्यकाल प्रेरणास्रोत रहा है। विशेष रूप से गरीबों और जेलों में बंद लोगों के हक में उनका समर्पण हमेशा यादगार रहेगा।

पूर्ण शांति के लिए पूर्ण युद्ध आवश्यक:: किशोर पांडेय

मेदिनीनगर। भा.ज.पा. के वरिष्ठ नेता और सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता किशोर कुमार पांडे ने कहा कि भारत की सुरक्षा और संप्रभुता पर किसी भी प्रकार का हमला स्वीकार नहीं किया जा सकता है, और इसलिए पूर्ण शांति के लिए पूर्ण युद्ध आवश्यक है। उन्होंने पहलगाम हमले को देश की सुरक्षा पर सीधा हमला बताते हुए कहा कि इसका बदला लेना राष्ट्रीय आत्मसम्मान की रक्षा के लिए जरूरी था। किशोर कुमार पांडे ने भारतीय सेना की तारीफ करते हुए कहा कि हमें अपनी सेना पर गर्व है, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकियों के ठिकानों को सटीक रूप से निशाना बनाकर जवाबी कार्रवाई की। इस कार्रवाई ने देशवासियों में गर्व और आत्मविश्वास का संचार किया है।

झारखंड में खासमहाल भूमि को फ्री होल्ड करने की मांग तेज, आजसू पार्टी ने सरकार से की अपील

मेदिनीनगर। झारखंड में खासमहाल भूमि को फ्री होल्ड करने की मांग लगातार उठ रही है। राज्य बनने के बाद से विभिन्न सरकारों द्वारा इसे लेकर कई बार बयान दिए गए, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। रघुबर दास सरकार ने तो इस मुद्दे पर घोषणा की थी कि खासमहाल भूमि से मुक्ति दिलाई जाएगी, जबकि हेमंत सोरेन ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में भी इस मुद्दे को उठाया था। हालांकि, सत्ता में आने के बाद सभी सरकारें इस मुद्दे को भूल गईं। आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव और खासमहाल मुक्त झारखंड के सचिव सतीश कुमार ने इस मामले पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि 79 साल बाद भी झारखंड में अंग्रेजों द्वारा बनाए गए कानून का पालन किया जा रहा है, जो कि राज्य की जनता के लिए एक बड़ा अभिशाप है। सतीश कुमार ने झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर से इस मुद्दे पर चर्चा की और खासमहाल भूमि को फ्री होल्ड करने, साथ ही इस काले कानून को निरस्त करने की मांग की।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में होटल मालिकों और प्रबंधकों के साथ बैठक

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शहर के सभी होटलों के मालिकों और प्रबंधकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक ने की। इस बैठक का उद्देश्य शहर में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करना था, और होटल मालिकों को सुरक्षा से जुड़ी आवश्यक दिशा-निर्देश देने के लिए यह आयोजन किया गया।

बैठक में होटल मालिकों और प्रबंधकों को यात्रियों के सत्यापन की प्रक्रिया के बारे में सूचित किया गया। इसके तहत होटल में ठहरने वाले प्रत्येक यात्री से आधार कार्ड या अन्य वैध पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लिया जाएगा और उसकी जानकारी होटल रजिस्टर में दर्ज की जाएगी। साथ ही, अगर कोई यात्री अपने साथ वाहन चालक लाता है, तो उस चालक की पहचान, मोबाइल नंबर और आईडी कार्ड की जानकारी भी ली जाएगी। होटल में ठहरे हुए यात्रियों से मिलने आने वाले सभी आगंतुकों का विवरण भी दर्ज किया जाएगा।

विदेशी नागरिकों के लिए : सी-फॉर्म और एस-फॉर्म भरने की प्रक्रिया पर भी चर्चा की गई, और उन्हें बायोमेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा, होटल में किसी भी उत्सव या विशेष अवसरों के दौरान उत्पन्न होने वाली हंगामे की स्थिति पर तत्काल सूचना देने की सलाह दी गई।बैठक में यह भी बताया गया कि होटल के सामने अव्यवस्थित वाहन पार्किंग से यात्रियों को होने वाली असुविधाओं के समाधान के लिए ट्रैफिक इंचार्ज का संपर्क नंबर होटल को प्रदान किया गया है। सभी होटल संचालकों को इन दिशा-निर्देशों का पालन करने का निर्देश देते हुए पुलिस ने यह सुनिश्चित करने की अपील की कि सुरक्षा व्यवस्था में उनका पूरा सहयोग मिले।

अच्छी पैदावार के बाद भी धान अधिप्राप्ति लक्ष्य से चूका जिला

मेदिनीनगर। इस वर्ष बेहतर धान उत्पादन के बावजूद पलामू जिला सरकारी खरीद लक्ष्य को पूरा नहीं कर सका। सरकार द्वारा जिले के लिए तीन लाख क्विंटल धान अधिप्राप्ति का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन निर्धारित समय सीमा तक केवल 2,83,149.95 क्विंटल ही धान की खरीद हो सकी। इसमें से 1,59,308.04 क्विंटल धान संबंधित मिलरों को सुपुर्द किया जा चुका है। धान खरीद की धीमी गति को देखते हुए राज्य सरकार ने इसकी अवधि एक महीने बढ़ाकर 30 अप्रैल तक कर दी थी। इसके बावजूद किसानों ने अपेक्षित रुचि नहीं दिखाई। खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, निर्धारित समय सीमा तक कुल 13,160 पंजीकृत किसानों ने ही अपना धान बेचा। इस बार सरकार द्वारा जिले में कुल 41 एमएसपी केंद्र स्थापित किए गए थे, जहां किसानों को 2400 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान बेचने का अवसर दिया गया। बावजूद इसके लक्ष्य को पूरा नहीं किया जा सका। किसानों की कम भागीदारी के कारणों में मंडी तक पहुंच, समय पर भुगतान की चिंता, निजी व्यापारियों की सक्रियता और केंद्रों की दूरी जैसी चुनौतियां शामिल मानी जा रही हैं।

पलामू में 13 मई को होगी जिला स्तरीय एथलेटिक्स चयन प्रतियोगिता

राज्य स्तरीय मुकाबले के लिए हजारीबाग में 24-25 मई को होगा आयोजन

- साई कटक में पलामू के प्रत्यय पांडेय का चयन, जिले का बढ़ाया मान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के तत्वावधान में 13 मई 2025 को जीएलए कॉलेज एथलेटिक्स स्टेडियम में बालक/बालिका व पुरुष/महिला सीनियर एथलेटिक्स चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता की शुरुआत प्रातः 7:00 बजे से होगी। इस जिला स्तरीय प्रतियोगिता में सरकारी, प्राइवेट, स्कूल, कॉलेज और क्लबों से जुड़े खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। भाग लेने वाले खिलाड़ियों की आयु 30 मई 2025 को 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। प्रतिभागियों को मैट्रिक प्रमाण पत्र (जिसमें जन्म तिथि अंकित हो) तथा आधार कार्ड की छायाप्रति लाना अनिवार्य है।

प्रतियोगिता में निम्नलिखित इवेंट्स आयोजित होंगे : 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मीटर, 5000 मीटर, 10000 मीटर दौड़, हाई जंप, लॉन्ग जंप, ट्रिपल जंप, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो, 20 किलोमीटर वॉक। चयनित खिलाड़ियों को 24-25 मई 2025 को हजारीबाग स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

साई कटक में पलामू के प्रत्यय पांडेय का चयन

जिले के लिए गर्व की बात पलामू जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के संरक्षण में संचालित एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र तथा जीपीएस स्कूल जमुने के छात्र प्रत्यय पांडेय का चयन उड़ीसा के कटक स्थित स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) में नामांकन के लिए हुआ है। प्रत्यय ने कटक में आयोजित चयन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया और साई केंद्र में नामांकन के लिए चयनित हुए। प्रत्यय की कोच रेशमा पांडेय थीं। उन्होंने 2023-24 के झारखंड राज्य स्तरीय जूनियर एथलेटिक्स में गोल्ड जीतकर और राज्य स्तरीय शॉटपुट थ्रो प्रतियोगिता में दो बार प्रथम आकर पलामू जिला का मान बढ़ाया है। उनकी इस उपलब्धि पर जिला खेल पदाधिकारी, ओलंपिक संघ अध्यक्ष किशोर कुमार पांडेय, एथलेटिक्स संघ अध्यक्ष आजात शत्रु प्रसाद सिन्हा, सचिव संजय त्रिपाठी, कबड्डी संघ सचिव उपेन्द्र कुमार, ओलंपिक संघ उपाध्यक्ष कमलानंद दुबे, प्रशिक्षक अनिल कुमार पांडेय, प्रीति कुमारी, दीपेंद्र कुमार, सोनी कुमारी, मोनू कुमार सहित कई खेल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए प्रत्यय को शुभकामनाएं दी हैं।

बंगाली समाज ने मनाई रविन्द्र जयंती, संगीत साधिका ज्योत्सना बनर्जी को मिला 'सुरश्री सम्मान'

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू के बंगाली समाज द्वारा संचालित बंगीय दुर्गा बाड़ी और बंगाली समिति के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार की रात कविगुरु रविंद्रनाथ टैगोर की जयंती पर एक भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दुर्गा बाड़ी स्थित प्रशाल में आयोजित हुआ, जिसकी शुरुआत टैगोर की तस्वीर पर माल्यार्पण से की गई। माल्यार्पण कार्यक्रम में डॉ. कौशिक मल्लिक, ज्योत्सना बनर्जी, शौभिक दत्ता, सैकत चटर्जी, देवाशीष सेनगुप्ता, सूजन राय सहित कई गणमान्य जनों ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. कौशिक मल्लिक ने टैगोर के जीवन और योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कविगुरु की साहित्यिक और सांस्कृतिक देन अनमोल है। उन्होंने भारत को न केवल राष्ट्रगान दिया, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में शांतिनिकेतन जैसी अद्वितीय संस्था की स्थापना की। जलियांवाला बाग नरसंहार के विरोध में उन्होंने 'नाइटहुड' की उपाधि त्याग दी थी। उन्होंने कहा कि जब देश युद्ध जैसी स्थिति का सामना कर रहा है, टैगोर के विचार और उनकी मानवीय सोच और अधिक प्रासंगिक हो जाती है। कार्यक्रम को देश के जवानों के सम्मान में समर्पित करते हुए डॉ. मल्लिक ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर बंगाली समिति द्वारा संगीत के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए स्व. चित्तरंजन दास स्मृति सुरश्री सम्मान से श्रीमती ज्योत्सना बनर्जी को सम्मानित किया गया। उन्होंने ही कार्यक्रम की शुरुआत रविंद्र संगीत "आनोंदो धारा बोहिछे भूबोने" से की, जिससे श्रोतागण भावविभोर हो उठे। कार्यक्रम में सूजन राय ने "एकतुकु छाया लागे" और "आमार बेला जे जाय" जैसे लोकप्रिय रविंद्र संगीत प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। शोंपा बनर्जी ने कविता पाठ किया, वहीं तमन्ना मल्लिक, सौंपा बनर्जी और सोनाली पॉल ने टैगोर की प्रसिद्ध नृत्य-नाटिका चित्रांगदा की प्रस्तुति दी।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 52,262 मामलों का निस्तारण, 30.09 करोड़ रुपये की राशि सेटल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा) के दिशा-निर्देश पर एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पलामू दिवाकर पांडेय के नेतृत्व में शनिवार को व्यवहार न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 52,262 मामलों का निस्तारण करते हुए 30 करोड़ 9 लाख 60 हजार 813 रुपये की राशि का समझौता कराया गया।

लोक अदालत में न्यायिक पीठों के माध्यम से त्वरित व संतोषजनक तरीके से मामलों का निष्पादन सुनिश्चित किया गया। कुल 15 पीठों का गठन किया गया था, जिनमें से 13 पीठ सिविल कोर्ट, पलामू में, एक पीठ हुसैनाबाद अनुमंडलीय न्यायालय और एक पीठ छतरपुर अनुमंडलीय न्यायालय में कार्यरत रही। हुसैनाबाद में पीठ संख्या 14 के मामलों का निस्तारण एसडीएम गौरांग महतो एवं अधिवक्ता रामचंद्र सिंह ने किया, जबकि छतरपुर अनुमंडल के पीठ संख्या 15 में एसडीएम आशीष कुमार गंगवार और अधिवक्ता राकेश कुमार मिश्र ने मामलों का समाधान कराया। इस दौरान प्रि-लिटिगेशन (पूर्व वाद) श्रेणी के 47,398 और न्यायालय में लंबित 4,864 मामलों का निष्पादन किया गया। रिज़र्व पीठ के रूप में जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नवम आभाष कुमार और एसीजेएम सुशीला सोरेन, तथा रिजर्व अधिवक्ताओं के रूप में अजय कुमार पांडेय और संजीव कुमार सिंह को नामित किया गया था। लोगों को सहायता प्रदान करने हेतु एक हेल्प डेस्क भी स्थापित किया गया था, जिसमें अधिवक्ता विक्रम सहाय और पीएलभी मुनेश्वर राम की भूमिका महत्वपूर्ण रही। इस मौके पर कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश संजीव कुमार दास, जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिलेश कुमार, न्यायाधीश स्वेता ढींगरा, शंकर महाराज, सीजेएम मनोरंजन कुमार, सिविल जज रविशंकर पांडेय, रेलवे जेएम प्रागेश निगम, उपभोक्ता फोरम अध्यक्ष मोहम्मद नसरुद्दीन, स्थायी लोक अदालत अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता, एसडीएम सुलोचना मीणा, एसडीएम गौरांग महतो, एसडीएम आशीष गंगवार, अधिवक्ता बीना मिश्रा, ज्ञान रंजन, हुसैन बारिश, एलएडीसी चीफ अमिताभ चंद्र सिंह, डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय, अधिवक्ता सुधा कुमारी, वीर विक्रम वक्स राय, कुमारी नीतू सिंह, रामचंद्र सिंह, राकेश कुमार मिश्र सहित बीमा कंपनियों, बैंकों, वन विभाग, बीएसएनएल एवं अन्य विभागों के कर्मी मौजूद रहे।

संत मरियम विद्यालय में मातृ-दिवस मनाया गया बच्चों ने मां को समर्पित किए भावपूर्ण प्रस्तुति

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। संत मरियम विद्यालय में शनिवार को मातृ-दिवस की पूर्व संध्या पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर बच्चों ने भावनाओं से भरे गीत, कविता और नृत्य प्रस्तुत कर मां की ममता, त्याग और प्रेम को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में उपस्थित माताओं को विद्यालय प्रबंधन द्वारा उपहार और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। बच्चे अपनी मां के प्रति आभार प्रकट करते हुए कृतज्ञता से भरे नजर आए।

इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव ने मातृ-दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि "मां की ममता का कैनवास अत्यंत व्यापक होता है, जिसमें जितना भी रंग भरो, वह अधूरा ही लगता है।" उन्होंने कहा कि विज्ञान यह मानता है कि कोई व्यक्ति स्वयं को सबसे बेहतर जानता है, लेकिन मां वह शक्ति है जो अपने संतान को उसके जन्म से पहले ही जानती है। उन्होंने मां के प्रेम को "सदाशयता के टकसाल में गढ़ा हुआ समर्पण का सिक्का" बताया।

चेयरमैन ने शिक्षा के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यालयों में शिक्षा केवल भौतिक उन्नति तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसमें नैतिकता, करुणा और माता-पिता के प्रति सम्मान जैसे मूल्य समाहित होने चाहिए।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य कुमार आदर्श, समन्वयक अमरेंद्र कुमार, शिक्षिका निकिता गुप्ता सहित समस्त शिक्षकगण एवं भारी संख्या में विद्यार्थी व अभिभावक उपस्थित रहे।

गुरुकुल विद्यालय में मनाया गया मदर्स डे, शिक्षकों की माताओं को किया गया सम्मानित

मेदिनीनगर। गुरुकुल विद्यालय में मदर्स डे के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के शिक्षकों की माताएं अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम की शुरुआत में सभी माताओं का आरती कर और सॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इसके बाद सभी ने मिलकर केक काटा, जिससे कार्यक्रम और भी आकर्षक बन गया।

इस कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिका सीमा मैम ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा, "मां के ही चरणों में चारों धाम है, मां संपूर्ण है, मां की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।" वहीं, संध्या मैम ने कहा, "जीवन की शुरुआत मां से होती है, मां भगवान का रूप होती है!" खुशबू मैम ने कहा, "मां पहली शिक्षिका होती है, और वही हमेशा बच्चों का ध्यान रखती है, हमें मां की सेवा करनी चाहिए।" विद्यालय के अध्यक्ष अनुज सिंह ने गाने के माध्यम से बच्चों को मां की महत्ता समझाने की कोशिश की, और इसके बोल थे: "जैसी करनी वैसी भरनी।" उन्होंने बच्चों से कहा, "अपनी मां की इज्जत करें, क्योंकि दुनिया वह समझती है जो आप बोलते हैं, लेकिन मां वह समझती है जो आप नहीं बोलते। इसलिए मां के साथ समय बिताएं, क्योंकि मां बिना शर्त आपसे प्यार करती है और हमेशा आपके लिए त्याग करती है।"

एक नजर

परिवार के लोग शादी में गए थे, चोरों ने घर में की चोरी

कांडी। थाना क्षेत्र के राणाडीह पंचायत अंतर्गत घुरुआ गांव निवासी नरेश विश्वकर्मा के घर में शुक्रवार की रात चोरों ने चोरी कर फरार हो गए। घटना के समय घर में ताला बंद था। घर के लोग एक शादी समारोह में भाग लेने बिहार के रोहतास जिला के अकबरपुर में 5 मई को गए थे। गांव के लोगों ने घर में चोरी होने की सूचना फोन के माध्यम से नरेश विश्वकर्मा को दिया। चोरों ने नकद तीन हजार सहित तीन थान चांदी के गहना, पायल, बिछिया सहित नया साड़ी, कपड़ा सहित 12 हजार रुपये की संपत्ति चोरी कर लिए। पीड़ित ने बताया कि चोर घर के छप्पर से होकर घर के आंगन में प्रवेश कर लोहे के कुंडी से दरवाजा में बंद ताला तोड़कर घर में रखे बक्सा से सामान की चोरी कर ली।

राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी सुलह समझौते का मामल निष्पादन किया जाता है : एडीजे

73 मामलों का निपटारा किया गया, 26 लाख 92 हजार 922 रूपए राजस्व प्राप्त हुई

नवीन मेल संवाददाता

श्रीबंशीधर नगर। उच्च न्यायालय झालसा के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष नलिन कुमार जिला विधिक सेवा प्राधिकार गढ़वा के तत्वावधान में शनिवार को व्यवहार न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत लगाया गया।राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ व्यवहार न्यायालय के एडीजे वन संजय कुमार सिंह,एडीजे टू मनोज कुमार त्रिपाठी,एसीजेएम अरविन्द कच्छप,अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बृजेश कुमार चौबे, सिविल जज सीनियर डिवीजन सह न्यायिक दंडाधिकारी कमलेश बेहरा, एसडीजेएम सह अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति के सचिव आलोक ओझा, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी सह प्रभारी न्यायाधीश अनुमंडल व्यवहार न्यायालय शैलेंद्र कुमार नापित, अधिवक्ता सुरेखा गुप्ता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। राष्ट्रीय लोक अदालत में 8 बेंच लगाया गया था।पहले बेंच पर एडीजे वन संजय कुमार सिंह ,दूसरे बेंच पर एडीजे टू मनोज कुमार बेंच पर एसीजेएम अरविन्द कच्छप,चौथे बेंच पर राकेश रौशन, पांचवी बेंच पर कमलेश बेहरा ,छठे बेंच पर आलोक ओझा,सातवें बेंच पर शैलेंद्र कुमार नापित तथा आठवीं बेंच पर एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट थें। राष्ट्रीय लोक अदालत में 73 मामलों का निपटारा किया गया। जिसमें 26 लाख 92 हजार 922 रूपए राजस्व प्राप्त हुई। जिसमें बैंक से संबंधित 53 केस, मोटर वाहन से संबंधित 3,विद्युत संबंधित 57, एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट के बेंच 51,वन विभाग 9, एक्साईज व जीआर केस मामलों में 28 का निपटारा किया गया। बैंकों से ऋण प्राप्त 6 लाख 36 हजार 395 रूपए, मोटर वाहन से प्राप्त ऋण 19 लाख 62 हजार 922 रुपए तथा विद्युत विभाग से ऋण प्राप्त 6 लाख 54 हजार रुपए ऋण प्राप्त हुआ। इस लोक अदालत में मोटर वाहन दुर्घटना दावा के तहत व्यवहार न्यायालय के एडीजे वन संजय कुमार सिंह व एडीजे टू मनोज कुमार त्रिपाठी के द्वारा 11लाख 62 हजार 922 रूपए का चेक वितरण किया गया। जिन्हें चेक वितरण किया गया है उनमें मदनलाल गुप्ता को 2 लाख 92 हजार 72 रूपए, नंदलाल गुप्ता को 2 लाख 92 हजार 72 रूपए, रतन लाल गुप्ता को 2लाख 86 हजार 703 रूपए तथा सावित्री देवी को 2लाख 92 हजार 72 रूपए का चेक वितरण किया गया। व्यवहार न्यायालय के एडीजे वन संजय कुमार सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत आपस में सुलह समझौते के साथ मामले का निष्पादन किया जाता है। लोक अदालत सभी सिविल कोर्ट में लगाया जाता है। लोकतंत्र में छोटे-छोटे मामले, लड़ाई-झगड़े,किसी छोटी सी बात को लेकर आपस में झगड़े जैसे मामलों का निष्पादन किया जाता है। मध्यस्थता से अपने मामलों को निष्पादन कराते हैं। जिससे कि लोगों में अच्छा मैसेज जाता है। अनुमंडल क्षेत्र के जितने भी बैंकों के ऋण से संबंधित मामले रहते हैं वह सभी मामलों का निष्पादन किया जाता है।उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में लोग भाग लें और अपने-अपने मामले का निष्पादन कराकर उसका लाभ उठाएं। लोक अदालत में मोटर वाहन दुर्घटना दावा के तहत 4 व्यक्तियों के 11लाख 62हजार 922 रूपए का चेक वितरण गया है। व्यवहार न्यायालय के एसडीजेएम सह अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति के सचिव आलोक ओझा ने बताया कि लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में लोग आएं और अपने मामलों का निपटारा करायें।उन्होंने कहा कि अब लोग जागरुक हो रहे हैं और इसका लाभ भी उठा रहे हैं। इस लोक अदालत में ऋण से संबंधित सभी बैंक,विद्युत विभाग से संबंधित, दूरसंचार विभाग बीएसएनल, वन विभाग तथा कई विभागों के स्टॉल लगाया गया था।मौके पर नगर व्यवहार न्यायालय के सभी अधिवक्ता सभी विभागों के अधिकारी,पीएलभी तथा मामलों का निपटारा कराने के लिए ग्रामीण उपस्थित थे।

तीन माह से जलमीनार खराब, पेयजल की किल्लत

नवीन मेल संवाददाता

केतार। केतार प्रखंड क्षेत्र के मुकुन्दपुर पंचायत के बेलाबार गांव में 15वें वित्त से निर्मित जलमीनार खराब होने से ग्रामीणों के समक्ष पेयजल कि समस्या उत्पन्न हो गई है। उक्त टोला के लोगों को पीने के लिए पानी और मवेशियों को पानी पिलाने के लिए दूसरे टोला से पानी लाना पड़ रहा है। ग्रामीण बानो बीबी, सबीना बीबी, अबीदा बीबी, रूस्ता बीबी, वाजुदिन अंसारी, इस्लामुद्दीन अंसारी, अजामुदिन अंसारी , तनवेज अंसारी, अली मोहम्मद अंसारी ने बताया कि पंद्रहवें वित्त से लगा जलमीनार पिछले तीन महिना से खराब पड़ा है। जलमीनार का मोटर और स्टॉटर खराब है। जलमीनार बनाने के लिए गुहार लगाई, लेकिन जलमीनार नहीं बना। इस चिलचिलाती धूप में हर घर का चापानल सूख गया है। इस कारण काफी परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी से उक्त खराब पड़े जलमीनार बनाने कि गुहार लगाई है। इस संबंध में 15वें वित्त प्रखंड समन्वयक राकेश कुमार ने कहा कि जलमीनार खराब होने की जानकारी मिली है। तीन-चार दिन के अंदर जलमीनार मरम्मत करा दिया जायेगा।

एसपी ने डंडई थाना प्रभारी को किया लाइन हाजिर

डंडई। एसपी दीपक कुमार पांडेय ने डंडई थाना प्रभारी अवधेश कुमार यादव, एएसआई राबिन उरांव को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है। एसपी ने रंका थाना प्रभारी अनिमेश कुमार शांतिकारी को डंडई थाना का नया थाना प्रभारी बनाया है। एसपी ने बताया कि लाइन हाजिर दोनों पुलिस पदाधिकारियों के बारे में मिली शिकायतों की जांच के बाद यह कार्रवाई की गई है।

बीडीओ ने किचन मरम्मत योजना की रिपोर्ट मांगी

नवीन मेल संवाददाता

कांडी। बीडीओ राकेश सहाय ने शिक्षा विभाग द्वारा प्रखंड के कई स्कूलों में प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत किचन शेड की मरम्मत की योजना कि तहत कार्य पूर्णता प्रतिवेदन के लिए प्रस्ताव लाए जाने पर उन्होंने वस्तुस्थिति जानना चाहा। बीडीओ ने शिक्षा विभाग के प्रखंड संसाधन केंद्र से कितने स्कूलों में किचेन शेड की मरम्मत हुई और शेष कितनों की क्या स्थिति है कि जानकारी मांगी। बीआरसी ने संबंधित विद्यालयों से रिपोर्ट तलब किया। तब जाकर स्कूलों के रिपोर्ट व कार्य में काफी विसंगति पाई गई। मालूम हो कि कांडी प्रखंड क्षेत्र के 33 विभिन्न विद्यालयों में किचेन शेड मरम्मत की योजना के तहत कार्य होना है। इसकी प्राक्कलित राशि 17 लाख 22 हजार 626 रुपए थी। इसके विरुद्ध संवेदक द्वारा शिक्षा विभाग के प्रखंड संसाधन केंद्र में सौंपे गए प्रोग्रेस रिपोर्ट के अनुसार 32 स्कूलों के किचेन शेड की मरम्मति का काम कंप्लीट हो गया है। जिसके कार्य के मूल्यांकन के बाद 16 लाख 73 हजार 21 रुपए की मापी पुस्तिका,

एमबी बुक की गई है। नवप्राथमिक विद्यालय चौकड़ी के कार्य को प्रोग्रेस बताया गया है। उसकी मापी पुस्तिका बुक नहीं हुई है। बीडीओ द्वारा मांगे जाने पर प्रखंड संसाधन केंद्र द्वारा योजनाधारक विद्यालयों से कार्य की स्थिति मांगी गई थी। विभिन्न विद्यालयों द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार राजकीय प्राथमिक विद्यालय में इस योजना के तहत किचेन शेड की मरम्मत के लिए विभाग द्वारा 57,371 रुपए निर्गत किए गए हैं। प्रधानाध्यापक शमशाद आलम ने लिखित रिपोर्ट सौंपते हुए कहा है कि अभी तक उनके यहां किचेन शेड की मरम्मति का काम शुरू ही नहीं हुआ है। एचएम ने अपने पैसे से कमरे का केवल पेंट कराया है। इसे भी कंप्लीट दिखाया गया है। राजकीय मध्य विद्यालय सोहगाड़ा में भी कार्य अधूरा है। अपग्रेड मध्य विद्यालय अधौरा व राजकीय मध्य विद्यालय राणाडीह में भी किचेन शेड की मरम्मत का कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। बीडीओ राकेश सहाय ने वस्तु स्थिति की जानकारी होने पर कहा कि इस तरह नहीं चलेगा। सारा कार्य पूर्ण करना होगा।

मृत मुर्गियों को फेंकने से बर्ड फ्लू की आशंका जतायी

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। थाना क्षेत्र के गुड़गांवा के चारमुहन के पास सैकड़ो की संख्या में फेंकी गई मृत मुर्गियां ने दुर्गंध से लोग परेशान है। इतनी अधिक मृत मुर्गियों के फेंके जाने से बर्ड फ्लू की आशंका जताई जा रही है। मुर्गियों के मरने की खास कारणों का पता नहीं चल पाया है। मुर्गियों की मौत की वजह लैब से जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा। भवनाथपुर से चपरी के रास्ते शिवपाहाड़ी जाने वाले रास्ते मे चार मुहान वाले महुआ पेड़ के नजदीक सैकड़ो की संख्या में मृत मुर्गियां फेंकी गई है।मुर्गियों के दुर्गंध से लोगों को परेशानी हो रही है। दुर्गंध इतना अधिक है कि उसके आसपास में खड़ा होना मुश्किल है। पत्रकारों द्वारा दिये गए सूचना के आलोक में पशु चिकित्सा पदाधिकारी सतेंद्र नारायण सिंह के निर्देश पर मैत्री कार्यकर्ता घटना स्थल पर पहुंच कर मरे हुए मुर्गियों का सैंपल लिया है। जानकारी देते हुए चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा कि सैंपल लिया गया है,इसके बाद ही पता लग पाएगा कि आखिर इतनी मुर्गियों की मौत का क्या कारण है।

पूर्व मंत्री ने मरीज को मदद की

रंका। प्रखंड के दर्जी मुहल्ला निवासी अमानुल्लाह खलिफा के लड़के के अचानक तबीयत खराब होने पर पूर्व मंत्री ने सहयोग किया। इस संबंध में दीपक सोनी ने बताया की पूर्व मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर पांच हजार की राशि के साथ एंबुलें की व्यवस्था मरीज के लिए की।

एसडीएम ने अवैध शराब बेचने वालों विरूद्ध की कार्रवाई

मेढ़ना, उरसुगी, बेलचंपा, चेतना इलाकों में चलाया अभियान

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। एसडीएम संजय कुमार ने अवैध देशी शराब बेचने और अड्डेबाजी कर पीने वालों के विरुद्ध शनिवार को औचक छापेमारी अभियान चलाया। उन्होंने गढ़वा रेलवे स्टेशन, मेढ़ना कला, बेलचंपा, चेतना उरसुगी आदि इलाकों में गुमटियों में बिक रही अवैध शराब की सूचनाओं के आलोक में छापेमारी की। इस दौरान ज्यादातर स्थलों पर शराब बिक्री की पुष्टि हुई, हालांकि पीने और पिलाने वाले लोग एसडीएम की गाड़ी देखकर भाग खड़े हुए। छापेमारी में मिली शराब की बोतलों, गैलन व अन्य कंटेनरों में भरी हुई शराब को मौके पर बहाकर नष्ट कर दिया गया। साथ ही लोगों को स्पष्ट चेतावनी दी कि इस प्रकार से खुलेआम सड़क किनारे बैठाकर अवैध शराब पिलाना, अड्डेबाजी करना दंडनीय हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दोबारा निरीक्षण के दौरान अवैध रूप से इन गुमटियों में शराब पीने पिलाने का मामला संज्ञान में आने पर ऐसी गुमटियों को विधि व्यवस्था के लिए खतरनाक मानते हुए ध्वस्त भी किया जा सकता है। उन्होंने आधा दर्जन ऐसे अड्डों पर औचक छापेमारी की। नशाबाजी कर रहे लोगों ने अचानक एसडीएम को अपने सामने देखा तो कुछ देर के लिए भगदड़ मच गयी। बेचने वालों के बीच हड़कंप मच गया और वहां से दौड़ कर भागने लगे। उन्होंने कहा कि उत्पाद विभाग, सभी अंचल अधिकारियों और थाना प्रभारियों को भी निर्देश दिया जा रहा है कि वह शाम को चौक चौराहों और हाइवे किनारे की अवैध गुमटियों में जो अराजक तत्वों का जमावड़ा लगाकर शराब बेचने और पिलाने का काम किया जाता है उन पर निगरानी रखें। ये शराब अवैध अड्डे विधि व्यवस्था की दृष्टिकोण से परेशानी का सबब बनते हैं।

प्रखंड स्तरीय कैरम प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया

नवीन मेल संवाददाता

कांडी। प्रखंड संसाधन केंद्र में प्रखंड स्तरीय कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राएं भाग लिए। प्रतियोगिता में एकल व युगल वर्ग में 17 व 19 वर्ष के बालक व बालिका भाग लिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीपीओ विरेन्द्र प्रसाद ने सभी वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किए बच्चों को प्रमाण पत्र प्रदान किया। 17 वर्ष बालिका ग्रुप में स्तरोन्नत हाई स्कूल बलियारी की आरुषि कुमारी,बालक वर्ग में हाई स्कूल हरिहरपुर के शुभम कुमार, 19 वर्ष बालिका ग्रुप में जमा दो हाई स्कूल कांडी की शाहीन परवीन , बालक वर्ग में हाई स्कूल खरौंधा के नीतीश कुमार,17 वर्ष बालिका वर्ग युगल श्रेणी में उत्क्रमित हाई स्कूल सेमौरा की चांदनी कुमारी व खुशबू कुमारी,बालक वर्ग में हाई स्कूल हरिहरपुर के सीमांत कुमार मेहता व शुभम कुमार,19 वर्ष बालिका वर्ग युगल श्रेणी कस्तूरबा विद्यालय कांडी की अंजली कुमारी व लक्ष्मी कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किए। 19 वर्ष बालक वर्ग युगल श्रेणी में कोई प्रतिभागी ने भाग नहीं लिया। प्रखंड स्तरीय कैरम प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागी अब जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। मौके पर बीआरपी सुनील कुमार,सीआरपी प्रभु राम,शिक्षिका आशा कुमारी सहित कई लोग उपस्थित थे।

बीआरसी मूलभूत सुविधाओं से 20 वर्ष बाद भी वंचित

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। खरौंधी प्रखंड में बीआरसी की स्थापना के लगभग 20 वर्ष बीत जाने के बाद भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। बीआरसी में पीने का पानी नहीं है और शौचालय जर्जर अवस्था में है। बीआरसी की समय पर रंग रोगन, साफ सफाई और मरम्मती नहीं होने से जर्जर होते जा रही है। जिसको लेकर शिक्षकों सहित बीआरसी स्टाफ में नाराजगी है। खरौंधी बीआरसी में साप्ताहिक गुरु गोष्ठी व मीटिंग हर समय आयोजित होती है। जिसमें प्रखंड के सभी विद्यालय के प्रधानाध्यापक तथा शिक्षक भाग लेते है। लेकिन उनके लिए बीआरसी में पीने की पानी की व्यवस्था नहीं है। बीआरसी का चापानल पिछले कई सालों से खराब है। गुरु गोष्ठी तथा मीटिंग में आने वाले शिक्षक बाहर बाजार से पानी लेकर पीते है। बीआरसी में पानी की समस्याओं को देखते हुए कई साल पूर्व एक चापानल लगाया गया था, लेकिन समय पर उसकी मरम्मत नहीं होने से वह खराब है। बीआरसी का शौचालय जर्जर अवस्था में है। बीआरसी आने वाले शिक्षक गंदगी युक्त जर्जर शौचालय का उपयोग नहीं करते है। बीआरसी का शौचालय कूड़ा दान बन हुआ है। शौचालय जर्जर होने से सबसे ज्यादा परेशानी मीटिंग ,गुरु गोष्ठी में पहुंचने वाली शिक्षिकाओं को होती है। इसे लेकर कई शिक्षिकाओं ने पहले से ही नाराजगी व्यक्त करती आई है,लेकिन इनकी समस्याओं को दूर नहीं किया गया। खरौंधी बीआरसी का उद्घाटन तत्कालीन भवनाथपुर विधायक भानु प्रताप शाही ने 30 जून 2006 को किया था। बीआरसी की समय पर रंग रोगन, उसकी साफ सफाई और मरम्मती नहीं होने से जर्जर होते जा रही है। इस संबंध में पूर्व विधायक जितेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि खरौंधी बीआरसी में पीने का पानी की समुचित व्यवस्था नहीं है। दर्जनों शिक्षक प्रतिदिन पानी पीने के लिए इधर-उधर भटकते है। साथ ही बीआरसी का शौचालय भी जर्जर कूड़ा युक्त है।

समस्या को जल्द दूर किया जायेगा : बीईईओ

बीईईओ प्रतिभा कुमारी ने कहा कि हमें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। अगर बीआरसी में पीने का पानी और शौचालय का अभाव है, तो जल्द दूर किया जायेगा।

मोबाइल हैक कर 1.32 लाख की ठगी, थाने में की शिकायत

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। थाना क्षेत्र के चपरी गांव निवासी जितेन्द्र कुमार ने साइबर ठगी का शिकार होने की शिकायत स्थानीय थाना में दर्ज कराई है। उन्होंने अपने आवेदन में बताया है कि 6 मई को 4 बजे उन्होंने गलती से किसी अन्य व्यक्ति के फोन पे नंबर पर एक हजार रुपये भेज दिए। इसके बाद उन्होंने पैसे वापस पाने के लिए पंजाब नेशनल बैंक शाखा में संपर्क किया। वहां स्टाफ ने उन्हें फोन पे कस्टमर केयर से बात करने की सलाह दी। इसके बाद जितेन्द्र ने कस्टमर केयर नंबर 8658480247 पर कॉल किया, लेकिन फोन नहीं उठा। कुछ समय बाद शाम को उन्हें एक अन्य नंबर 8649877239 से कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को फोन पे प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि वह एक लिंक भेज रहा है, जिसे क्लिक करने पर पैसे वापस मिल जाएंगे। पीड़ित ने जैसे ही उस लिंक पर क्लिक किया, उनका मोबाइल अचानक बंद हो गया। लगभग 10 मिनट बाद जब मोबाइल चालू हुआ, तब तक उनके चार बैंक खातों से कुल 1 लाख 32 हजार रुपये गायब हो चुके थे। जितेन्द्र ने बताया कि उनके बैंक खाता से से 49 हजार रुपये, दूसरे खाते से 25 हजार रुपये, झारखंड ग्रामीण बैंक खाता संख्या से 10 हजार रुपये, इंडियन बैंक से 48 हजार रुपये की निकासी कर ली गई। पीड़ित ने थाने में आवेदन देकर पूरे मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह एक सुनियोजित साइबर अपराध है, जिसमें आम नागरिकों को ऑनलाइन सहायता के नाम पर ठगा जा रहा है।पुलिस ने पीड़ित का आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच कर रही है।

आरोग्य दूतों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न, मिला प्रमाण पत्र

विद्यार्थियों के जीवन कौशल को विकसित कर सशक्त बनाने की पहल : प्राचार्य

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान (डायट) रेहला में आयोजित विद्यालय स्वास्थ्य व कल्याण कार्यक्रम के तहत आरोग्य दूत शिक्षकों का पांच दिवसीय गैर-आवासीय प्रशिक्षण शनिवार को संपन्न हो गया। यह प्रशिक्षण आयुष्मान भारत पहल के अंतर्गत स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, जिला शिक्षा पदाधिकारी तथा डायट रेहला के मार्गदर्शन में तथा सेंटर फॉर कैटालाइजिंग चेंज के तकनीकी सहयोग से आयोजित किया गया। समापन समारोह में प्राचार्य रणधीर कुजूर, प्रभारी प्राचार्य अलाउद्दीन, सी-3 के प्रोग्राम ऑफिसर आकाश कुमार ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित कर उनके योगदान की सराहना की। प्रशिक्षण में कक्षा 6 से 12 तक के विद्यालयों से चयनित 2-2 शिक्षकों को विद्यालय आरोग्य दूतों के रूप में प्रशिक्षित किया गया। उनमें उच्च विद्यालयों व प्लस टू विद्यालयों के शिक्षक शामिल थे। प्रशिक्षण के दौरान भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा तैयार प्रशिक्षण संदर्शिका के आधार पर शिक्षकों को शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और जीवन कौशल से जुड़े कुल 16 प्रमुख विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। सभी जिला साधन सेवियों ने विभिन्न सत्रों का संचालन करते हुए छात्रों के समग्र विकास, आत्मनिर्भरता और संवाद क्षमता बढ़ाने पर विशेष बल दिया। प्राचार्य रणधीर कुजूर ने कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के जीवन कौशल को विकसित कर उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रभारी प्राचार्य अलाउद्दीन ने विद्यालयों में स्वस्थ एवं सहयोगात्मक वातावरण बनाए रखने की आवश्यकता को रेखांकित किया।प्रशिक्षकों में शांतनु कुमार चौबे, विकास पांडेय, अनिल कुमार मेहता, आशुतोष चौबे, नीरज कुमार, प्रदीप वर्मा, अरविंद कुमार गुप्ता, शशि शेखर प्रसाद सहित कई विशेषज्ञ शामिल रहे। कार्यक्रम में डायट संकाय के सदस्यगण भी उपस्थित थे।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से युवक घायल

रंका। एनएच 343 लरकोरिया मुख्य सड़क पर साइड लेने के क्रम में एक स्कूटी चालक ट्रैक्टर की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों ने घायल को रंका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराया। घायल व्यक्ति की पहचान वीरेंद्र कोरवा पिता ब्रह्मदेव कोरवा 28 वर्ष के रूप में हुई है। वह अपने गांव अनार से वापस रंका लौट रहा था। घायल का डॉक्टर कृष्ण ने प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए गढ़वा रेफर कर दिया।

डीएवी पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल भवनाथपुर में मातृ दिवस का आयोजन ब हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को सुंदर ढंग से सजाया गया था। प्रत्येक माता का स्वागत विद्यालय के मुख्य द्वार पर तिलक, चंदन एवं पुष्प गुच्छ प्रदान कर किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत हवन-यज्ञ से हुई, जिसमें विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र सचदेवा, सभी माताओं ने भाग लिया। हवन के बाद दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। विद्यालय के छात्रों ने सुमधुर स्वागत गीत प्रस्तुत कर सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। प्राचार्य सचदेवा ने माताओं को प्रथम गुरु की संज्ञा देते हुए उन्हें वंदन किया और उनके त्याग एवं समर्पण की सराहना की। मौके पर विद्यालय प्रबंधन की ओर से डांडिया नृत्य, म्यूजिकल चेयर, सलाद बनाओ प्रतियोगिता एवं रंगोली जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें सभी माताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेताओं को सम्मानित किया गया, जिससे सभी माताएं अत्यंत आनंदित एवं गौरवांवित महसूस कर रही थीं।माताओं ने विद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से उन्हें सामाजिक रूप से जुड़ने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिकारंजना वर्मा एवं पूर्वी रंजन ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

परियोजना में दो फॉग कैनन से किया जायेगा जल छिड़काव

टंडवा (चतरा)। आम्रपाली परियोजना क्षेत्र में कोल परिवहन के दौरान होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए प्रबंधन द्वारा शनिवार से 12 हजार लीटर जल क्षमता वाले दो फॉग कैनन लगाया गया है। जल छिड़काव करने वाले दोनों (फॉग कैनन) मशीनों के सामने एसडीओ सन्नी राज ने नारियल फोड़ने के बाद हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एसडीओ ने कहा कि कोयला के उड़ने वाले धूलकणों को नियंत्रित करने में ये स्प्रिंकलिंग मशीन महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। जीएम अमरेश कुमार सिंह ने बताया कि उक्त वाहन परियोजना क्षेत्र में प्रतिमाह ढ़ाई हजार किलोमीटर तक चलाया जायेगा। सीसीएल प्रबंधन के पर्यावरणीय व सामाजिक दायित्व निर्वहन के प्रति सतत प्रयासरत रहने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मौके पर जीएम (ऑपरेशन) एकेबी सिंह,पीओ मोहम्मद अकरम, स्टाफ अधिकारी (असैनिक)रंजन प्रधान, उप- प्रबंधक (पर्यावरण) मोनू कुमार राय, सीएसआर अधिकारी मोहसिन रजा, रामानंद पंडित, संजय कुमार गुप्ता समेत अन्य अधिकारी व कर्मी मौजूद थे।

मुख्य सचिव ने मंडल डैम निर्माण में आ रही समस्याओं की समीक्षा की

- डूब क्षेत्र के छह गांव के 780 विस्थापित परिवारों को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जाना है
- पुनर्वासित किये जाने वाले परिवारों को भूमि व मुआवजा की राशि उपलब्ध कराये जाने सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। राज्य के मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में मंडल डैम के निर्माण को लेकर आ रही समस्याओं की समीक्षा की गई। बैठक में उप निदेशक पलामू व्याघ्र परियोजना दक्षिणी प्रमंडल प्रजेश कांत जेना द्वारा बताया गया कि मंडल डैम निर्माण के अंतर्गत 6 गांव डूब क्षेत्र में आते हैं। सर्वे किए गए सभी 780 परिवारों को विस्थापित करते हुए सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं सहित अन्य सुविधाओं से भी लाभान्वित किया जाना है। बैठक में मंडल क्षेत्र में अवस्थित ग्रामीणों का गढ़वा के रंका प्रखंड अंतर्गत विश्रामपुर गांव में पुनर्वास किये जाने पर विस्तृत विमर्श किया गया। इस क्रम में पुनर्वासित किये जाने वाले परिवारों को भूमि व मुआवजा की राशि उपलब्ध कराये जाने से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में पुनर्वास के लिए चयनित गांव में मूलभूत सुविधाएं विकसित करने को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया। इस दौरान उपायुक्त गढ़वा को शिफ्टिंग में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। मुख्य सचिव अलका तिवारी ने पलामू जिले के पोलपोल गांव में पहुंच कर पलामू व्याघ्र परियोजना से पूर्नवासित लोगों से मिली। उनसे बातचीत की और उन्हें मिली आवास व सुविधाओं से अवगत हुईं। साथ ही मुख्य सचिव ने लोगों को आश्वस्त किया कि सुरक्षित स्थान पर पुर्नवासित करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने पूर्नवासित लोगों को संपत्ति में दस्तावेजी अधिकार देने की बातें कही। उन्होंने आवंटित भूमि, मकान का मालिकाना हक प्रदान करने की पहल करने का निर्देश दिया। मालिकाना हक प्रदान करने के लिए उन्होंने प्रावधान के अनुरूप आवंटित संपत्ति, भूमि के रजिस्टर-2 में नाम दर्ज कराने संबंधी प्रस्ताव तैयार कर राज्य को भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इसे मॉडल ग्राम के रूप में विकसित करने में राज्य से सहयोग प्रदान किया जायेगा। उन्होंने सभी परिवारों का आधार कार्ड बनवाने व बने आधार कार्ड में पता बदलवाने और सभी पूर्नवासित परिवारों को कृषि, पशुपालन, सहकारिता विभाग, सिंचाई विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं से अच्छादित करने का निर्देश दिया। साथ ही बच्चों को स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्र से जोड़कर शिक्षा ग्रहण कराने का निर्देश दिया। बता दें कि व्याघ्र परियोजना के कोर क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों को जीवन परिवर्तित करने, वन्य जीवों से सुरक्षा प्रदान करने व सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के साथ बिजली, पानी की सुविधा, पक्का मकान का सपना साकार करने को लेकर पलामू व्याघ्र परियोजना के कोर क्षेत्रों से वन विभाग के पुनर्वास योजना के तहत सुरक्षित स्थान पोलपोल में बसाया जा रहा है। इसके तहत वन विभाग के कोर क्षेत्र गारू प्रखंड के कुजरूम से 57 व जयगीर से 22 परिवारों को बसाया जा रहा है। इसमें जयगीर से 22, कुजरूम से 35 परिवार बसाये जा चुके हैं। इससे ग्रामीणों को फायदा हो रहा है। ग्रामीणों को प्रति लाभुक बड़ी नकद राशि भी प्रदान की जा रही है। इसके बाद मुख्य सचिव द्वारा उत्तरी कोयल जलाशय परियोजना (मंडल डैम) के निर्माण कार्य का अवलोकन लिया। इस दौरान वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के सचिव अबु बक्कर सिद्दिकी, जल संसाधन विभाग के सचिव प्रशांत कुमार, उपायुक्त लातेहार उत्कर्ष गुप्ता, गढ़वा उपायुक्त शेखर जमुआर, पलामू उपायुक्त शशि रंजन, पुलिस अधीक्षक लातेहार कुमार गौरव, पुलिस अधीक्षक, पलामू रीष्मा रमेशन, पुलिस अधीक्षक गढ़वा दीपक कुमार पांडेय, जिला उप निदेशक पलामू व्याघ्र परियोजना, उत्तरी प्रमंडल, कोर एरिया, कुमार आशीष, उप निदेशक, पलामू व्याघ्र परियोजना दक्षिणी प्रमंडल, मेदिनीनगर प्रजेश कांत जेना, डीएफओ लातेहार, आईटीडीए निदेशक लातेहार, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार, जिला स्तरीय, अनुमंडल, प्रखंड-अंचल स्तरीय व वन विभाग व पलामू व्याघ्र परियोजना के पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

विधायक ने ट्रांसफार्मर का किया उद्घाटन

कुंदा(चतरा)। विधायक जनार्दन पासवान ने कुसुम्भा गांव में नए बिजली ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नए ट्रांसफार्मर लगने से क्षेत्र के लोगों को बिजली की समस्या से निजात मिलेगी। नए ट्रांसफार्मर के उद्घाटन से क्षेत्र के लोगों में हर्ष का माहौल है। लोगों ने विधायक जनार्दन पासवान को धन्यवाद दिया है।

12 को होगा बायो फ्यूल्स सेंटर का शुभारंभ

बारियातू। प्रखंड मुख्यालय स्थित बारियातू से बालूमाथ जाने वाले एनएच 99 मुख्य सड़क के किनारे शाहदेव ब्रदर्स बायो फ्यूल्स सेंटर का शुभारंभ 12 मई को होना है। यह जानकारी संचालक लाल आशीष नाथ शाहदेव ने दी। उन्होंने बताया कि बारियातू प्रखंड बने लगभग 16 वर्ष के बाद बायो फ्यूल्स का सेंटर खुल रहा है।

डीटी ने किया खान का निरीक्षण, दिए निर्देश

बालूमाथ (लातेहार)/टंडवा (चतरा)। मगध कोल माइंस में शनिवार को मगध सीसीएल परियोजना में डीटी चंद्रशेखर तिवारी का आगमन हुआ। उन्हें सीसीएल मगध परियोजना महाप्रबंधक नृपेन्द्र नाथ, परियोजना पदाधिकारी एस सत्यनारायण ने बुके देकर स्वागत किया। इस दौरान परियोजना डीटी ने खान का निरीक्षण किया। मौके पर खान से जुड़ी हर एक बातों को मगध महाप्रबंधक ने अवगत कराया। उत्पादन से लेकर डिस्पैच आदि बातें विस्तार पूर्वक बताया गया। उन्होंने वर्ष 2024-25 पर कोयला उत्पादन का लक्ष्य को पूरा करने का आवश्यक सुझाव दिया। साथ ही सुरक्षा के साथ लक्ष्य पूरा करने का निर्देश दिए। मौके पर महाप्रबंधक नृपेंद्र नाथ, स्टाफ ऑफिसर (खान) डी के सिंह, परियोजना पदाधिकारी सदाला सत्यनारायण, वीपी आरके, जीएम जीएस रेड्डी समेत परियोजना के कई अधिकारी व कर्मी मौजूद थे।

सशिवि मंदिर में अभिभावक गोष्ठी का आयोजन

लातेहार। सरस्वती विद्या मंदिर में मातृहस्तेन भोजन सह अभिभावक गोष्ठी शनिवार को कराई गई। कक्षा अरुण उदय व प्रभात के माताओं द्वारा स्वयं जलपान लाकर विद्यालय में अपने हाथों से अपने बच्चों को भोजन कराया गया। कार्यक्रम में गौ ग्रास निकलवा कर भोजन मंत्र कराया गया। साथ में मां तू कितनी अच्छी है गीत के माध्यम से वातावरण को जीवंत मूर्त दिया गया। अपने अनुभव कथन के माध्यम से विद्यालय प्रबंध कारणी समिति के अध्यक्ष की धर्मपत्नी सह अधिवक्ता रितु रानी, सचिव की पत्नी विभा पांडेय, अर्चना शुक्ला ने अपने-अपने विचारों को साझा किया। इसके बाद माताओ की गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। गोष्ठी में विभाग निरीक्षक नीरज कुमार लाल, विद्यालय के प्रधानाचार्य उत्तम कुमार मुखर्जी उपस्थित थे। इस अवसर पर वाटिका प्रमुख गीता कुमारी द्वारा स्वर्ण प्राशन के बारे में जानकारी दी गई। उपस्थित माता के अनुभव व सुझावों को नोट भी किया। इस कार्यक्रम में 60 माताओं की उपस्थित रही। कार्यक्रम में वाटिका के सभी दीदी का भरपूर सहयोग मिला।

बनेश्वर बाबा मंदिर की 18 वां स्थापना दिवस मनी

महुआडांड़। प्रखंड अंतर्गत राज डंडा में शनिवार को शिव मंदिर की 18 वां स्थापना दिवस में कलश यात्रा निकाली गयी। इसमें में सैकड़ों महिला पुरुष बच्चे भाग लिए। अवधेश पाठक द्वारा विधि विधान से पूजा कराया गया। समिति द्वारा भंडारा का आयोजन किया गया। इसमें में मुख्य रूप से राजेंद्र प्रसाद, दुर्गा प्रसाद, बासू,अनिल प्रसाद, लक्ष्मी प्रसाद, रवि प्रसाद सहित दर्जनों लोग शमिल थे।

कपड़ा दुकान में लगी आग, लाखों का नुकसान

सिमरिया (चतरा)। सिमरिया-टंडवा रोड स्थित मां सिंहवाहिनी वस्त्रालय में शॉर्ट सर्किट से आग लग जाने के कारण दुकान में रखें लगभग 25 लाख रुपये का कपड़ा जलकर राख हो गया। पुलिस व दुकानदारों की त्परता के कारण कई दुकान आग की चपेट मे आने से बच गये। दुकानदार प्रियरंजन कुमार के अनुसार शुक्रवार की रात वह दुकान बंद कर घर चले गए थे। शनिवार की सुबह 4 बजे सिंहवाहिनी बस छोड़ने आए। बस के एजेंट मोहम्मद ऐनुल हक की नजर दुकान से निकल रहे धुआं पर पड़ी। इसकी सूचना उन्होंने तुरंत सिमरिया थाना प्रभारी प्रियेश प्रशुन और मकान मालिक ज्ञान रंजन को दिया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी घटना स्थल पर पहुंचे और फायर ब्रिगेड की सहायता से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। लेकिन तब तक दुकान में रखा सारा कपड़ा जलकर राख हो गया था। लोगों के अनुसार दुकान में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। आग लगने के कारण दुकानदार प्रियरंजन को 25 लाख रुपए का नुकसान हो गया।

पिता ने दर्ज करायी पुत्री के अपहरण का मामला

चंदवा। थाना क्षेत्र के बरवाटोली पंचायत से नाबालिग के अपहरण का मामला सामने आया है। मामले में नाबालिग पुत्री के पिता ने चंदवा थाना में आवेदन देकर बच्ची की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई है। आवेदन में उन्होंने कहा है कि एक मई की दोपहर से किशोरी लापता है। एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी किशोरी से संबंधित किसी प्रकार सूचना नहीं होने से परिजन परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया है कि गांव के ही सूरज उरांव, पिता परदेशी उरांव ने बच्ची का अपहरण किया है। पीड़िता के पिता के आवेदन के आधार पर पुलिस द्वारा चंदवा थाना में मामला दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई में जुट गई है।

सांसद ने मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भाग लिया

बालूमाथ। चतरा लोक सभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह शनिवार को बालूमाथ पुलिस अनुमंडल क्षेत्र के चेडरा ग्राम स्थित मंदिर प्राण प्रतिष्ठा मारुति नंदन महायज्ञ में भाग लिए। नवनिर्मित मंदिर पर विधिवत पूजा की व यज्ञ स्थल का परिक्रमा कर क्षेत्र की सुख समृद्धि और शांति की कामना की। कहा कि गांव में यज्ञ होने से रोग के कीटाणुओं का नाश होता है। वायु शुद्ध होती है। इसके अतिरिक्त अनावृष्टि के समय वृष्टि की कमी को दूर करता है। यह प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ चार मई से शुरू की गई थी, जो शनिवार को समापन हुआ।

लंबित अबुआ व पीएम आवास जल्द पूर्ण करें : बीडीओ

चंदवा। प्रखंड क्षेत्र में लंबे समय से लंबित पड़े प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अबुआ आवास योजना को गति देने को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदन प्रसाद प्रखंड के अलौदिया,बारी एवं अन्य पंचायतों के विभिन्न गांवों का दौरा किया। इस दौरान किश्त की राशि भुगतान के बावजूद आवास को पूर्ण नहीं कर रहे लाभुकों को जल्द से जल्द आवास को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। बीडीओ ने स्पष्ट शब्दों में लाभुकों को कहा कि जो लाभुक आवास निर्माण में रुचि नहीं दिखा रहे हैं व ससमय लंबित पड़े आवास को पूर्ण करे,अन्यथा उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बता दे कि चंदवा प्रखंड में वर्ष 2016-17 से 2021-22 तक 73, वर्ष 2023-24 में 482 पीएम आवास, 2023-24 में 483 अबुआ आवास पेंडिंग है। 2024-25 में 1806 अबुआ आवास में महज 17 का ही काम शुरू हो पाया है। इसके अलावा 16 आंबेडकर आवास भी लंबित है, जिसे पूर्ण करने को लेकर बीडीओ प्रयास कर रहे हैं। आवास निरीक्षण के क्रम में आवास योजना के प्रखंड समन्वयक कुश ध्वज कुमार, पंचायत सचिव,रोजगार सेवक भी मौजूद थे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ने नशा व मोबाइल की आदत पर चलाया जागरूकता अभियान

चंदवा। स्थानीय ग्रीन फील्ड एकेडमी प्रांगण में शनिवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था के सौजन्य से नशा व मोबाइल की लत से मुक्ति विषय पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को इन दो गंभीर सामाजिक बुराइयों के दुष्परिणामों से अवगत कराना तथा उन्हें संयमित,जागरूक और उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने के लिए प्रेरित करना था। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी की बहनों एवं भाइयों ने अपने प्रेरक वक्तव्यों के माध्यम से विद्यार्थियों को बताया कि नशा और मोबाइल की आदत किस प्रकार जीवन को नष्ट कर सकती है। उन्होंने यह भी समझाया कि ध्यान,योग, सकारात्मक सोच और अनुशासन के माध्यम से इन आदतों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। विद्यालय के निदेशक अरविंद सिंह ने अपने संदेश में कहा कि बच्चों का मानसिक, शारीरिक और नैतिक विकास तभी संभव है जब वे इन बुरी लतों से दूर रहें और आत्म-नियंत्रण को अपनाएं। अनुराधा सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है टेक्नोलॉजी का संतुलित उपयोग। हर विद्यार्थी को यह समझना होगा कि उसका वर्तमान ही उसका भविष्य तय करता है। प्रधानाचार्या श्रीमती अन्नाकुट्टी ने भी कार्यक्रम की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को अच्छे संस्कारों,अनुशासन और आत्मबल से युक्त जीवन जीने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं उपस्थितजनों ने नशा एवं मोबाइल की लत से दूर रहने की सामूहिक शपथ ली। मौके पर कार्यक्रम में शिक्षक एलेक्स, अमर कुमार,उत्तम कुमार,रघु कुमार,रंजन कुमार के अलावे विद्यालय के बच्चे मौजूद रहे।

माओवादी समर्थक को पुलिस ने भेजा जेल

चंदवा। थाना क्षेत्र अंतर्गत तुरीसोत वन क्षेत्र में सीएमपीडीआई के सर्वेक्षण साइट पर हुई आगजनी की घटना में शामिल एक और माओवादी समर्थक नरेंद्र गंझू पिता सुलेश गंझू तुरीसोत (चंदवा) को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार युवक माओवादी मनोहर गंझू को खाना खिलाने,रास्ता बताने, अपने मोबाइल फोन से दूसरे माओवादियों से बात कराने और तुरीसोत जंगल में चल रहे सीएमपीडीआई के साइट पर आगजनी की घटना में शामिल होने का आरोप है। घटना के बाद से वह फरार चल रहा था। पुलिस टीम द्वारा छापेमारी अभियान चला कर युवक को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस ने युवक के पास से दो मोबाइल फोन भी जब्त किया है। छापेमारी दल में चंदवा पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी रंधीर कुमार सिंह,पुअनि रवींद्र कुमार सिंह,पुअनि अजीत कुमार, पुअनि श्रवण कुमार,सैट 44 चंदवा थाना के सशत्र बल के जवान शामिल थे।

कार्यालय, जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गढ़वा

मत्स्य मित्र चयन हेतु आवेदन आमंत्रण सूचना

मत्स्य विभाग, द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन तथा मत्स्य कृषकों तथा विभाग के बीच तकनीक के आदान–प्रदान, योजनाओं के संबंध में प्रगति की सूचना एवं अन्य कार्य हेतु गढ़वा जिले के 20 प्रखण्डों से पंचायत स्तर पर स्वैच्छिक कार्यकर्ता के रुप में मत्स्य मित्रों का चयन किया जाना है, मत्स्य मित्रों द्वारा झारखण्ड सरकार, कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) के पत्रांक 911 दिनांक 24.05.2016 को निर्गत SOP एवं विभागीय राज्यादेश के अनुरुप कार्य किये जायेंगे। मत्स्य मित्रों के चयन का निर्धारित अर्हता निम्नप्रकार होगा।

निर्धारित अर्हता:
1) आवेदक मत्स्य पालक, मैट्रिक पास होना चाहिये।
2) आवेदक को मोटर साईकिल या साईकिल चलाने का ज्ञान हो।
3) आवेदक पूर्व में मत्स्य पालन/मत्स्य मत्स्य बीज उत्पादन के प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हों।
4) आवेदक के पास **Android Mobile** हो।
5) आवेदक को मत्स्य पालन का व्यवहारिक ज्ञान हो।
6) आवेदक स्वैच्छिक कार्यकर्ता के रुप कार्य करने को इच्छुक हो।

आवश्यक कागजात :
1) शैक्षिणिक प्रमाण पत्र की स्व0–अभिप्रमाणित छाया प्रति।
2) आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं बैंक पासबुक की स्व0–अभिप्रमाणित छाया प्रति।
3) प्रशिक्षण प्रमाण पत्र की स्व0–अभिप्रमाणित छाया प्रति।
4) दो पासपोर्ट साईज फोटो।

उम्र सीमा :
1) 21 से 45 वर्ष (महिला/पुरुष)
2) पूर्व के मत्स्य मित्रों को 05 वर्ष अतिरिक्त छुट दी जायेगी।

स्वैच्छिक कार्यकर्ता के रुप में मत्स्य मित्रों के चयन हेतु इच्छुक व्यक्ति से आवश्यक कागजातों के साथ विहित प्रपत्र में दिनांक 26.05.2025 को अप0 5:00 बजे तक जिला मत्स्य कार्यालय, गढ़वा में आवेदन आमंत्रित किया जाता है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि के बाद आवेदन नहीं लिये जायेंगे। आवेदन प्रपत्र कार्यालय, से निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं। स्वैच्छिक कार्यकर्ता के रुप में मत्स्य मित्रों का SOP कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।
अधिक जाकारी हेतु सम्पर्क मोबाईल नं–8252815144

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गढ़वा

PR 352152 (Fish) 25-26 (D)

व्यवहार न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

14 हजार 100 वादों का निपटारा, पांच करोड़ 87 लाख रुपए का हुआ सेटलमेंट

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार व झारखंड विधिक सेवा प्रधिकार के आदेशानुसार और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार सिंह के मार्गदर्शन में व्यावहार न्यायालय परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का ऑनलाइन उद्धघाटन झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सह झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यकारी अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद ने किया। उन्होने जिला के न्यायिक पदधिकारियों, जिला प्रशासन के अधिकारियों, अधिवक्ताओं, पीएलवी, वादकारियों को बढ़चढ़ कर लोक अदालत में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होने कहा कि लोक अदालत में वादों के निष्पादन से समय और पैसा दोनों की बचत होती है। उन्होंने विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कहा कि सबके सहयोग से ही झारखंड में लोक अदालत के माध्यम से वादों का निष्पादन संख्या बेहतर है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में में प्री-लीटिगेशन व लंबित मामलों में 14 हजार एक सौ वादों का निष्पादन किया गया। इसके अलावा लगभग पांच करोड़ 87 लाख रुपए का सेटलमेंट किया गया।

सखी मंडल को दिए गए 16 लाख

राष्ट्रीय लोक अदालत में जेएसएलपीएस के तत्वावधान में स्थानीय सखी मंडल को प्रधान जिलाव सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार सिंह द्वारा 16 लाख रुपए का चेक दिया गया। उन्होंने चेक लेने वाली महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए प्राप्त रुपए से जीविकोपार्जन के लिए सही उपयोग करने और जीवन में आगे बढ़ने की सलाह दी। राष्ट्रीय लोक अदालत में जिला स्तर पर आयोजित निबंध व पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। निबंध प्रतियोगिता में कस्तूरबा गांधी बालिका स्कूल बरवाडीह की लक्ष्मी कुमारी को प्रथम, आरके प्लस टू हाई स्कूल चंदवा के आर्यन गौरव को द्वितीय, कस्तूरबा गांधी बालिका स्कूल बरवाडीह की अंशु कुमारी को तृतीय पुरस्कार मिला। पेंटिंग प्रतियोगिता में कस्तूरबा गांधी बालिका स्कूल बरवाडीह की संध्या कुमारी को प्रथम, कस्तूरबा गांधी बालिका स्कूल बरवाडीह की रूपाली कुमारी को द्वितीय, आरके प्लस टू हाई स्कूल चंदवा की पिंकी कुमारी को तृतीय पुरस्कार दिया गया। यह प्रतियोगिता जिला के छह स्कूलों में चल रहे लीगल लीट्रेसी क्लब में झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा चलाये गये 90 दिवसीय व्यापक जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया गया था।

मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार सिंह, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम दिनेश कुमार मिश्रा, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय सुनिल दत्ता द्विवेदी, सीजेएम विकम आन्नद, एसीजेएम कुमारी जीव, सब जज तृतीय सह न्यायिक दण्डाधिकारी मिनाक्षी मिश्रा, जिला विधिक सेवा प्रधिकार के सचिव शिवम चौरसिया, एसडीजेएम प्रणव कुमार, स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष पन्नालाल एवं सदस्य, कंज्यूमर फॉरम के प्रेसिडेंट एवं सदस्य, लातेहार जिला बार एशोसिऐशन के इंचार्ज पंकज कुमार, एलएडीसीएस के अधिवक्ता, बार एसोसिएशन लातेहार के सदस्य, जिला प्रशासन के पदाधिकारी, व्यवहार न्यायालय के कर्मचारी, पीएलवी के सदस्य, बैंक कर्मी सहित सैकड़ों की संख्या में वादकारी मौजूद थे।

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग
प्राचार्य का कार्यालय– औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सिमरिया,चतरा
Email Id-principalitisimariya@gmail.com

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सिमरिया एवं किशनपुर (LWE) चतरा में शैक्षणिक सत्र 2025–26–27 में नामांकन से संबंधित सूचना

निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, राँची द्वारा NCVT से मान्यता प्राप्त राज्य के सभी सरकारी (LWE सहित), निजी पी0पी0पी0,सी0एस0आर0 एवं टी0एस0पी0 मोड पर संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के शैक्षणिक सत्र 2025–26–27 में नामांकन के लिए योग्य आवेदकों से जो झारखण्ड राज्य के स्थायी/स्थानीय निवासी की श्रेणी में आते हैं और नीचे दिए गए शैक्षणिक योग्यता धारित करते है, उनसे ऑनलाईन (https://iti.jharkhand.gov.in Admission tab) आवेदन –पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

01. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सिमरिया, चतरा में संचालित व्यवसाय एवं रिक्त सीट–

क्र0 सं0	व्यवसाय का नाम	प्रशिक्षण अवधि	रिक्त सीटों की संख्या	शैक्षणिक योग्यता
1.	विद्युत (Electrician)	02 वर्षीय	40	मैट्रिक पास
2.	फिटर (Fitter)	02 वर्षीय	40	मैट्रिक पास
3.	मैकानिक डीजल (Mechanic Diesel)	01 वर्षीय	48	मैट्रिक पास
4.	वेल्डर (Welder)	01 वर्षीय	40	आठवीं पास/मैट्रिक पास

02. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान किशनपुर, (LWE) चतरा में संचालित व्यवसाय एवं रिक्त सीट–

क्र0 सं0	व्यवसाय का नाम	प्रशिक्षण अवधि	रिक्त सीटों की संख्या	शैक्षणिक योग्यता
01	विद्युत (Electrician)	02 वर्षीय	20	मैट्रिक पास
02	फिटर (Fitter)	02 वर्षीय	20	मैट्रिक पास

03. ऑनलाईन करने की तिथि:–

क्र0 सं0	विवरणी	तिथि
01	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की प्रारंभिक तिथि	20.05.2025
02	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि	13.06.2025 अपराह्न 5:00 बजे तक
03	औपबंधिक मेधा सूचियों (आठवीं एवं दसवीं कक्षा) का प्रकाशन	16.06.2025 अपराह्न 5:00 बजे तक
04	औपबंधिक राज्य मेधा सूचियों में शामिल आवेदकों द्वारा प्राप्तांक/प्राप्तांक प्रतिशत, कोटि एवं अन्य प्रविष्टियों में त्रुटि सुधार की अवधि	17.06.2025 से 19.06.2025 तक
05	अंतिम मेधा सूचीयों (आठवीं एवं दसवीं कक्षा) का प्रकाशन	21.06.2025

04. डी0जी0टी0 के पत्रांक–**DGT-MIS011/1/2025-0/o DIR(TC)[71015]**, दिनांक–08.04.2025 के आलोक में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में नामांकन लेने वाले अभ्यर्थियों का वैध मोबाईल नम्बर, ई–मेल आई0डी0 एवं आधार नम्बर आवश्यक है तथा **NTC** उत्तीर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त होने तक उसमें परिवर्त्तन करने की अनुमति नहीं होगी।
डी0जी0टी0 का पत्र https://iti.jharkhand.gov.in के **Download Section** के **Notification** Tab में देखा जा सकता हैं।

05. नामांकन संबंधी विस्तृत महत्वपूर्ण सूचना झारखण्ड **ITI Webportal** (https://iti.jharkhand.gov.in) के **Download Section** के **Notification Tab** में देखा/**Download** किया जा सकता हैं।

06. किसी प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारी हेतु **ITI Webportal** के **Grievance Section** में टिकट **Raise** किया जा सकता है एवं आवश्यकतानुसार मो0 नम्बर–7870647337/7903622627/9334526299 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

उक्त सूचना को Jharkhand के ITI Webportal (https://iti.jharkhand.gov.in) के **Download Section** के **Notification Tab** में देखा/**Download** किया जा सकता हैं।

नोट:– ऑनलाईन करने संबंधी किसी भी प्रकार के सहायता के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सिमरिया, चतरा में सम्पर्क कर सकते है।

प्रभारी प्राचार्य,
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सिमरिया,
चतरा

PR 352185 (Labour Employment and Traning)25-26*D

सीएम से मिले पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज साहू, राज्य के विकास पर हुई चर्चा

- राज्य के विकास, समस्याओं और लोगों की आवश्यकताओं से सीएम हेमंत सोरेन को कराया अवगत

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। राज्यसभा के पूर्व सांसद और कांग्रेस के दिग्गज नेता धीरज प्रसाद साहू ने रांची में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने मुख्यमंत्री को बुके भेंट कर उनका अभिनंदन किया। साथ ही उन्हें राज्य के विकास, समस्याओं और लोगों की आवश्यकताओं से भी अवगत कराया। धीरज प्रसाद साहू ने मुख्यमंत्री से कहा कि झारखंड में गठबंधन की सरकार मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बेहतर काम कर रही है। आम लोगों की अपेक्षाएं पूरी हो रही हैं। राज्य विकास के पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। जनता ने जिस विश्वास के साथ झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल को सत्ता सौंपी है, उस पर गठबंधन की सरकार खरा उतर रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों तक कुछ समस्याओं के निराकरण की जरूरत है। जिसमें पेयजल और रोजगार की योजनाएं शामिल हैं। यूं तो सरकार निचले पायदान पर खड़े अंतिम व्यक्ति के विकास को लेकर भी संकल्पित है, परंतु हमें इन समस्याओं के समाधान और लोगों के विकास के साथ-साथ राज्य को एक विकसित राज्य की श्रेणी में लाकर खड़ा करने के लिए साथ मिलकर अभी काफी आगे चलना है।

पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने लोहरदगा में संपन्न हुए छोटानागपुर बॉक्साइट और कोल वर्कर्स यूनियन के महाधिवेशन के बारे में जानकारी भी दी। साथ ही यहां के मजदूरों की समस्याओं से भी अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि निश्चित तौर पर धीरज प्रसाद साहू के नेतृत्व में दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्र में न सिर्फ कई विकास कार्य हुए हैं, बल्कि स्थानीय समस्याओं का निराकरण भी हुआ है।

राज्य सरकार उनके द्वारा प्राप्त सभी बिंदुओं पर ठोस कार्रवाई करेगी। सरकार सबके विकास को लेकर संकल्पित प्रयास के साथ-साथ काम कर रही है। हम झारखंड को मिलकर एक विकसित राज्य बनाएंगे।

साथ ही लोहरदगा के बीएस कालेज स्थित क्रिकेट मैदान पर फ्लड लाइट लगाने की मांग श्री साहू ने मुख्यमंत्री से की ,जिसमे मुख्यमंत्री ने डीपीआर तैयार कर जल्द भेजने को कहा हैं। मौके पर अधिवक्ता सचितानंद चौधरी और सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा मौजूद थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत के तहत कुल 1619 वादों का निष्पादन, 1.54 करोड़ रुपए की वसूली

किसी मामले की मध्यस्थता कराना ज्यादा बेहतर विकल्प : न्यायमूर्ति सुजीत नारायण

- आपके बीच कानूनी सहायता संबंधी जानकारी देना राज्य स्तरीय विधिक सेवा-सह-सशक्तिकरण शिविर का उद्देश्य : न्यायमूर्ति
- लोहरदगा में राज्यस्तरीय विधिक सेवा-सह-सशक्तिकरण शिविर का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। राष्ट्रीय लोक अदालत एवं राज्यस्तरीय विधिक सेवा-सह-सशक्तिकरण शिविर का आयोजन नया नगर भवन लोहरदगा में किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ नगर भवन, लोहरदगा से सुजीत नारायण प्रसाद, न्यायमूर्ति, झारखण्ड उच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश-सह-झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में वर्चुअल माध्यम से पूरे झारखण्ड राज्य के लिए किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर अनुभा रावत चौधरी, न्यायाधीश, झारखण्ड उच्च न्यायालय-सह-प्रशासनिक न्यायाधीश, लोहरदगा न्यायमण्डल भी मौजूद थीं।राष्ट्रीय लोक अदालत के तहत लोहरदगा न्यायमण्डल में कुल 1619 वादों का निष्पादन किया गया। जबकि 1.54 करोड़ रुपए का भुगतान पक्षकारों के द्वारा जुर्माना एवं राजस्व के रूप में अदा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने कहा कि आपके बीच कानूनी सहायता संबंधी जानकारी देना, कल्याणकारी योजनाओं को आप तक पहुंचाना इस राज्य स्तरीय विधिक सेवा-सह-सशक्तिकरण शिविर का उद्देश्य है। विभिन्न विद्यालयों में लीगल लिटरेसी क्लब का गठन किया गया है जिससे बच्चों को कानूनी जानकारी मिलती है और अन्य को भी वे जागरूक करते हैं। झालसा/डालसा आप सभी को कानूनी सहायता या अन्य किसी प्रकार की सहायता के लिए हमेशा तत्पर है। प्रत्येक गावं व पंचायत में पारा लीगल वॉलेंटियर्स हैं जो आपकी सहायता के लिए तत्पर हैं। हमारा उद्देश्य किसी भी प्रकार की भेदभाव को समाप्त करना है।

डायन कुप्रथा को समाप्त करना अत्यंत जरूरी

लोहरदगा। न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद ने कहा कि झारखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों में डायन कुप्रथा व्याप्त है। इसे समाप्त करना अति आवश्यक है। शिक्षा से इसे दूर किया जा सकता है। दूर-दराज क्षेत्र व ग्रामीण इलाकों के बच्चों को शिक्षित करना अतिआवश्क है तभी डायन प्रथा जैसी कुरीति को दूर किया जा सकेगा। शिक्षा से ही सती प्रथा जैसी कुरीति दूर हो सकी। आज महिलाएं कई क्षेत्रों में पुरूषों से आगे निकल गयी हैं। हर सेवा में अपना योगदान दे रही हैं। आज महिला सशक्त हो रही है जिसका आत्मविश्वास समाज व देश को आगे ले जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी प्रकार का मामला है उसे राष्ट्रीय लोक अदालत जैसे मंच पर लाना बहुत जरूरी है। ऐसी अदालत में मध्यस्थता के जरिए मामले सुलझाये जाते हैं। जिससे आपसी रिश्तों में खटास भी नहीं आती है और उस रिश्ते को बेहतर बनाने में मदद भी मिलती है। इस तरह मध्यस्थता कर मामले को सुलझाना सबसे बढ़िया रास्ता होता है। न्यायमूर्ति ने कहा कि यहां कामकाजी महिलाओं/युवतियों को महिला स्वयं सहायता से जोड़ा जाना चाहिए ताकि ह्यूमन ट्रैफिकिंग रुक सके। ओल्ड एज होम में अटल क्लिनिक की व्यवस्था रहे ताकि वृद्धजनों के स्वास्थ्य की जांच ओल्ड एज होम में ही हो सके। राष्ट्रीय लोक अदालतों में झालसा के को केस निष्पादन में दो बार प्रथम स्थान मिला है। यह आप सभी का प्रयास है।

कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए अदालत हमेशा कार्य करती रही हैं

लोहरदगा। कार्यक्रम में न्यायमूर्ति अनुभा रावत चौधरी ने कहा कि लोक अदालत की गठन के बाद कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए अदालत हमेशा कार्य करती रही हैं। आपसी सहमति से किसी मामले का निवारण किया जाना सबसे बेहतर विकल्प है। इससे न सिर्फ भाईचारा बढ़ता है बल्कि भविष्य में रिश्तो को ठीक करने का विकल्प खुला रहता है। लोक अदालत में संपत्ति, वैवाहिक, वित्तीय समेत अन्य के मामले सुलझाए जा सकते हैं। झालसा ने राष्ट्रीय स्तर पर दो बार केस निष्पादन के मामले में प्रथम स्थान हासिल किया है। यह एक सशक्तिकरण शिविर है जिसमें योजनाओं की जानकारी भी लोगों को दी जाती है। आज के छात्र-छात्राओं को शिक्षा पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि समाज को और बेहतर किया जा सके। लोहरदगा जिला में अग्नि वीर प्रशिक्षण केंद्र खोल जाना चाहिए ताकि अधिक से अधिक युवा सेना में जाने की तैयारी कर सकें।

केस निष्पादन के मामले में झालसा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया : रंजना अस्थाना

लोहरदगा। झालसा रांची की सदस्य सचिव रंजना अस्थाना ने कहा की नियमित रूप से राज्य में लोक अदालत आयोजित होता आ रहा है जिसमें अच्छी संख्या में कैसे निष्पादन किया जा रहा है। वर्ष 2024-25 में झालसा ने पूरे देश भर में लोक अदालत में केस निष्पादन के मामले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। एमिटी यूनिवर्सिटी रांची द्वारा विधिक जानकारियां पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म को नालसा द्वारा भी सराहना करते हुए सम्मानित किया गया है। लोक अदालत हर किसी को आत्मनिर्भर बनने का संदेश देती है।

सभी पंचायत में सेवा केंद्र खोले गए हैं : पीडीजे

लोहरदगा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजकमल मिश्रा ने कहा कि न्यायमूर्ति झारखंड उच्च न्यायालय के प्रयास से सभी पंचायत में विधिक सेवा केंद्र खोले गए हैं। सभी पंचायत में पीएलबी मेंबर काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से लोगों को समय-समय पर जागरूक किया जाता है।न्यायमूर्ति अनुभा रावत चौधरी के द्वारा दिए गए निर्देशों के बाद कारा लोहरदगा में बंदियों के बीच 15 सिलाई मशीन वितरण किया गया है जिनके लिए प्रशिक्षकों की भी व्यवस्था कर दी गई है।

कार्यक्रम में विभिन्न लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का किया गया वितरण

कार्यक्रम में विभिन्न लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया गया। कल्याण विभाग की ओर से मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना अंतर्गत अरविंद राव और श्यामदेव सिंह को बोलेरो गाड़ी प्रदान किया गया। रुबीना खातून को टेंट हाउस के लिए राशि प्रदान की गई। आरती उरांव को ट्रैक्टर प्रदान किया गया। अनामिका गाड़ी और सुमन देवी को 9 लाख का रिवाल्विंग फंड प्रदान किया गया। दीपिका वर्मा और पूजा तिर्की को डेढ़ करोड़ रुपए का चेक सीआईएफ (कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड) के तहत प्रदान किया गया। संजय कुमार सिंह को कृषि विभाग की ओर से चयनित लघु के रूप में सोलर पंप सेट प्रदान किया गया। उद्योग विभाग की ओर से चयनित लाभुक राजकुमार उरांव को सोलर पंप सेट प्रदान किया गया। राजेश कुमार को पशु आहार प्रदान किया गया। सोनारी उरांव और सुखी उरांव को सामाजिक सुरक्षा विभाग की ओर से पेंशन का स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से चयनित सेविका उर्मिला कुमारी को स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। इसी प्रकार सहायिका के रूप में चयनित सरिता देवी को स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत बिलासी देवी और शांति पुरा को गृह प्रवेश हेतु घर की चाबी प्रदान की गई। आज के कार्यक्रम में जिला के 10 हजार लाभुकों के बीच 10 करोड रुपए की राशि का परिसंपत्ति का वितरण किया गया। कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से रांची, हजारीबाग और धनबाद जिला को जोड़ा गया जिसमें उक्त जिला के लाभुकों को वर्चुअल माध्यम मुआवजा समेत अन्य लाभ प्रदान किये गए। कार्यक्रम में अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर कर सम्मनित किया गया और स्मृति चिह्न प्रदान किया गया।

लोगों को सशक्त बनाने में सरकार चला रही कल्याणकारी योजनाएं : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ. वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने कहा कि लोगों को सशक्त बनाने के लिए समय-समय पर राज्य सरकार द्वारा योजनाएं लागू की जाती है आज के शिविर में जिला के 10 हजार लाभुकों के बीच 10 करोड़ रुपए की राशि की परिसंपत्ति का वितरण किया गया है। आज कई योजनाएं जिला में लागू है जिसके कारण युवक यहां रोजगार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के अंतर्गत सब्सिडी पर ऋण मुहैया कराया जा रहा है।

एसएचजी को रिवोल्विंग फंड दिया जा रहा है। कृषक उन्नत तकनीक सीख रहे हैं। सोलर पंप का वितरण किया जा रहा है जिससे सिंचाई आसान हो गई है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना में उद्यमियों उद्यम करने के लिए बिजनेस करने के लिए युवाओं को आसान किस्तों पर आसान सब्सिडी पर रन मुहैया का कराया जा रहा है। इसी तरह खाद्य पदार्थों की प्रोसेसिंग यूनिट की अधिष्ठापन के लिए युवाओं को ऋण दिया जा रहा है। सर्वजन पेंशन के अंतर्गत सभी पात्र लागू को 1000 राशि हर माह दी जा रही है। बिरसा हरित ग्राम योजना के अंतर्गत इमारती पौधे व खेती फलदार पौधे लगाए जा रहे हैं।

बिजली पोल नहीं गाड़े जाने पर ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। राजनगर चेटर में बिजली पोल न लगाने से नाराज ग्रामीणों ने शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक की अध्यक्षता गुमला प्रखंड शिक्षक संघ अध्यक्ष बागेश्वर प्रजापति ने की, जबकि संचालन भारत माला अध्यक्ष राजेश मिंज ने किया। ग्रामीणों ने बताया कि छह माह पूर्व बिजली विभाग को लिखित आवेदन देकर बिजली पोल लगाने की मांग की गई थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

बैठक में बताया गया कि विभाग को दोबारा आवेदन भी सौंपा गया, फिर भी कार्य नहीं होने पर लोगों में आक्रोश है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि दस दिनों के भीतर बिजली पोल नहीं लगाए गए, तो ग्रामीणों के साथ झारखंड प्रदेश प्रतिज्ञा महिला एसोसिएशन मिलकर बिजली विभाग कार्यालय में ताला जड़ने का आंदोलन करेगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विभाग की होगी।

बैठक में सामाजिक मुद्दों पर भी चर्चा हुई, जिसमें नशा उन्मूलन और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को दूर करने के लिए सामूहिक प्रयास करने की बात पर सहमति बनी।

बैठक में सिसिलिया आनंद, रीता टोप्पो, मधु कुजूर, सुषमा तिर्की, ममता देवी, सुनीता देवी, वीणा देवी, पूर्णिमा देवी, अमृता देवी, अनीमा देवी समेत कई महिलाएं मौजूद थीं। देवकी देवी को भी बैठक में आमंत्रित किया गया था।

प्रखंड स्तरीय कैरम प्रतियोगिता में चैंपियन बना नंदलाल उच्च विद्यालय अरु

अनुशासन में रह कर खेल और पढ़ाई में मेहनत करें : नैंसी सीमा लकड़ा

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। प्रखंड मुख्यालय स्थित कस्तूरबा आवासीय विद्यालय सेन्हा में प्रखंड स्तरीय कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कैरम प्रतियोगिता में प्लस टू नंदलाल उच्च विद्यालय अरु,बुनियादी विद्यालय सेन्हा और कस्तूरबा बालिका आवासीय विद्यालय सेन्हा के बालक बालिकाओं के बीच अंडर 17 एवं अंडर 19 के खिलाडिय़ों के बीच प्रतियोगिता आयोजित किया गया। जिसमें नंदलाल प्लस टू उच्च विद्यालय अरु के बालक बालिकाओं का टीम अपने अपने मैच जीत कर प्रखंड स्तरीय कैरम प्रतियोगिता का चैम्पियन बना। वही विद्यालय पहुंचने पर विद्यालय के प्राचार्य नैंसी सीमा लकड़ा द्वारा एक सादे समारोह आयोजित कर प्रखंड स्तरीय चैंपियन बनने पर विद्यालय के बालक व बलिक टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य नैंसी सीमा लकड़ा ने कहा कि विद्यालय खेल और शिक्षण में आगे बढ़ रहा है। विद्यालय के शिक्षक और बच्चे मेहनती है। उन्होंने बच्चों से कहा कि अनुशासन में रह कर खेल और पढ़ाई में मेहनत करें जिसे आप सब को सफलता मिलेगी। प्रखंड स्तर के बाद आप सबको जिला स्तर पर कैरम प्रतियोगिता में भाग लेना है। जिसके लिये अभी से प्रयास जारी रखें जिसे जिला स्तर पर भी जीत हासिल होगी। बालिका वर्ग अंडर 19 में एकल कैरम प्रतियोगिता में शबनम नाज प्रथम,युगल जोड़ी में शबनम नाज प्रतिमा कुमारी प्रथम, बालक वर्ग एकल में अभिषेक लहेरी प्रथम, युगल जोड़ी में प्रथम अरविंद उरांव एव अभिषेक लहेरी रहें।

अवैध बालू परिवहन पर एसपी की सख्ती, नौ पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

सड़क पर उतरे एसपी हारिस बिन जमां, लापरवाही पर तत्काल कार्रवाई

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जिले में अवैध बालू परिवहन को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया है। एसपी हारिस बिन जमां ने मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वयं देर रात सड़कों पर गश्त की और अपनी आंखों से वास्तविकता का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पाया कि जिन अधिकारियों को अवैध बालू परिवहन पर नियंत्रण की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, वे गंभीर लापरवाही बरत रहे थे। एसपी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए भंडरा, लोहरदगा और सेन्हा थाना के नौ पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया है। ये सभी अब थाने की नियमित ड्यूटी पर नहीं रहेंगे। लोहरदगा, सेन्हा और भंडरा प्रखंड में रात के समय धड़ल्ले से हो रहे बालू के अवैध परिवहन से आम जनता परेशान थी। तेज रफ्तार वाहनों की आवाजें रात के सन्नाटे को चीर रही थीं, जिससे लोगों का चैन से सो पाना मुश्किल हो गया था। खासकर बुजुर्ग और कमजोर दिल वाले लोग दहशत में थे। एसपी को लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर जब उन्होंने खुद निरीक्षण किया, तो स्थिति की गंभीरता सामने आ गई। इसके बाद उन्होंने दोषी पुलिसकर्मियों के विरुद्ध सख्त कदम उठाया। एसपी की इस कार्रवाई के बाद जिले भर में हड़कंप मच गया है। एसपी हारिस बिन जमां ने स्पष्ट किया है कि अवैध गतिविधियों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सेना से सेवानिवृत्त जीत सहाय भगत का लोहरदगा में भव्य स्वागत

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा जिले में सेना से सेवानिवृत्त होकर लौटे जीत सहाय भगत और उनकी पत्नी का आदिवासी समुदाय ने पारंपरिक रीति-रिवाजों और हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया। आदिवासी सहयोग समिति के विभिन्न इकाइयों द्वारा आयोजित इस सम्मान समारोह में शहर के कई स्थानों पर उनका अभिनंदन किया गया। स्वागत कार्यक्रम का नेतृत्व आदिवासी आयोग समिति मुरकी, आदिवासी सहयोग समिति बोंगा और ओयना करम टोली की टीमों ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष राकेश भगत, गृह सचिव जितेंद्र उरांव, लोहरदगा पश्चिमी क्षेत्र के अध्यक्ष चंद्रशेखर भगत सहित कई अन्य सदस्य मौजूद रहे। ओयना से कार्यक्रम की अगुवाई पूर्व सैनिक बसंत उरांव ने की।

जीत सहाय भगत को पारंपरिक घोड़ा नाच, आदिवासी नृत्य, गाजे-बाजे और रीति-रिवाजों के साथ एक जीप यात्रा के माध्यम से शहर के विभिन्न मार्गों में घुमाया गया। इस दौरान उन्होंने बीएस कॉलेज रोड स्थित स्वर्गीय कार्तिक उरांव की प्रतिमा, पावरगंज चौक स्थित सुभाष चंद्र बोस और कचहरी चौक स्थित वीर बुद्धू भगत की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने सैन्य अनुभव साझा करते हुए श्री भगत ने बताया कि 2001 में उन्होंने चार राष्ट्रीय राइफल में सेवा देते हुए उग्रवादियों से सीधी मुठभेड़ की थी। इसके अलावा, 2016 में उन्होंने ग्लेशियर क्षेत्र में -40 डिग्री तापमान में ड्यूटी की, जहां महीनों तक घर से संपर्क संभव नहीं हो पाता था। सेवानिवृत्त होने से पहले उनकी पोस्टिंग ग्वालियर में थी, और अब 30 वर्षों की सेवा के बाद वे लोहरदगा जिले के आनंदपुर गांव लौट आए हैं। उनके स्वागत समारोह ने क्षेत्र में देशभक्ति की भावना को और भी मजबूत किया है।

कार्तिक उरांव कॉलेज के पास सड़क हादसा

अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत, एक गंभीर घायल

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला-पालकोट रोड स्थित कार्तिक उरांव कॉलेज के समीप शुक्रवार की देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा रात करीब 12 बजे हुआ जब दोनों युवक बाइक से लौट रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें पीछे से जोरदार टक्कर मार दी और फरार हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही गश्ती पर निकली गुमला थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने समीर सोरेंग (पिता मंगरा खड़िया), निवासी तिलई डीह, पालकोट को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल दिलीप खड़िया, निवासी महुदा पतरा टोली, सिसई का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार दोनों युवक बंगरू गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे और किसी कार्यवश गुमला शहर आए थे। रात में वे वापस लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि समीर की मौके पर ही मौत हो गई।

दोनों युवक गोवा में मजदूरी करते थे और हाल ही में छुट्टियों में घर लौटे थे। शुरू में मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी और शव को शवगृह में रखा गया था। शनिवार सुबह करीब 8 बजे घायल दिलीप को होश आया, तब जाकर घटना का पूरा विवरण सामने आया और मृतक की पहचान समीर सोरेंग के रूप में हुई। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया है। शव का आज पोस्टमार्टम किया गया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है। इस दर्दनाक हादसे ने इलाके में शोक की लहर फैला दी है।

अर्द्धनिर्मित मकान से हुई चोरी

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। भरनो थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद हैं। शुक्रवार की रात अज्ञात चोरों ने एनएच-23 रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर स्थित भरनो ब्लॉक चौक नवाटोली रोड किनारे सत्यनारायण केशरी के अर्धनिर्मित मकान को निशाना बनाते हुए चोरी की बड़ी घटना को अंजाम दिया।

चोर छत के रास्ते मकान के अंदर घुसे और कमरे में रखी समरसेबल मशीन, विद्युत तार एवं कटा हुआ सरिया चुरा कर फरार हो गए। शनिवार सुबह जब मकान मालिक सत्यनारायण केशरी ने मकान का चैनल गेट खोला, तब चोरी की घटना का पता चला। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना भरनो थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए भरनो पहुंचे एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और भरनो थाना प्रभारी कंचन प्रजापति को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और चोरों की तलाश जारी है।

नन्हे हाथों से नर्सों को सलाम: गुमला के बच्चों ने मासूमियत से जताया आभार

गुमला। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर गुमला के बचपन प्ले स्कूल और बीटीएलके पब्लिक स्कूल के नन्हे-मुन्नों ने नर्सों के प्रति अपने स्नेह और कृतज्ञता को मासूम अंदाज में व्यक्त किया। कक्षा 5 और 6 के विद्यार्थियों ने गुमला सदर अस्पताल पहुंचकर नर्सों को रंग-बिरंगे फूलों के गुलदस्ते और हाथों से बनाए कार्ड भेंट किए। उन्होंने नर्स दीदियों के अथक परिश्रम और सेवा भाव के लिए धन्यवाद कहा। वहीं, एलकेजी के छोटे बच्चे भी पीछे नहीं रहे। गोकुलनगर स्थित एडवांस केयर हॉस्पिटल जाकर उन्होंने नर्सों को फूल और सम्मान पत्र भेंट किए। उनकी मासूम मुस्कान और स्नेहिल भाव ने सभी का दिल जीत लिया। विद्यालय में भी शिक्षिकाएं अर्पिता राय, पल्लवी गोस्वामी और सोनल रानी ने नर्सों के योगदान को बच्चों तक पहुँचाने के लिए कहानियों और नाटकों का सहारा लिया। बच्चों ने नर्सों की भूमिका पर चर्चा करते हुए उन्हें जीवन के हर मोड़ पर मददगार बताया। बचपन प्ले स्कूल और बीटीएलके पब्लिक स्कूल का मानना है कि समाज को नर्सों के निस्वार्थ सेवाभाव को सम्मानित करना चाहिए, और बच्चों का यह प्रयास इस भाव को साकार करता है।

गुमला चेंबर के पूर्व उपाध्यक्ष के निधन पर व्यापारिक जगत में शोक की लहर

गुमला। गुमला के जाने-माने व्यवसायी, समाजसेवी और गुमला चेंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व उपाध्यक्ष अनिल स्वेता के आकस्मिक निधन से पूरे जिले में शोक की लहर है। उनका निधन बीती रात लगभग 12:30 बजे उनके आवास पर हुआ। वे पिछले कुछ महीनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनकी अंतिम सांस ने न सिर्फ उनके परिजनों, बल्कि गुमला के व्यावसायिक और सामाजिक क्षेत्र को गहरा आघात पहुँचाया है। अनिल स्वेता न केवल एक कुशल व्यवसायी थे, बल्कि सामाजिक सरोकारों से भी गहराई से जुड़े रहे। उनका स्वभाव बेहद मधुर था और वे सभी वर्गों में सम्मानित थे। गुमला चेंबर में उपाध्यक्ष पद पर रहते हुए उन्होंने कई ज़िम्मेदारियाँ कुशलता से निभाईं और संगठन को मजबूत दिशा दी। चेंबर अध्यक्ष राजेश सिंह ने शोक प्रकट करते हुए कहा, "अनिल जी हमारे वरिष्ठ साथी और एक प्रेरणादायी व्यक्तित्व थे। उनके निधन से एक बड़ी रिक्तता पैदा हो गई है। इस दुख की घड़ी में पूरा चेंबर उनके परिजनों के साथ है और ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है।"

सुरक्षा कारणों से बिना अनुमति सार्वजनिक सभा पर रोक

गुमला। चैनपुर अनुमंडल कार्यालय की ओर से ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनज़र एक आवश्यक सूचना जारी की गई है। भारत सरकार द्वारा सीमा पर चलाए जा रहे सैन्य अभियान को देखते हुए नागरिकों की सुरक्षा तथा विधि-व्यवस्था को बनाए रखने के उद्देश्य से यह निर्देश जारी किया गया है। सूचना के अनुसार, बिना सक्षम प्राधिकार की पूर्व अनुमति के किसी भी स्थान पर किसी प्रकार का जलसा, जुलूस या सार्वजनिक सभा, जिसमें भीड़ एकत्र होने की संभावना हो, आयोजित नहीं की जाएगी। अनुमंडल प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र में शांति बनाए रखें और निर्देशों का पालन करें, जिससे किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो।

मारासीलि में 15 मई को लगेगा जेठ जतरा

भरनो (गुमला)। भरनो प्रखंड अंतर्गत मारासीलि गांव स्थित जतरा बगीचा में शनिवार को पांच पड़हा जेठ जतरा समिति की बैठक ग्राम प्रधान बुदला उरांव और मुखिया सुकेश उरांव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में आगामी 15 मई 2025 को पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ जेठ जतरा आयोजन की रूपरेखा पर चर्चा की गई। मुखिया सुकेश उरांव ने बताया कि इस अवसर पर आसपास के गांवों से खोड़हा दलों को आमंत्रित किया जाएगा, जो पारंपरिक वाद्ययंत्रों और सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ जतरा में भाग लेंगे। इसके अलावा गांव के सभी पहान-पुजार इस सांस्कृतिक पर्व में शामिल रहेंगे। बैठक में पहान शनि उरांव, पुजार सुकरा उरांव, समाजसेवी मंजु उरांव, सुकरी उरांव, बबली कुमारी, सिता कुमारी, शनिका उरांव, इसमोल उरांव, प्रदीप उरांव, संदीप गोप, लक्ष्मण उरांव सहित गांव के बुद्धिजीवी और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे। यह आयोजन न केवल सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने का प्रयास है, बल्कि समुदाय में भाईचारे और परंपराओं को जीवंत रखने का प्रतीक भी है।

बीडीओ ने दुम्बो पंचायत में अबुआ आवास योजना का किया निरीक्षण

भरनो (गुमला)। गुमला जिले के भरनो प्रखंड अंतर्गत दुम्बो पंचायत में अबुआ आवास योजना की प्रगति को लेकर शनिवार को बीडीओ अरुण कुमार सिंह ने स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उन लाभुकों के घरों का जायजा लिया, जिन्होंने प्रथम किश्त की राशि तो ले ली है, लेकिन छह महीने बीत जाने के बाद भी आवास निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया है। बीडीओ ने बताया कि दुम्बो पंचायत के कुल 22 ऐसे लाभुक चिन्हित किए गए हैं, जिन्होंने योजना की पहली किश्त प्राप्त करने के बाद भी कार्य शुरू नहीं किया है। उन्होंने सभी लाभुकों को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया, तो ऐसे लाभुकों के विरुद्ध सरकारी निर्देशानुसार कार्रवाई की जाएगी। सरकारी प्रावधानों के अनुसार, अबुआ आवास की राशि मिलने के 150 दिनों के भीतर निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाना अनिवार्य है। निरीक्षण के दौरान पंचायत मुखिया जयराम उरांव, पंचायत सेवक सुनीता कुमारी, कनीय अभियंता तारीख अनवर, स्वयंसेवक सहित अन्य कर्मी और योजना के लाभुक उपस्थित थे।

घाघरा व बिशुनपुर के लोगों ने ऑनलाइन जुड़कर रखीं समस्याएं

आम जनता की शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न हो : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। शनिवार को उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में साप्ताहिक ई-जनशिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें घाघरा एवं बिशुनपुर प्रखंड के नागरिकों ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर अपनी समस्याएं साझा कीं।

इस कार्यक्रम में दोनों प्रखंडों से करीब 20 आवेदकों ने विभिन्न समस्याओं का उल्लेख किया, जिनमें सहिया की नियुक्ति, पुल और सड़क निर्माण, जलमीनार की मरम्मती, मंईया सम्मान योजना की राशि भुगतान, पेयजल संकट, सिंचाई सुविधा, राशन कार्ड में नाम जोड़ने एवं आवास योजना जैसी आवश्यक जनहित से जुड़ी समस्याएं शामिल रहीं।

उपायुक्त ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों को कई मामलों में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। मंईया सम्मान योजना से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता में रखते हुए उपायुक्त ने जांच कर जल्द समाधान सुनिश्चित करने को कहा। कई मामलों में ऑन द स्पॉट समाधान भी किया गया।

उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम जनता की शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न हो और स्थानीय स्तर पर जो समस्याएं हल की जा सकती हैं, उनका तुरंत निपटारा किया जाए। उन्होंने दोहराया कि प्रशासन नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रशासन द्वारा यह जानकारी दी गई कि अगला ई-जनशिकायत निवारण दिवस 17 मई को चैनपुर और डुमरी प्रखंड में आयोजित होगा। यह कार्यक्रम प्रत्येक शनिवार को पूर्वाह्न 10:30 बजे से आयोजित किया जाता है। जिले के सभी नागरिक अपने नजदीकी प्रखंड कार्यालय पहुंचकर ऑनलाइन माध्यम से उपायुक्त से अपनी शिकायत साझा कर सकते हैं।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर विज्ञान और नवाचार से जुड़ी छात्राएं

गुमला। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर जिला विज्ञान केंद्र गुमला में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के दूसरे एवं अंतिम दिन मुख्यमंत्री उत्कृष्ट गर्ल्स विद्यालय (एस.एस. बालिका उच्च विद्यालय) की छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यशाला का विषय था - "शिक्षा में नवाचार एवं तकनीक का उपयोग"। इस अवसर पर शिक्षा कर भेंट गतिविधि के सहायक नोडल पदाधिकारी सह बीपीओ दिलदार सिंह एवं डिस्ट्रिक्ट डीएमएफटी फेलो अविनाश गौरव ने छात्राओं को विज्ञान केंद्र का विस्तृत भ्रमण कराया। छात्राओं को ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स, वर्चुअल रियलिटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, तथा ऑडियो-वीडियो एनिमेशन जैसी अत्याधुनिक तकनीकों की जानकारी दी गई।

जिला प्रशासन ने तीन प्रेरक शिक्षकों को किया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। शिक्षा में उत्कृष्टता और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुमला जिला प्रशासन द्वारा संचालित "प्रोजेक्ट अजीत - प्रेरणा से परिवर्तन की ओर" के तहत साप्ताहिक टीचर ऑफ द मंथ अवार्ड कार्यक्रम में इस सप्ताह सिसई प्रखंड से इसरारूल हक अंसारी, जारी प्रखंड से विक्टोरिया एक्का और चैनपुर प्रखंड से सूरजनाथ सिंह को चयनित कर सम्मानित किया गया।

जिले में शिक्षा कर भेंट गतिविधि के अंतर्गत चलाए जा रहे इस अभिनव पहल का उद्देश्य शिक्षकों को प्रेरित करना, नवाचार को प्रोत्साहन देना और निचली कक्षाओं की शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना है। उपायुक्त गुमला के नेतृत्व में इस परियोजना के माध्यम से जिले के सभी विद्यालयों में आकर्षक कक्षा कक्ष, नवाचारी रीडिंग कॉर्नर, प्रेरणा मंच तथा टीएलएम बैंक जैसी पहलें की गई हैं।

साथ ही सभी प्रखंडों के शिक्षा संकुलों को बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के लिए सक्रिय भागीदार बनाया गया है।

इसके तहत शिक्षा संवाद, शिक्षकों की मासिक बैठक, नवाचार प्रोत्साहन जैसी गतिविधियों को नियमित रूप से आयोजित किया जा रहा है, और इनकी निगरानी के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं बीपीओ को उत्तरदायी बनाया गया है। इस अवसर पर उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने कहा कि, शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए पहचान देना और उन्हें प्रेरित करना ही इस सम्मान का मुख्य उद्देश्य है। प्रत्येक सप्ताह जिले के विभिन्न प्रखंडों से तीन प्रेरक शिक्षकों को चयनित कर प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जा रहे हैं।

गुमला टेक क्वेस्ट 2025" में छात्रों का उमड़ा उत्साह

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर गुमला जिला प्रशासन के नेतृत्व में झारखंड शिक्षा परियोजना गुमला द्वारा आयोजित तीन दिवसीय "गुमला टेक क्वेस्ट 2025" कार्यक्रम के दूसरे दिन जिले भर के विद्यालयों में तकनीकी जागरूकता की लहर देखने को मिली।

शनिवार को जिले के सभी माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में सुबह की प्रार्थना सभा के दौरान छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के महत्व की जानकारी दी गई। इस मौके पर कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों ने जिला प्रशासन द्वारा आयोजित ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान तकनीक, विज्ञान और नवाचार के शिक्षा में उपयोग विषय पर शिक्षकों और छात्रों के बीच संवाद सत्र का आयोजन किया गया। साथ ही पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने विज्ञान और तकनीक से जुड़ी रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रस्तुत की।

जिला प्रशासन की ओर से सभी विद्यार्थियों के माध्यम से अभिभावकों व आम जन समुदाय से 11 मई को गर्व के साथ राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाने की अपील की गई।

उल्लेखनीय है कि 11 मई 1998 को भारत द्वारा पोखरण में सफल परमाणु परीक्षण के उपलक्ष्य में 1999 से प्रत्येक वर्ष 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

इस अवसर पर आयोजित ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता में अब तक 1400 से अधिक प्रतिभागी शामिल हो चुके हैं। इस क्विज में 10 तकनीकी प्रश्नों को हल करने के लिए 10 मिनट का समय निर्धारित किया गया है। क्विज पूरा करने के बाद प्रतिभागी तत्काल अपना परिणाम और उत्तर देख सकते हैं।

जिला प्रशासन ने अधिक से अधिक लोगों को इस टेक क्वेस्ट कार्यक्रम से जुड़ने, ऑनलाइन क्विज में भाग लेने और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर गुमला जिला विज्ञान केंद्र का भ्रमण करने की अपील की है।

गुमला में पीएम जनमन योजना की समीक्षा बैठक

डीसी ने पीवीटीजी समुदाय को योजनाओं का पूर्ण लाभ दिलाने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। शनिवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री जनजातीय जनमन योजना के अंतर्गत विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने सभी योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि जिले के अत्यंत कमजोर जनजातीय समूह से संबंधित सभी नागरिकों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ मिलना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया, ताकि इन वंचित समुदायों तक बुनियादी सुविधाएं प्रभावी ढंग से पहुँच सकें। जल जीवन मिशन के तहत जिले के 112 पीवीटीजी ग्रामों में जल आपूर्ति योजनाएं पूर्ण की जा चुकी हैं।

भरनो अंचल के 24 राजस्व ग्रामों में 1932 खतियानी जमीन के अद्यतन खातों की सूची प्रकाशित

गुमला। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के निर्देश पर भरनो अंचल क्षेत्र के कुल 24 राजस्व ग्रामों में 1932 खतियानी जमीन से संबंधित पुराने खातों के स्थान पर अद्यतन (नए) खातों की सूची तैयार कर सार्वजनिक रूप से प्रकाशित कर दी गई है। यह सूची भरनो अंचल कार्यालय, संबंधित पंचायत भवनों तथा निबंधन कार्यालयों में उपलब्ध कराई गई है, ताकि आम नागरिकों को सुगमता से जानकारी प्राप्त हो सके। भूमिधारी अब अपने पुराने खातों के आधार पर अद्यतन सूची में अपने प्लॉट या जमीन संख्या का मिलान कर सकते हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य रैयतों के भूमि विवरण को डिजिटल डाटाबेस में दर्ज कराना है, जिससे भविष्य में भूमि विवादों की संभावना कम हो और म्यूटेशन मामलों में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। भरनो अंचल अधिकारी के अनुसार, कुल 69 राजस्व ग्रामों में से अब तक 24 ग्रामों की अद्यतन सूची प्रकाशित की जा चुकी है।

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, चतरा।
(जिला आपूर्ति शाखा)
(e-Mail id:-dso.chatra@jharkhandmail.gov.in)

–:शुद्धि पत्र:–

वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए मुख्यमंत्री दाल–भात योजना हेतु जिला आपूर्ति कार्यालय, चतरा से निर्गत निविदा आमंत्रण सूचना अल्पकालीन निविदा संख्या–01/2025–26 में आंशिक संशोधन करते हुए निविदा शर्तों के कंडिका 11 को विलोपित किया जाता है। शेष शर्त यथावत रहेगा।

PR NO.-351492

निविदा से संबंधित नियम एवं शर्तें चतरा जिला के विभागीय Website-https://chatra.nic.in/पर देखा जा सकता है।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी,
चतरा।

PR 352133 (Food Public Distribution and Consumer Affairs) 25-26 (D)

कार्यालय–जिला प्रक्षेत्र प्रबंधक, नेतरहाट

अति अल्पकालीन निविदा
वर्ष 2025–26

राजकीय कृषि प्रक्षेत्र, नेतरहाट के नाशपाति एवं नख फल बाग से सेक्टरवार नीचे दिये गये नाशपाति एवं नख फलों को तोड़ने की निलामी/बंदोबस्ती दिनांक 21.05.2025 को पूर्वाहन 11.00 बजे संयुक्त निदेशक उद्यान, झारखण्ड, राँची–सह–संयुक्त कृषि निदेशक, पलामू की अध्यक्षता में गठित समिति के सदस्यों के समक्ष उद्यान निदेशालय, काकें रोड, राँची में किया जायेगा। जिसके लिए इच्छुक व्यक्तियों से दिनांक 20.05.2025 तक कार्यवधि में आवेदन आमंत्रित किया जाता है:–

क्र० सं०	सेक्टर न०	नाशपाति /नाख फल वृक्षों की संख्या	कुल फलों की अनुमानित मात्रा (क्वीं०में)	जमानत की राशि (रू० में)
1	2	3	4	6
1	III डंकन प्रक्षेत्र पश्चिमी भाग	2684	1891.46	50,000/–
2	IV डंकन प्रक्षेत्र पूर्वी भाग	2336	1871.18	50,000/–

इच्छुक व्यक्ति किसी भी दिन कार्यावधि में जिला प्रक्षेत्र प्रबंधक, नेतरहाट से अनुमति प्राप्त कर फलबाग देख सकते हैं। फलों को तोड़ने की निलामी/बंदोबस्ती की शर्तें निम्न प्रकार हैं :–

1. प्रत्येक सेक्टर के सामने अंकित जमानत की राशि बैंक ड्राफ्ट के रूप में जो **DISTRICT FARM MANAGER, NETARHAT** के पदनाम से देय होगा तथा भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा, राँची में भुगतेय होगा। निलामी के पूर्व जमा करना होगा। सफल अधिकतम बोली बोलने वाले व्यक्ति की जमानत की राशि कार्यालय द्वारा रखी जायेगी और अन्य असफल व्यक्तियों की जमानत की राशि निलामी के समाप्ति के बाद वापस कर दी जायेगी।
2. निलामी में भाग लेने वाले व्यक्ति अपना पहचान के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा निर्गत फोटो पहचान पत्र/वाहन चालान का अनुज्ञप्ति पत्र/पेन कार्ड, आधार कार्ड, निलामी प्रक्रिया प्रारंभ होने के पूर्व मूल रूप में प्रस्तुत करेंगे तथा संबंधित प्रमाण पत्र की स्वयं अभिप्रमाणित प्रति जमा करेंगे।
3. निलामी/बंदोबस्ती में भाग लेने वाले व्यक्ति को अपना आवास संबंधी सत्यता के लिए कार्यपालक दण्डाधिकारी का शपथ पत्र मूल रूप में निलामी के पूर्व जमा करना होगा।
4. अधिकतम बोली बोलने वाले व्यक्ति को दिनांक 21.05.2025 को फलों की बन्दोबस्ती का एकरारनामा करना होगा तथा अधिकतम निलामी राशि का 50 प्रतिशत राशि बैंक ड्राफ्ट के रूप में जिला प्रक्षेत्र प्रबंधक, नेतरहाट के पदनाम से स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, मुख्य शाखा, राँची पर भुगतेय होगा को दिनांक 29.05.2025 तक जमा करना होगा। ऐसा नहीं करने पर उनकी जमानत की राशि जब्त कर ली जायेगी तथा निलामी रद्द कर अन्य व्यक्ति के साथ बन्दोवस्ती करने के लिए अधोहस्ताक्षरी को अधिकार सुरक्षित रहेगा।
5. प्रथम फल तोड़ने के पूर्व निलामी की शेष राशि को एक मुस्त हर हाल में जमा करना अनिवार्य होगा।
6. अधिकतम बोली बोलने वाले व्यक्ति को फलों की देखभाल एवं सुरक्षा करने का दायित्व स्वंय का होगा, जो प्रक्षेत्र के कार्यो के अनुरूप कार्य सम्पादन करेंगे।
7. फल तोड़ते समय यह ध्यान देना होगा कि फल के पेड़ या उसकी डाली क्षति ग्रस्त न होने पाये, यदि क्षति हुई तो निलामी लेने वाले व्यक्ति से पौधा की क्षति का मुआवजा क्षति के अनुरूप वसूल किया जायेगा।
8. सरकार के हित में यदि निलामी का राशि सरकारी मानक दर से कम आता है तो निलामी को रद्द करते हुए पुन: तिथि निर्धारित कर निलामी की जायेगी।
9. निलामी के बीच की बोली 10,000.00 (दस हजार) से नीचे अनुमान्य नहीं होगा।
10. निलामी/बंदोबस्ती में भाग लेने वाले सभी पदाधिकारियों/सदस्यों/आवेदनकर्त्ताओं को सिर्फ एक ही सदस्य निलामी प्रक्रिया में भाग लेगा।
11. अधोहस्ताक्षरी को यह अधिकार होगा कि बिना कारण बताये निलामी/बंदोबस्ती की शर्तो में आंशिक संशोधन अथवा पूर्ण रूप से रद्द कर सकते हैं।

जिला प्रक्षेत्र प्रबंधक,
नेतरहाट

PR 352159 (Agriculture)25-26*D

Government of Jharkhand
Urban Development Department,Latehar Nagar Panchayat , Latehar

e- Procurement Notice (Very Short Tender Notice)

NIT No. - UDD/LNP/06/2025-26

Notice No. - Date –

S.L. No.	Tender ID	Name of Work	Estimated Cost	Earnest Money	Tender Fee	Completion of Work
		DMFT				
01	01/LNP/06/ 2025-26	लातेहार जिले के नगर पंचायत लातेहार में वार्ड सं0 02 बानपुर में SLRM कार्य हेतु आर,आर,आर, सेन्टर, बानपुर का जीर्णोद्वार।	168400.00	3400.00	1000.00	एक माह
02	02/LNP/06/ 2025-26	लातेहार जिले के नगर पंचायत लातेहार में वार्ड सं0 03 राजहार में SLRM कार्य हेतु सामुदायिक भवन, राजहार का जिर्णोद्वार कार्य।	249900.00	5000.00	1000.00	एक माह
03	03/LNP/06/ 2025-26	लातेहार जिले के नगर पंचायत लातेहार में वार्ड सं0 03 राजहार गॉधी कॉलेज के निकट स्थित सामुदायिक भवन मै एक अदद शौचालय का निर्माण कार्य।	242800.00	5000.00	1000.00	एक माह
04	04/LNP/06/ 2025-26	लातेहार जिले के नगर पंचायत लातेहार में वार्ड संख्या 15 धर्मपुर में SLRM कार्य हेतु सामुदायिक भवन, धर्मपुर का जीर्णोद्वार कार्य।	249400.00	5000.00	1000.00	एक माह
05	05/LNP/06/ 2025-26	लातेहार जिले के नगर पंचायत लातेहार में वार्ड संख्या 15 धर्मपुर बाईपास रोड में नहर पिण्ड के निकट स्थित सामुदायिक भवन में एक अदद शौचालय का निर्माण कार्य।	242800.00	5000.00	1000.00	एक माह
06	06/LNP/06/ 2025-26	लातेहार जिले के नगर पंचायत लातेहार में वार्ड संख्या 13 पहाड़पुरी में SLRM कार्य हेतु सामुदायिक भवन, पहाडपुरी, चन्दनडीह का जिर्णोद्वार कार्य।	249100.00	5000.00	1000.00	एक माह
07	07/LNP/06/ 2025-26	लातेहार जिले के नगर पंचायत लातेहार में वार्ड संख्या 13 पहाड़पुरी संत जेवियर स्कुल स्कुल के निकट स्थित सामुदायिक भवन मैं एक अदद शौचालय का निर्माण कार्य।	242800.00	5000.00	1000.00	एक माह
08	08/LNP/06/ 2025-26	लातेहार जिले के नगर पंचायत लातेहार में वार्ड सं0 12 अम्वाटीकर में SLRM कार्य हेतु सामुदायिक भवन अम्बेदकर चौक, अम्वाटीकर के जिर्णोद्वार कार्य।	248800.00	5000.00	1000.00	एक माह
09	09/LNP/06/ 2025-26	लातेहार जिले के नगर पंचायत लातेहार में वार्ड सं0 12 अम्वाटीकर अम्बेदकर चौक के निकट स्थित सामुदायिक भवन में एक अदद शौचालय का निर्माण कार्य।	242800.00	5000.00	1000.00	एक माह
10	10/LNP/06/ 2025-26	लातेहार जिले के नगर पंचायत लातेहार में वार्ड सं0 05 डुरूआ में SLRM कार्य हेतु सामुदायिक भवन, डुरूआ को जिर्णोद्वार कार्य।	239300.00	4800.00	1000.00	एक माह
11	11/LNP/06/ 2025-26	लातेहार जिले के नगर पंचायत लातेहार में वार्ड सं0 05 डुरूआ में औरंगा नदी के निकट स्थित सामुदायिक भवन में एक अदद शौचालय का निर्माण कार्य।	242800.00	5000.00	1000.00	एक माह
12	12/LNP/06/ 2025-26	लातेहार जिले के नगर पंचायत लातेहार में वार्ड सं0 05 डुरूआ लातेहार में स्थित सामुदायिक भवन में सैप्टिंक टैंक का निर्माण कार्य।	123200.00	2500.00	1000.00	एक माह
13		Date of Publication of Tender on website	12.05.2025 at 11:00 AM			
14		Mode of Submission of bids	E-Tendering https//:jharkhandtenders.gov.in			
15		Date start of submission of bids	13.05.2025 at 10:00 am			
16		Last Date/Time of submission of bids	18.05.2025 upto 03:00 pm			
17		Technical & Financial Bid opening date (Online)	19.05.2025 at 5.00 PM			
18		Name & Address of office inviting tender	Executive officer Nagar Panchayat, Latehar			
19		Contact No. of Procurement officer	9308707021/ 8789131804			
20		Helpline number of e-Procurement cell	9308707021/ 8789131804			

NOTE : Only e-Tenders will be accepted.
Further details can be seen on website http:/jharkhandtenders.gov.in

(Rajeev Ranjan)
Administrator
Nagar Panchayat, Latehar

PR 352186 Urban Development(25-26).D

भगवान बचाए इन भगवानों से

सुधा गोयल 'नवीन

आज की ताजा खबर --- "लड़की से छेडखानी करने, कामोत्तेजक व्यवहार करने एवं उत्पीड़न के आरोप में तथाकथित भगवान के विरुद्ध एक एफआईआर दर्ज करवाई गई है।"

ताजा खबर उस भगवान ने भी पढ़ी। कुछ मुस्कुराए, फिर उन्होंने दूसरी ताजा खबर छपवाई, " शहर वासियों को सूचित किया जाता है कि इस युग के भगवान का अवतार हो चुका है। वे सांसारिक व्याधियों का मनोवैज्ञानिक कारण ढूंढकर तत्क्षण इलाज करते हैं। शंकालु, नास्तिक एवं बुद्धिजीवियों से अनुरोध है कि वे भगवान के कार्यविधान में विघ्न डालें। अन्यथा विनाशकारी फल के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।"

सुविधा के लिए एक छद्म नाम दे देते हैं। भगवान भभूतानंद। खबर सभी प्रमुख अखबारों में छपी। शहरवासी स्तब्ध हैं .....यह हो क्या रहा है ....

भभूतानंद निश्चिन्त हैं ...... भभूतानंद के कुकर्मों का पिटारा खुलने पर भी अन्धविश्वासी जनता उनके विरुद्ध कुछ सुनने या मानने को तैयार ही नहीं है। उनके दीवाने भक्तों ने यहाँ तक कह दिया कि लड़की का दोष होगा। बेकार की बातों में उलझ कर अविश्वास करोगे तो अपना ही घाटा करोगे ...... देखा नहीं उस दिन कमला की मौसी, पेट दर्द से कैसी कराह रही थी .... बाबा ने ज़रा सी भभूत चटाई नहीं कि उठकर बैठ गई। फिर तो ऐसी हंस-हंस कर बातें कर रही थी जैसे कभी कुछ हुआ ही न था।

अब भला उसे कौन समझाता कि इस्टीरौयड मिली कितनी सारी भभूत बाबा ने अपनी पोटली में बाँध रखी है। रोते गिड़गिड़ाते भक्तगण पहुंचे नहीं कि बाबा अपना करिश्माई भभूत निकालते और मुस्कुराते हुए आशीर्वाद स्वरूप पकड़ा देते। भक्त दुरुस्त हो जाता और भभूतानंद की जयजयकार करता। उन्हें चमत्कारी कहता व भगवान का दर्जा दे डालता। भगवान भभूतानंद की तूती बोलने लगी।

एफआईआर क्या दर्ज हुई कि बाबा के भक्तों में, जो अधिकतर 25 से 30 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले ग्रामवासी थे, खलबली मच गई। उन्होंने झंडा संभाल लिया। गेरुआ वस्त्र धारण कर लिए। नंगे पैर, धूप, धूल, वर्षा की परवाह किये बिना भगवान की रक्षा हेतु सीधे थाने पहुँच गए। उनके भगवान कष्ट में हैं, वे कैसे चुप बैठ सकते थे। एक ज़माना था जब भक्त की रक्षा करने के लिए भगवान तरह-तरह के वेष धारण कर उल्टे पाँव दौड़े चले आते थे। आज भगवान पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं तो क्या भक्त पीछे हटेंगे, कदापि नहीं .... आज उनकी आस्था की परीक्षा है। जब तक एफआईआर वापस नहीं ली गई, भभूतानंद को निर्दोष नहीं साबित कर दिया गया, उनके भक्तों ने अन्न-जल ग्रहण नहीं किया। भभूतानंद लांछन मुक्त हो गए। लड़की के साथ असभ्य व्यवहार करते हुए रंगे हाथों पकड़े गए थे ..... उसे पीड़ा पहुंचाते देखे गए थे ...... उन्होंने स्वीकार भी कर लिया था कि मजबूरी वश उन्हें ऐसा आचरण करना पड़ा था ....लेकिन उनके अनुयायी उन्हें निर्दोष मानते हैं। उनका मानना है कि भगवान कुछ गलत कर ही नहीं सकते। उनके इस कर्म में भी कोई सत छुपा होगा ..... कुछ अच्छा ही होने वाला होगा।

भभूतानंद को मैं लगभग भूल ही चुकी थी कि एक दिन अचानक किसी पत्रिका के पन्ने पलटते हुए मुझे उनकी तस्वीर दिखाई दी। अर्थात अब वे राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुके थे. अति विशिष्ट जान पडे वे। ज़री और सिल्क का बेहद कीमती चोला पहने थे, बटनों में हीरे जैसी चमक वाले पत्थर जड़े थे। लम्बे-लम्बे बाल खुले हुए थे, इतने चमकदार व् लहराते हुए जैसे किसी विलायती शैम्पू से धुले हों और कंडीशनर भी लगाया हो। माथे पर तिलक, आँखें मुंदी हुईं, दोनों हाथ जोड़े हुए। एक बारगी मन में श्रद्धा उत्पन्न हुई, फिर उनकी पूरी जिन्दगी व उनसे जुड़ी हुई कहानियां याद आ गईं।

आजकल जगह-जगह उनकी सभाएं हो रही थीं, उनके प्रवचनों से लाभ उठाने वालों की संख्या सहस्त्रों से बढ़कर हजारों में पहुँच चुकी थी। उनके तेजोमय, प्रभावी व्यक्तित्व से सम्मोहित जनता अपनी सारी संपत्ति, जमीन जायदाद भी अर्पित करने में संकोच नही कर रही थी।

भभूतानंद आम जनता के मनोविज्ञान से निश्चय ही भलीभांति परिचित थे। उन्हें पता था कि आम-जन कर्म से अधिक चमत्कार में विश्वास करती है। कर्मठता की जगह आडम्बर ने ले ली है।

भगवान को समर्पण से नहीं, धन-धान्य से जीतने की प्रवृति बढ़ती जा रही है, तो इसका फ़ायदा यदि भभूतानंद जैसे स्वयंभू भगवानों को मिल रहा है तो इसमें उनका दोष कहाँ हुआ।

भभूतानंद का अमोघ अस्त्र था "काम-क्रीड़ा". ... वे जनता को विशवास दिला रहे थे कि समस्त शारीरिक असंतुलनों, कुंठाओं, तनावों, चिड़चिड़ेपन, अनिद्रा, यहाँ तक कि मोटापे का भी एक मात्र कारण काम इच्छा का पूर्ण न होना है। उनके शिविर में लड़कियों के साथ लड़कों का भी इलाज होता था। सब खुले आम ...... समाज के ठेकेदारों की आँखों के सामने .... नाक के नीचे .....

सब चुप हैं .....सब शांत हैं ..... सब मन्त्र मुग्ध हैं ..... भगवान भभूतानंद का बाजार गर्म है। उनकी तूती बोल रही है। उनके बक्से खनक रहे हैं।

मैं तो बस यही कहती हूँ कि भगवान बचाए मुझे इन भगवानों से।

जलाओ आग सीने में वतन पुकारता

वसुंधरा पुकारती, गगन पुकारता
जलाओ आग सीने में, वतन पुकारता।
जो रच रहे षड्यंत्र देश के विखंडन का,
उनके मान- मर्दन को प्रण पुकारता।
कठुवा, किश्तवार, रियासी अब पहलगांव
कायरों निहत्थों पर चलाने को गोलियां।
जिस बाप ने सिखाया, उसे भी लेकर आ
विषधर, तुझपर गिराता हूँ बिजलियां।
जो छद्म युद्ध कर रहे, उन्हें दिखा दो।
छिप के वार कर रहे, उन्हें सिखा दो।
क्रुद्ध हिन्द कितना
कराल होता है।
त्रिशूल पर सवार
महाकाल होता है।
क्षत विक्षत लाशों
की रक्तिम ढेर से
एक लिंग प्रकट
होंगे ले मशाल
लाल

ब्रजेन्द्र नाथ मिश्र

लेलिह्य जिह्वा से रक्तपान के लिए
रणचंडी सजायेगी एक नया थाल।
देश के सब्र का टूट गया बांध अब
बलिदानी जत्थों का समर्पण पुकारता।
जो रच रहे षड्यंत्र देश के विखंडन का
उनके मान मर्दन को प्रण पुकारता।
देश प्रेम की अग्नि जलाए रखने के लिए
तूफान को आसमान उठाये रखने के लिये।
रण के मैदान में आ जुटो ऐ वीर बान्कुरों,
लहू के लाल रंग से मशाल बालने के लिए।
यह युद्ध महायुद्ध है, बचे ना कोई जयचन्द,
अंदर और बाहर यह युद्ध छिड़ा है प्रचंड।
रुको ना वीर साहसी, झुको ना वीर साहसी,
दुश्मन के इलाकों को बांट दो खण्ड - खण्ड।
आँसू नहीं, आक्रोश है छाया हर चेहरे पर,
यह आग नहीं बुझने देना, चमन पुकारता।
जो रच रहे षड्यंत्र देश के विखंडन का,
उनके समूल उन्मूलन को प्रण पुकारता।
वसुंधरा पुकारती, गगन पुकारता
जलाओ आग सीने में वतन पुकारता।
जो रच रहे षड्यंत्र देश के विखंडन का
उनके मान-मर्दन को प्रण पुकारता।

सिंदूर

सौभाग्य चिन्ह यह है सिन्दूर,
भारत की नारी का।
बुरी नजर जो डाले इसपर,
खैर नहीं उसके जीवन
का।।
अभिमान यह
नारी का है,
देव भी देते मान।
इसका भी रंग
लाल है,
रहा सुहागन की
पहचान।।
मांग का सिन्दूर
पोछा था,

पुष्पा पाण्डेय

विनाश तुम्हारा निश्चित था।
सिन्दूर की ताकत तुम क्या जानो,
संहार तुम्हारा निश्चित था।।
गर्व हमें उन वीरों पर है,
बेखौफ उन्हें दफना भी दिया।
सोयी थी दुनिया सारी,
पर दुश्मन को वो जगा दिया।।
जगत देख हैरान है,
हौसला यह भारत की।
तीन मार्ग की वात अचम्भित,
गुणगान करे इस भारत की।।
ठान लिया था वीरों ने भी,
घर का दरवाजा तोडूँगा।
आतंकी तुझको मारूँगा,
तभी चैन से सोऊँगा।।

काव्य कोना

मानवता-सदाचार

मानवता-सदाचार
क्या अर्थ है?
तारतम्य है क्या?
शायद भूले-बिसरे शब्द
कहीं किसी लुप्तप्राय भाषा के
उत्सुकता में नये प्रयोग के
प्रयोगधर्मी कोई प्रयोग कर गया कहीं!
पुछा बहुतेरे से
संदर्भ तो समझा दो
अर्थ तो बतला दो
बच के बगल से खिसक गया हर कोई
सर्वशक्तिमान को पता हो शायद
न जाने पूछें- तो पूछें कैसे उससे।
उहोपोह में बस यूँ ही
कहीं से एक ज्ञान भरी आवाज आई
किस सोच में पड़ा है
क्या-क्या ढूँढता है
अरे जड़-बुद्धि इंसान -
फायदे की बात कर और फिर चल निकल
चल चला चल - चल चला चल
कहाँ किस चक्कर में पड़ा है
मानवता-सदाचार

नाग मणि

पिता को पत्र-पुत्री का प्रेम

आदरणीय पूज्य बाबू जी,
सादर चरणस्पर्श ।

आप असम में रहते हैं, उसके पहले आप कोलकाता में रहते थे। जब मैं पाँच वर्ष की थी तब आप मुजफ्फरपुर में रहते थे मोतीझील में। फिर आपने नयाटोला में अपना घर बनवा लिया । लेकिन घर बनते ही मानों धरा आपको पुकारने लगी। हम आठ भाई बहनों को पालने के लिए और दीदी की शादी के लिए आपको ज्यादा रुपयों की जरूरत थी। सो आप वनवास पर निकल गए और माँ गृहस्थी समेटें बच्चों की परिचारिका बन गईं। उनमें ममत्व मुझे कभी लगा ही नहीं। नहीं आप में पितृत्व की झलक दिखाई दी। आप दोनों अपने कर्म और धर्म में मुझे रोबोट सम लगें और जहाँ बच्चे सिर्फ बाल मजदूरी की भूमिका में नजर आते रहे। यह सब बाल मन की बातें थीं।

प्रतिभा प्रसाद 'कुमकुम'

अब लगता है स्नेह निधि संचित करने के लिए समय ही कहाँ बचता था आपके पास। आप तो धूप पानी बारिश में तपते रहे, अपनी संतति को ज्ञानवान बनाने के लिए। और माँ चौबीसों घण्टे अपने संतति में जीवन के लिए जरूरी एक एक गुण संपोषित करती रही जिससे कि अपनी जिंदगी में हम सभी भाई बहन नाकारा न रह जाए । उन्हीं की दी हुई शिक्षा पद्धति है जो हम सुविधा पूर्वक जिए जा रहें हैं । नौ वर्ष में माँ ने रोटी बनाना सीखाया, बर्तन धोना, स जी काटना, भुजिया काटना और भूजना। शाकाहारी भोजन, मांसाहारी भोजन तथा पूजा पाठ के लिए भोग व प्रसाद बनाना।

कितने तरह से, कितने कारणों से घर में भोजन बनता है, सबका महत्व समझाना और अमनिया बर्तन में भोग बनाना, सभी व्यवहार उन्होंने बचपन में ही सिखाना शुरु कर दिया था। जो कॉलेज पहुँचते -पहुँचते लगभग आ ही गया था। आज जो हम सब शेर बनें घूमतें हैं सब माँ की बदौलत ही तो है। यह सब सिखाने के क्रम में हम बच्चों के ना-नुकुर करने पर दण्ड देने पर कोई हस्तक्षेप नहीं करना आपके लिए बहुत कठिन होता था लेकिन फिर भी आप कभी भी हस्तक्षेप नहीं करते थे । जिसका नतीजा है कि हमलोग सिलाई, कढ़ाई, बुनाई, तथा पाक कला में निपुण हो सकें ऐसा लगता था लेकिन शिक्षा तो ताउम्र चलते रहता है यह माँ का कहना था । मैंने भी अपने बच्चों को वो सभी ज्ञान दिया जो मैंने अपनी माँ और सासु माँ से ग्रहण किया था।

उम्र के अंतिम पड़ाव में आकर लगता है कि माँ पिता का प्यार सिर्फ व्यवहार के द्वारा हम सभी के अंतस में निरंतर प्रवेश करता रहा है। अपने जीवन के घटनाक्रम में एक नजर डालने पर यह समझ में आता है कि माता पिता का सामंजस्य कितना बेहतरीन था । कोई किसी के क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करते थे और न कोई आदेश पारित किया जाता था । एक बात बड़ों ने जो कह दिया बस वही फाइनल हो जाता था। कोई जीद नहीं चलती थी । सभी रिश्तों का महत्व था। उसे निभाया भी जाता था। यह सारी बातें मेरे अंतस में उमड़ती घुमड़ती रही । मैं हमेशा आप से रोश में रही कि आप हम से नेह नहीं जताते । अब समझ में आता है जो कहा गया वह दिखावा था जो महसूस किया गया वही प्यार था । बस इसीलिए यह पत्र लिखना पड़ा कि आप से माफी माँग लूँ। आप तो कब से हमसे दूर चले गए वहाँ जहाँ जाकर हम बात नहीं कर सकते हैं। लेकिन मन को हल्का करने के लिए यह लिखना भी जरूरी था । बाकी सब कुशल मंगल है।

आपकी बेटी

लाल पानी

अपार्टमेंट के ए ब्लॉक और बी ब्लॉक में पानी की टंकियाँ क्रमशः अलग-अलग थीं, लेकिन बोरवेल मात्र एक कॉमन बचा था। इसमें भी जल-स्तर काफी नीचे जा चुका था और मोटर ऊपर टंकी तक पानी पहुँचाने में असमर्थ था। इसीलिए, नीचे ग्राउंड फ्लोर के नल से पानी ढोकर ले जाना लोगों की मज़बूरी थी। पहला बोरवेल तो गत वर्ष ही जबाव दे चुका था। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई और बेतरतीब बिछते कंक्रीट के जंगलों ने भूगर्भ-जल का स्तर तेजी से नीचे गिराया था। पानी की किल्लत से दोनों ब्लॉक के रहवासी दो खेमों में बँट चुके थे। एक-दूसरे पर पानी की चोरी और फिजूलखर्ची का आरोप लगाते हुए बोरवेल में जल-स्तर ऊपर आने तक आज पहरेदारी में दो-तीन घंटों से जमे हुए थे। थोड़ी दूरी पर ही सुगनी उराईन का आदिवासी-मुहल्ला था।

मनोज कुमार झा 'मनु'

बूढ़ी सुगनी को भरोसा था कि आज पानी का टैंकर अवश्य आयेगा। आखिर अपनी अस्वस्थता के बावजूद आदिवासी-मुख्यमंत्री से जनता-दरबार में बीते कल ही वह शिकायत कर आई थी। 'जल-जंगल-जमीन' की तबाही पर भी उसने मुख्यमंत्री को ख़ूब खरी-खोटी सुनायी। आठवीं तक पढ़ने के बाद समाज सेवा से जुड़ गयी थी। स्वतंत्रता-संग्राम के महानायक बिरसा मुंडा उसके आदर्श जो थे। टैंकर जैसे ही आकर रुका, कतारबद्ध लोगों की अनुशासित व्यवस्था पलभर में धराशायी हो गयी। "समरथ को नहिं दोष गोसाईं" की तर्ज पर लोगों ने अपने-अपने जलपात्र भरे। बेचारी बूढ़ी सुगनी इस रेलमपेल मे कैसे टिक पाती?

"ओह, बहू भी काम पर चली गयी और बेटा घर में रंगीन पानी पीकर अभी तक खर्राटे भर रहा है। बच्चों के लिए पीने का पानी, खाना बनाना – सबकुछ तो बचा ही है।," सुगनी के हलक प्यास से सूख रहे थे। वह कल रात भी बस दो घूँट पानी ही पी पायी थी। निठल्ले बेटे को कोसते हुए वह मन ही मन बुदबुदाने लगी, "बहू को क्या जबाव दूँगी?" उसकी आँखें भीग गईं। उधर मोटर स्टार्ट हुआ कि बोरवेल धीमी गति से पानी देना शुरू कर दिया था। "पहले हम, तो पहले हम।" दोनों ब्लॉक के लोग आपस में उलझ पड़े। तथाकथित संभ्रात लोगों के बीच हाथापाई होने लगी। कुछ लोग घायल हो गए। कल तक जो आपसी प्रेम में मिलकर पानी का दुरूपयोग कर रहे थे वो आज उसी पानी के लिए एक-दूसरे का खून बहाने को आमादा थे।

उधर सुगनी का शरीर बुखार से तप रहा था। वह जमीन पर निढाल पड़ी थी। उसकी मुँदती आँखें इस तमाशे को देख रही थीं कि कुलीनता के धवल परिधान पर भी पानी के झगड़े में खून के छींटे पड़ रहे थे। उसकी आँखों में 'आदिवासियत की संरक्षा' और 'अबुआ-राज' की संकल्पना भी धूमिल पड़ने लगी थीं।

किसना की माई

माथे पर गोल बिंदिया, सीधे पल्लू की साड़ी,
बेली के गजरे और हाथों में मेहंदी रचाया करो,
भागकर आऊँ कहीं से भी, आँचल में छिपाया करो न,
माँ, किसना की माँ जैसी बनो न....
मुझे देख लगा देतीं गुझिया-मठरी-शक्करपारे की लाइनें,
मेरे दोस्तों को देख तुम ही उन्हें अपनाया करो,
करो ढेर सारी बातें, भरपूर दुलार लुटाया करो न,
माँ, किसना की माँ जैसी
बनो न....
क्या होता पर्सनल
टाइम, किसे कहते बिज़ी
शेड्यूल?
यूजर आई-डी, पासवर्ड
भूलकर, अपने लल्ला
को पास बुलाया करो,
जितनी नेमत से रखती हो

सत्या सिन्हा

मोबाइल को पास में,
कभी गोद में मुझे भी सुलाया करो न,
माँ, किसना की माँ जैसी बनो न.....
गुस्से में अगर पापा, बोल जाएँ कुछ उल्टा-सीधा,
कभी चुप्पी दिखाकर भी उन्हें हराओ न,
दोनों के क्लेश में पिस रहा मेरा बचपन,
ममता की मूरत-सी बन मुझे गले लगाओ न,
माँ, कभी किसना की माँ जैसी बनो न....
क्यों समझ आते तुम्हें साइन-कॉस-थीटा के फॉरमूला,
किन रंगों से सजाना है मेरा बचपन ?
बस इतना ही समझ जाओ न,
माँ, कभी किसना की माँ जैसी बनो न.....
अकेले में डरता हूँ मैं,
तकिये में सिर छिपा कई बार सिसकता हूँ मैं,
किसी के आने के आहट से ही रोम-रोम सिहरता हूँ मैं,
अपनी ढाल में छिपा मुझे डर से बाहर करो न,
माँ, कभी किसना की माँ जैसी बनो न.....

आज का दोहा

वर्दी पहनी झूठ की, पहना वही लिबास।
मजलिस में भी शब्द बम, छोड़े किया निराश।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप - 82925 53444 -संपादक

आदर्श पति की ट्रेनिंग

ललन शर्मा

हास्य-व्यंग्य वार्ता

आज सुबह, मैं बड़े आराम से बिस्तर पर लेटा अखबार हाथ में लिए साप्ताहिक राशिफल में अपनी राशि देख रहा था। लिखा था – यह सप्ताह आपके लिए नये अनुभव लायेगा। वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा। इतने में श्रीमती चाय लेकर आयी और बगल में आराम से बैठ गई। उसने बड़े प्यार से मुस्कुराते हुए चाय का प्याला मेरी ओर बढ़ाया, तो मन ही मन राशिफल लिखने वाले ज्योतिष को धन्यवाद देने लगा। अभी दो घूंट गले से उतरे ही थे कि श्रीमती ने टोका - ''अजी, आपने आज का अखबार देखा।'' मुझे लगा कोई विशेष घटना हो गई जिसका संबंध मेरी श्रीमती से है। फिर भी मैंने कहा, ''क्या कोई चटपटा समाचार छपा है या फिर साड़ियों की सेल लगी हैं ?''

छोड़िये जी, आपको हमेशा मज़ाक़ सूझता है, मैं तो उस विज्ञापन के बारे में कह रही हूँ।'' उसने शर्माते हुए अखबार पर अपनी कोमल अंगुली को रखते हुए कहा। मैंने डरते-डरते विज्ञापन पर नज़र डाली। शीर्षक पर नज़र पड़ते ही मेरे होश कपूर की गोली की तरह आकाश में फुर्र से उड़ गए। मुझे चक्कर पर चक्कर आने लगे। फिर भी खुद को संभाला और तोते की तरह पढ़ने लगा। लिखा था - ''खुल गया.... खुल गया.... आपके शहर में पहली बार........ एकलौता और अनोखा....... आदर्श पति ट्रेनिंग सेंटर..''

अजी ! मैंने पढ़ लिया है, तुम्हारे लायक है, इससे सभी के पति आदर्शवादी हो जायेंगे। यह सुनकर मेरे दिमाग का मीटर कांपने लगा। चाय भी कड़वी लगने लगी। सामने बैठी श्रीमती मुझे मेरा बॉस नज़र आने लगी। अब तो मेरा गिड़गिड़ाना स्वभाविक था। देखिए मैडम, इतने सारे काम तो मैं कर देता हूँ फिर ये ट्रेनिंग लेने की क्या जरूरत है ? एकदम बेकार ट्रेनिंग होगी। उससे ज्यादा तो मैं जानता ही हूँ।'' मैंने श्रीमती को मक्खन लगा कर नर्म करना चाहा।, ''पर आपको यह ट्रेनिंग लेनी ही चाहिए वर्ना कल को पड़ोसिनें कहेंगी ''कैसी कंजूस है मिसेज शर्मा ? अपने पति को ट्रेनिंग भी न आप अभी सेन्टर जाइए और फार्म ले आइए।''

एक घंटे की सघन तलाशी के बाद शहर के निर्जन क्षेत्र में मैंने उस सेन्टर को खोज निकाला। वह मकान मुझे भूतहा लगा, डर लगने लगा। सोचा वापस लौट जाऊँ। पर खाली हाथ लौटने का रिस्क मैं नहीं ले सकता था, लिहाजा अंदर दाखिल हुआ तो देखा की एक अधेड़ तंदुरूस्त, खूबसूरत महिला बैठी है।

मेरे अभिवादन पर उसने फार्म पकड़ा दिया और बोली - ''इसे भरकर कल लेते आइए''

घर आते ही पत्नी ने तुरंत फार्म भरा, और बोली - ''आज ही फार्म दे आइए ताकि कल से ही आप जा सकें। मैं उल्टे पांव सरपट भागा। अगले दिन मुझे ट्रेनिंग सेन्टर के विशाल कँटिदार मैदान में ले जाया गया। वहाँ मेरे जैसे और भी पति आए हुए थे। कुछ तो मेरे परिचित ही निकले।

अगले दिन सुबह-सुबह हमारी परेड शुरू हो गई, चार घंटे बगैर चाय नाश्ता के खुले मैदान में खड़ा रहा और भूखे रहने का अभ्यास करता रहा। तभी एक अन्य महिला ट्रेनर आई और जूते-चप्पल, टूटे-फूटे बर्तन बोरे में से निकाल कर मुझ पर फेंकने लगी। मैं चिल्लाया ''यह आप क्या कर रही हैं ! अपने पति का गुस्सा मुझ पर क्यों निकाल रही हैं ?'' वह चिल्लाई - ''शटअप, चिल्लाओ मत, जुबान बंद रखो और चुपचाप मार सहते जाओ। आपको सहनशील बनाया जा रहा हैं। पत्थर की मूर्ति की तरह बर्दाश्त करने का अभ्यास कीजिए, आदर्श पति में यह गुण होना जरूरी हैं'' थोड़ी देर बाद उसने कहा- ''अब आपलोग किचन में जायेंगे। ''मैंने भगवान को धन्यवाद दिया - ''चलो कम से कम दोपहर का खाना तो नसीब होगा। जब किचन पहुँचा तो वहाँ अजीव भंयकर दृश्य था। एक अन्य महिला हाथ में हंटर लिए अपना लेक्चर शुरू कर चुकी थी। वह कह रही थी - ''अब आपको रसोईघर के बर्तनों को इस्तेमाल करना तथा नाना प्रकार के विदेशी व्यंजन बनाना सिखाया जायेगा। पर याद रहे, एक भी बर्तन टूटना नहीं चाहिए वर्ना...........'' इस बात को सुनकर मुझे चक्कर आने लगे।

इसके बाद वाले दिनों में हमें बच्चों की देख-भाल, सौन्दर्य प्रसाधन का इस्तेमाल, वक्त पड़ने पर बहरा होने का अभ्यास, पत्नी की हर आज्ञा के सामने सर झुकाने का योगा-अभ्यास, तथा घरेलू मुद्दों पर गुंगा रहने का अभ्यास कराया गया।

अंतिम दिन प्राचार्या ने मुझे ए-ग्रेड आदर्श पति का प्रमाण देते हुए कहा - ''मुझे आशा है कि हमारी मिलिटरी स्टाईल ट्रेनिंग के बाद आपको दुबारा आने की जरूरत नहीं पड़ेगी।'' विदाई समारोह के बाद मैं सीधे घर की तरह भागा। वहाँ देखा श्रीमती हाथ में हार लिए इंतजार कर रही हैं, मुहल्ले के सभी लोग अपने हाथों में फूल लिए मेरे स्वागत में खड़े हैं। मुझे खुद पर ट्रेंड-पति होने का गर्व हो रहा था। पत्नी ने स्वागत करते हुए कहा - ''मुझे खुशी है कि मेरे पति पूरे मुहल्ले में एक ऐसे व्यक्ति हैं जो प्रशिक्षण लेकर आदर्श पति बने हैं।

संयोजक : नरेश अग्रवाल

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

पाकिस्तान का पोस्ट और ड्रोन लॉन्च पैड तबाह

जंग जारी

नई दिल्ली (आईएएनएस) भारतीय सेना ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के एक पोस्ट और आतंकवादी लॉन्च पैड को पूरी तरह तबाह कर दिया है। यह वह पोस्ट है जहां से ट्यूब लॉन्च किए गए ड्रोन भारत में हमले के लिए भेजे जा रहे थे। यह पाकिस्तान की नापाक हरकतों पर एक और करारा जवाब है। दरअसल, पाकिस्तान द्वारा बिना किसी उकसावे के ड्रोन हमलों में वृद्धि की गई है। पाकिस्तान की इस हरकत पर भारतीय एयर डिफेंस ने त्वरित कार्रवाई की है। शनिवार सुबह लगभग 5 बजे, पंजाब के अमृतसर स्थित खासा कैंट इलाके में दुश्मन के कई सशस्त्र ड्रोन देखे गए। भारतीय वायु रक्षा यूनिट्स ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी दुश्मन ड्रोन को नष्ट कर दिया। भारतीय सेना के मुताबिक, पाकिस्तान द्वारा भारत की संप्रभुता का उल्लंघन और नागरिकों की सुरक्षा को खतरे में डालना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। भारतीय सेना का कहना है कि वे दुश्मन की हर साजिश को नाकाम करेंगे। सेना के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर के बारामुला से लेकर गुजरात के भुज तक, पाकिस्तान से सटी अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर 26 स्थानों पर पाकिस्तान के ड्रोन देखे गए हैं। इन ड्रोन में से कई सशस्त्र ड्रोन बताए जा रहे हैं। ये ड्रोन सैन्य और नागरिक ठिकानों के लिए खतरा बन सकते थे। ड्रोन गतिविधियों की जानकारी जिन स्थानों से मिली है, उनमें बारामुला, श्रीनगर, अवंतीपोरा, नगरोटा, जम्मू, फिरोजपुर, पठानकोट, फाजिल्का, लालगढ़ जट्टा, जैसलमेर, बाड़मेर, भुज, कुवारबेट और लखी नाला शामिल हैं। श्रीनगर हवाई अड्डे और दक्षिण कश्मीर के अवंतीपोरा एयरबेस समेत कई प्रतिष्ठानों पर इन ड्रोन हमलों को नाकाम कर दिया गया।

अफवाहों पर ध्यान न दें, केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवाएं जारी : सीएम धामी

देहरादून (आईएएनएस)

उत्तराखंड की चारधाम यात्रा को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। केदारनाथ यात्रा के लिए देवभूमि आने वाले श्रद्धालुओं को हेली सेवाएं लगातार मिलती रहेंगी। इसकी जानकारी खुद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए दी। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। इसके साथ ही सीएम धामी ने बताया कि अब तक 4 लाख से अधिक श्रद्धालु धामों के दर्शन कर चुके हैं। दरअसल, सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें चलाई जा रही थीं, जिसमें दावा किया गया था कि उत्तराखंड सरकार ने भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर अगले आदेश तक हेली सेवाएं बंद कर दी हैं। हालांकि, इस दावे को लेकर राज्य सरकार की तरफ से बयान सामने आया है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "प्रिय श्रद्धालुगण, प्रदेश में चारधाम यात्रा निर्बाध रूप से संचालित है। अब तक 4 लाख से अधिक श्रद्धालु धामों के दर्शन कर चुके हैं। श्री केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवाएं भी पूरी तरह से संचालित हैं।"

उन्होंने आगे लोगों से अपील करते हुए कहा, "आपसे निवेदन है कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। प्रदेश सरकार आपके यात्रा अनुभव को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। किसी भी जानकारी और सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 1364 और 0135-1364 पर कॉल कर सकते हैं।" इससे पहले सीएम पुष्कर धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''देवभूमि उत्तराखंड में प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण चारधाम यात्रा हेतु पधारते हैं, हमारी सरकार द्वारा यात्रा को सुगम, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने हेतु निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। यह बेहतर हो रही व्यवस्थाओं का ही परिणाम है कि मात्र 9 दिनों में 4 लाख से अधिक श्रद्धालु चारों धामों में दर्शन कर चुके हैं।

राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा की पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी

रावलपिंडी में लहराएगा भारत का तिरंगा

नई दिल्ली(आईएएनएस)

आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने हाल ही में सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान को एक सख्त चेतावनी दी है। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि भारत कभी किसी को पहले नहीं छेड़ता, लेकिन अगर कोई भारत की तरफ आंख उठाकर देखे, तो उसे छोड़ा भी नहीं जाता। राघव चड्ढा ने कहा, "यह भारत का उसूल है- न हम किसी को पहले छेड़ते हैं, न ही बाद में किसी को छोड़ते हैं। हम 140 करोड़ लोग चट्टान की तरह अपनी सेना के साथ खड़े हैं। भारत शांति चाहता है, लेकिन सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा।" उन्होंने आगे कहा कि भारत की धरती महात्मा बुद्ध की भूमि है, लेकिन यह अर्जुन और भीम जैसे महावीर योद्धाओं की भी भूमि है। चड्ढा ने पाकिस्तान को चेताते हुए कहा कि अगर उसने भारत की संप्रभुता को चुनौती दी, तो परिणाम बेहद गंभीर होंगे। उन्होंने कहा, "हमारी वायु रक्षा प्रणाली दुश्मन की मिसाइलों को मच्छर की तरह मसल रही है। हमारे पास वह ताकत है जो किसी भी खतरे को मुंहतोड़ जवाब दे सकती है।

प्रधानमंत्री सेना प्रमुखों से की मुलाकात

पीएम मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की जानकारी ली

प्रधानमंत्री की निगरानी

- पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को रक्षा और सैन्य शीर्ष नेतृत्व के साथ उच्च स्तरीय बैठक की
- यह बीते 24 घंटों में दूसरी बार रक्षा मंत्री, सेना प्रमुखों और एनएसए के साथ बैठक थी

- रफीकी, मुरीद, चकलाला, रहमयार खान और सियालकोट जैसे पाक सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले।

नई दिल्ली (आईएएनएस)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'ऑपरेशन सिंदूर' पर नजर बनाए हुए हैं। शनिवार को इसी सिलसिले में उन्होंने एक महत्वपूर्ण बैठक की अगुवाई की। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता वाली इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी शामिल रहे। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब भारत ने पाकिस्तान के ड्रोन हमलों को पूरी तरह से विफल कर दिया है। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी को इस दौरान पाकिस्तान द्वारा किए गए हमले, भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई और सैन्य तैयारियों की पूरी जानकारी दी गई। प्रधानमंत्री लगातार हर घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं। बीते 24 घंटे में प्रधानमंत्री मोदी की सेना प्रमुखों और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ यह दूसरी और महत्वपूर्ण बैठक है। इससे पहले प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को भी ऐसी ही एक बैठक की अध्यक्षता की थी। यह भी बताया गया, "पाकिस्तान की इन हरकतों के बाद तुरंत जवाबी हमले का एक्शन लिया गया। रफीकी, मुरीद, चकलाला, रहमयार खान पर पाक सैन्य ठिकानों पर सटीक हथियारों और लड़ाकू जेट से हमला किया गया। सियालकोट का एयरबेस भी टारगेट किया गया।

पाकिस्तान के हमलों के बीच भारत की सख्त जवाबी तैयारी, एयरबेस, अस्पताल और स्कूल बने निशाना

'ऑपरेशन सिंदूर' पर विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पाकिस्तान के साथ जारी तनाव पर सैन्य अधिकारियों ने कहा कि उधमपुर, पठानकोट, आदमपुर और भुज एयरबेस को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा, पाकिस्तान ने मिसाइलें दागीं और अस्पताल तथा स्कूल को निशाना बनाया गया। विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने एयर फोर्स स्टेशन सिरसा और एयर फोर्स स्टेशन सूरतगढ़ के शनिवार सुबह की फोटो दिखाई और कहा कि ये सुरक्षित हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया, "पाकिस्तानी सेना पश्चिमी सीमाओं पर लगातार हमले कर रही है, उसने भारत के सैन्य ठिकानों पर हमला करने के लिए ड्रोन, लंबी दूरी के हथियार, युद्धक हथियार और लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया है। भारत ने कई खतरों को नाकाम कर दिया, लेकिन पाकिस्तान ने 26 से अधिक स्थानों पर हवाई मार्ग से घुसपैठ करने की कोशिश की। पाकिस्तान ने पंजाब के वायुसेना बेस को निशाना बनाने के लिए रात 1:40 बजे हाई-स्पीड मिसाइलों का इस्तेमाल किया। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं और स्कूलों पर भी हमला किया।"

'सब्र का बांध' टूटा तो पाकिस्तान में तबाही आएगी : मंगल पांडेय

पटना (आईएएनएस)

भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर बिहार सरकार में मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि पाकिस्तान नापाक हरकतें लगातार कर रहा है। ड्रोन, मिसाइल दाग कर वह भारतीय नागरिकों को टारगेट कर रहा है। भारतीय सेना संयमित होकर पाकिस्तान की हर नापाक हरकत का मुंहतोड़ जवाब दे रही है। लेकिन, अगर हमारी सेना का सब्र का बांध टूटा तो पाकिस्तान में तबाही आएगी। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान बिहार सरकार में मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने उन आतंकी ठिकानों पर वार किया, जहां भारत के भीतर आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए प्रशिक्षण दिया जाता था और जहां आतंकी शरण लेते थे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के राजनीतिज्ञ और सैन्य अधिकारी न केवल मारे गए आतंकियों के जनाजे में शामिल हुए, बल्कि उन्हें सम्मान भी दिया, जिससे आतंकवाद के प्रति उनकी निष्ठा स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया। भारत की ओर से भी कड़ा जवाब दिया जा रहा है।

ये पीएम मोदी का समय है, दुश्मन एक नहीं सौ बार सोचता है : सीएम मोहन

सीहोर (आईएएनएस)

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि यह नया भारत है, इसे कोई छेड़ेगा तो उसे छोड़ेंगे नहीं। सीहोर में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे मुख्यमंत्री यादव ने भारत की सेना द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ की जा रही कार्रवाई के सवाल पर संवाददाताओं से बातचीत की। उन्होंने कहा, "आज भारत बदल गया है, यह पुराना जमाना नहीं है, जब हम वैश्विक जैसे न जाने कितने तरह के मुद्दे लेकर चलते थे और कांग्रेस के शासन काल में हमारे सैनिकों के सिर काट लिए जाते थे। हमारी सेना बार-बार ऑर्डर मांगती थी, सरकार से ऑर्डर मांगती थी और कहती थी कि उसे सिर्फ ऑर्डर मिल जाए तो वह निपट लेंगे। लेकिन अब समय बदल गया है। आज का समय ऐसा है कि दुश्मन एक बार नहीं, सौ बार सोचता है जब भारत की तरफ देखने का साहस करता है। कोई भारत को छेड़ेगा तो भारत उसे छोड़ेगा नहीं। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समय है।" इससे पहले शुक्रवार को मुख्यमंत्री यादव ने कहा था कि हमें अपनी सेना पर पूरा विश्वास है। हमारी सेना मजबूती से राष्ट्र की सीमाओं पर तैनात है।

मीडिया चैनलों को सिविल डिफेंस एयर रेड सायरन के उपयोग से बचने की केंद्र की सलाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार ने सभी समाचार चैनलों को अपने कार्यक्रमों में 'सिविल डिफेंस एयर रेड सायरन' की आवाज का उपयोग करने से बचने के लिए परामर्श जारी किया है। असल में इस सायरन का उपयोग केवल सामुदायिक जागरूकता अभियान के लिए किया जाता है। एक एडवाइजरी में महानिदेशालय अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा और होमगार्ड ने कहा कि सिविल डिफेंस एक्ट, 1968 के सेक्शन 3 (1) (डब्ल्यू) (i) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सभी मीडिया चैनलों से अनुरोध है कि वे समुदाय को शिक्षित करने के अलावा अपने कार्यक्रमों में नागरिक सुरक्षा हवाई हमले के सायरन की आवाज़ का उपयोग करने से बचें।"इसमें कहा गया है कि सायरन के नियमित उपयोग से हवाई हमलों के सायरन के प्रति नागरिकों की संवेदनशीलता कम हो सकती है और नागरिक इसे मीडिया चैनलों द्वारा वास्तविक हवाई हमलों के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली नियमित बात समझ सकते हैं। इसमें आगे कहा गया कि अधिकारी नागरिक सुरक्षा अधिनियम, 1968 के अनुसार नागरिक सुरक्षा तैयारियों को बढ़ाने में सहायता के लिए तत्पर हैं।

आज का राशिफल

मेष : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा।

वृष : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा।

मिथुन : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कर्क : सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

सिंह : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे।

कन्या : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा।

तुला : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्टए अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी।

वृश्चिक : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें, क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

धनु : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी।

मकर : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। सफलता मिलेगी।

कुंभ : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। सफलता मिलेगी।

मीन : अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगे। सुख-आनंद कारक समय है।

पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच 15 मई तक बंद रहेंगे भारत के 32 एयरपोर्ट

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और संबंधित विमानन अधिकारियों ने नोटिस टू एयरमेन (नोटम) जारी कर उत्तरी और पश्चिमी भारत के 32 हवाई अड्डों को सभी नागरिक उड़ान संचालन के लिए अस्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की है। ये आदेश 15 मई तक प्रभावी रहेगा। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने सुबह के ताजा अपडेट में कहा, "परिचालन कारणों से यह बंद 15 मई 2025 को भारतीय समयानुसार 05:29 बजे तक रहेगा।"इन प्रभावित हवाई अड्डों में आदमपुर, अंबाला, अमृतसर, अवंतीपोरा, बठिंडा, भुज, बीकानेर, चंडीगढ़, हलवारा, हिंडन, जैसलमेर, जम्मू, जामनगर, जोधपुर, कांडला, कांगड़ा (गग्गल), केशोद, किशनगढ़, कुल्लू मनाली (भुंतर), लेह, लुधियाना, मुंद्रा, नालिया, पठानकोट, पटियाला, पोरबंदर, राजकोट (हीरासर), सरसावा, शिमला, श्रीनगर, थोइस और उत्तरलई शामिल हैं। इस अवधि के दौरान इन हवाई अड्डों पर सभी नागरिक उड़ान गतिविधियां निलंबित रहेंगी। एएआई ने दिल्ली और मुंबई फ्लाइट इन्फॉर्मेशन रीजन में हवाई यातायात सेवा (एटीएस) के 25 मार्गों को भी परिचालन कारणों से अस्थायी रूप से बंद करने का फैसला किया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा, "नोटम जी0555/25 (जो जी0525/25 को प्रतिस्थापित करता है) के अनुसार, 25 मार्ग खंड 14 मई 2025 को 2359 यूटीसी (15 मई 2025 को 0529 भारतीय समयानुसार) तक ग्राउंड लेवल से लेकर असीमित ऊंचाई तक अनुपलब्ध रहेंगे।

पाकिस्तानी ड्रोन के निशाने पर थे निर्दोष नागरिक, भारतीय सेना ने मार गिराया

नई दिल्ली (आईएएनएस)। भारतीय सेना की वायु रक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के हमले को नाकाम कर दिया है। पाकिस्तान ने हमला ड्रोन के जरिए शनिवार की सुबह किया। हालांकि, पहले से सतर्क भारतीय सेना के आगे पाकिस्तान की एक नहीं चली और उसके ड्रोन जमीन पर औंधे मुंह गिरे। बड़ी बात यह है कि पाकिस्तान की सेना ने विस्फोटकों से भरे ड्रोन भारतीय आबादी क्षेत्र में भेजे थे। इनका मकसद पंजाब में सामान्य नागरिकों के ठिकानों पर हमला करना था। पाकिस्तान के ड्रोन भारत में ज्यादा से ज्यादा सामान्य नागरिकों को नुकसान पहुंचाना चाहते थे। लेकिन, पाकिस्तान के नापाक मंसूबे को भारतीय सेना ने पूरी तरह से विफल कर दिया।

भारतीय सेना के जज्बे को सलाम

72 घंटे में ही पाकिस्तान के सैकड़ों ड्रोन मिसाइल कर दिए तबाह: राजीव रंजन

पटना(आईएएनएस)

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की जवाबी कार्रवाई का जवाब भारत ने पाकिस्तान के तीन एयरबेस को टारगेट कर दिया है। भारत की इस कार्रवाई पर जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि पाकिस्तान लगातार नापाक हरकत कर रहा है और भारतीय सेना की ओर से उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है। 72 घंटे के भीतर भारत ने पाकिस्तान के सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलों को नष्ट किया। शनिवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि मैं भारतीय सेना के जज्बे को सलाम करता हूं। उन्होंने बहुत धैर्य के साथ पाकिस्तान की उकसावे वाली हरकतों का ऐसा जवाब दिया है कि महज 72 घंटे के अंदर पाकिस्तान में मौजूद कई आतंकी ठिकानों, उनके सैन्य प्रतिष्ठानों और पुलिस स्टेशनों को नष्ट कर दिया है। सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलों को भारत ने मार गिराया है। उन्होंने पाकिस्तान को चेताया, " पाकिस्तान अगर अभी भी नहीं संभला तो भारत सख्त कार्रवाई करेगा। पाकिस्तान लगातार भारतीय नागरिकों को निशाना बना रहा है। लेकिन, हमारी वायुसेना का राफेल गुरुर है। राफेल के होने से हमारी डिफेंस में अभूतपूर्व समृद्धि आई है। भारत के एयर डिफेंस में जो उपकरण इस्तेमाल किया जा रहा है वह पाकिस्तान के किसी भी हमले को मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है।" जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि पीएम मोदी की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठकें हो रही हैं। सीसीएस की बैठक हो या फिर दूसरी बैठकें। खुफिया विभाग से लगातार पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह लगातार संवाद कर रहे हैं। भारतीय सेना को खुली छूट दी गई है वह अपनी रणनीति के तहत पाकिस्तान की नापाक हरकत को मुंहतोड़ जवाब दें।

आईएमएफ के फैसले से उमर अब्दुल्ला हैरान, पूछा

कैसे होगा तनाव कम, जब पाकिस्तान फंड का इस्तेमाल तबाही मचाने में कर रहा

जम्मू (आईएएनएस)

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आईएमएफ के पाकिस्तान को दिए गए फंड पर हैरानी जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए अपना दुख और रोष जाहिर किया। हैरान अब्दुल्ला ने लिखा, " मुझे समझ नहीं आता कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय उपमहाद्वीप में बढ़ते तनाव को कैसे कम करने के बारे में सोच सकता है। जब आईएमएफ पाकिस्तान को उन सभी हथियारों के लिए पैसे दे रहा है जिसका इस्तेमाल पाकिस्तान पुंछ, राजौरी, उरी, तंगधार और कई अन्य स्थानों को तबाह करने के लिए कर रहा है।" उमर अब्दुल्ला ने शनिवार सुबह दो पोस्ट डाले। पहले में जम्मू कश्मीर प्रशासनिक अधिकारी की पाक गोलाबारी में मौत पर दुख जताया और दूसरे में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के फैसले पर हैरानी जताई। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सुबह पाकिस्तान की ओर से हुई भारी गोलाबारी और बमबारी में राज कुमार थापा शहीद हो गए। थापा जम्मू-कश्मीर प्रशासनिक सेवा में एडिशनल डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कमिश्नर के पद पर तैनात थे। सीएम ने दुख जताते हुए लिखा- ''राजौरी से आई दिल दहला देने वाली खबर। हमने जम्मू-कश्मीर प्रशासन सेवा के अधिकारी को खो दिया। अभी कल ही वे उपमुख्यमंत्री संग जिले का दौरा कर रहे थे और मेरी अध्यक्षता में हुई ऑनलाइन बैठक में भी शामिल हुए थे। आज उनके आवास पर पाकिस्तान की ओर से गोलाबारी हुई, इसमें राजौरी के एडिशनल डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कमिश्नर राज कुमार थापा शहीद हो गए।''उमर अब्दुल्ला शुक्रवार को जम्मू भी पहुंचे। उन्होंने प्रभावित इलाकों का दौरा किया और जमीनी हकीकत से रूबरू हुए। मुख्यमंत्री जम्मू और सांबा जिलों में स्थापित मिश्रीवाला, नागबनी, बिश्नाह और ठंडी खुई में शिविरों और आवास केंद्रों का भी दौरा किया था। पिछले तीन दिनों से पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में ड्रोन हमले कर रहा था, जिनमें से ज्यादातर ड्रोन भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने नष्ट कर दिए। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह श्रीनगर में दो जोरदार धमाके हुए, वहीं जम्मू के अखनूर कस्बे में तीन बड़े धमाकों की आवाज सुनाई दी। पुंछ में भी इस तरह के धमाके सुने गए। पुंछ में बाजार बंद हैं और जम्मू, सांबा, कठुआ, राजौरी और पुंछ जिलों के स्कूल-कॉलेज भी बंद कर दिए गए हैं।

भारत-पाक तनाव के बीच फेक न्यूज की भरमार

पीआईबी फैक्ट चेक ने किया फेक न्यूज का ऑपरेशन

नई दिल्ली (हि.स.)

भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे भारी तनाव, गोलाबारी के बीच सोशल मीडिया पर फेक न्यूज की बाढ़ आ गई है। सोशल मीडिया पर भारत-पाक के बीच चल रहे तनाव को लेकर चल रही फेक खबरों का पीआईबी फैक्ट चेक ने खंडन करते हुए लोगों को सर्तक रहने की सलाह दी है। फेक खबरों की सूची जारी करते हुए पीआईबी फैक्ट चेक की तरफ से शनिवार को बताया गया कि उधमपुर एयरबेस को नष्ट करने की गलत खबरें चलाई जा रही हैं, जबकि उधमपुर एयरबेस चालू है। एआईके न्यूज' द्वारा लाइव टीवी पर प्रसारित वीडियो में दावा किया गया है कि पाकिस्तान ने उधमपुर एयरबेस को नष्ट कर दिया है। पीआईबी फैक्ट चेक ने बताया कि प्रसारित वीडियो राजस्थान के हनुमानगढ़ की एक केमिकल फैक्ट्री में आग लगने की घटना से संबंधित है, जिसका भारत-पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति से कोई संबंध नहीं है। इसके साथ विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर को माफी मांगते हुए दिखाते हुए एक छेड़छाड़ किया हुआ वीडियो ऑनलाइन प्रसारित हो रहा है। पीआईबी फैक्ट चेक ने बताया कि यह वीडियो एआई द्वारा जनरेट किया गया है और झूठे प्रचार का हिस्सा है। इसके साथ एक भारतीय वायुसेना विमान दुर्घटना का पुराना वीडियो गलत संदर्भ में शेयर किया जा रहा है।

मार्को रुबियो ने विदेश मंत्री जयशंकर से की बात, कहा-

बातचीत बहाल करने के तरीके तलाशें दोनों पक्ष

वाशिंगटन (आईएएनएस)

भारत-पाकिस्तान की तनावपूर्ण स्थिति के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से बात की। केंद्रीय मंत्री ने इसकी पुष्टि की। वहीं अमेरिकी विदेश विभाग ने भी बातचीत को लेकर एक बयान जारी किया है। इस जयशंकर ने एक्स पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा- सुबह अमेरिका के विदेश मंत्री रुबियो से बातचीत हुई। भारत का दृष्टिकोण हमेशा संतुलित और जिम्मेदाराना रहा है और आज भी ऐसा ही है।

वहीं, अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस के हवाले से कहा गया कि, विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से बात की। रुबियो ने दोनों पक्षों को तनाव कम करने और सीधी बातचीत बहाल करने के तरीके तलाशने की सलाह दी, ताकि गलतफहमी से बचा जा सके। उन्होंने भविष्य के विवादों को टालने के लिए मदद की पेशकश करते हुए कहा कि 'अमेरिका ने रचनात्मक वार्ता का प्रस्ताव भी रखा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार सुबह पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर से बात की थी। उन्होंने तनाव कम करने का आग्रह किया। टैमी ब्रूस ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर से बात की। इस दौरान उन्होंने दोनों पक्षों से तनाव कम करने के तरीके खोजने का आग्रह किया और भविष्य में संघर्ष टालने के लिए रचनात्मक वार्ता शुरू करने में अमेरिका की सहायता की पेशकश की। मार्को रुबियो ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर और पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर से ऐसे समय में बात की थी, जब पाकिस्तान की ओर से भारतीय क्षेत्रों पर लगातार ड्रोन से हमला किया जा रहा है, जिसका भारतीय सेना करारा जवाब दे रही है।

वहीं, भारतीय सेना ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया था कि भारत के हमले में पाकिस्तान को बड़ा नुकसान हुआ है। कर्नल सोफिया कुरैशी ने बताया, "पाकिस्तान की इन हरकतों के बाद तुरंत जवाबी हमले का एक्शन लिया गया।

- **सटीक हमले :** रफीकी, मुरीद, चकलाला और रहमयार खान स्थित पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर सटीक हथियारों और लड़ाकू जेट्स से हमले किए गए।
- **न्यूनतम कोलेटरल डैमेज :** हमलों में आम नागरिकों को कम से कम नुकसान पहुंचाने का विशेष ध्यान रखा गया।
- **अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन :** पाकिस्तान ने नागरिक विमानों का प्रयोग कर अंतरराष्ट्रीय हवाई रूट्स का दुरुपयोग किया।

पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच शांति की पहल करे भारत : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर(आईएएनएस)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता जताते हुए भारत से शांति की पहल करने का आह्वान किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने एक बयान में उन्होंने कहा कि भारत को अपनी सॉफ्ट पावर और उपमहाद्वीप में नेतृत्वकारी भूमिका का उपयोग कर तनाव कम करने के लिए पहला कदम उठाना चाहिए। महबूबा ने अपने बयान में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत-पाक तनाव के मामले में अमेरिका एक निश्चित बिंदु से आगे हस्तक्षेप नहीं करेगा। हालांकि, स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख से संपर्क कर तनाव कम करने का आग्रह किया है। महबूबा ने इस घटनाक्रम का हवाला देते हुए कहा कि भारत को अब अंतरराष्ट्रीय समर्थन पर निर्भर रहने के बजाय अपनी ताकत और नेतृत्व क्षमता पर भरोसा करना चाहिए।

'हमने टू नेशन थ्योरी को खारिज किया' : ओवैसी

भारतीय सशस्त्र बल तनाव न बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, बशर्ते पाकिस्तान भी ऐसा ही करे" -विंग कमांडर व्योमिका सिंह

किसी भी आतंकी कार्रवाई को भारत के विरुद्ध युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा , उसी के अनुसार जवाब दिया जाएगा

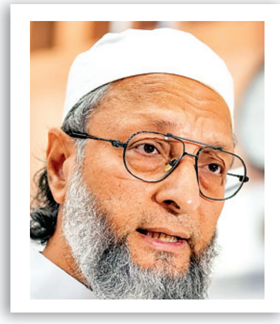

ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत ने निर्णय लिया है कि भविष्य में किसी भी आतंकी कार्रवाई को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसी के अनुसार जवाब दिया जाएगा। विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि पाकिस्तानी हमलों के जवाब में रहीम यार खान में पाकिस्तानी सैन्य संपत्तियों को निशाना बनाया। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान ने गलत सूचना देने का दुर्भावनापूर्ण अभियान चलाने का प्रयास किया; हमारी एस-400 प्रणाली, सूरत में हवाई अड्डों को नष्ट करने के उसके दावे झूठे हैं। विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने यह भी कहा कि भारतीय सशस्त्र बल तनाव न बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, बशर्ते पाकिस्तान भी ऐसा ही करे। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि जम्मू क्षेत्र के आरएसपुरा में पाकिस्तान की गोलाबारी में बीएसएफ के आठ जवान घायल हो गए।

'हमने टू नेशन थ्योरी को खारिज किया' : एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, 'पाकिस्तान यह आसानी से भूल जाता है कि भारत में 23 करोड़ से अधिक मुसलमान रहते हैं और हमारे पूर्वजों ने जिन्ना द्वारा प्रस्तावित 'टू नेशन थ्योरी' को खारिज कर दिया और हमने भारत को अपने देश के रूप में स्वीकार किया और हम यहीं रहेंगे। पाकिस्तान धर्म के नाम पर भारत का विभाजन करना चाहता है, वे भारतीय मुसलमानों, हिंदुओं और अन्य समुदायों के बीच तनाव पैदा करना चाहते हैं। जब वे 'टू नेशन थ्योरी' के बारे में बात करते हैं तो वे अफगानिस्तान सीमा चौकी पर बमबारी क्यों कर रहे हैं, वे ईरानी सीमा चौकी पर बमबारी क्यों कर रहे हैं? पाकिस्तान का डीप स्टेट अपनी सभी अवैध गतिविधियों को छिपाने के लिए इस्लाम को एक मुखौटा के रूप में उपयोग करता आया है।'

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से सीडीएस ने की मुलाकात : भारत व पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव बढ़ने के बीच चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की और उन्हें मौजूदा स्थिति से अवगत कराया।

सीडीएस ने आज सुबह रक्षा मंत्री से उनके आवास पर मुलाकात की। भारत ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान ने गुरुवार रात भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की नाकाम कोशिश की और लेह से लेकर सर क्रीक तक 36 स्थानों पर 300 से 400 तुर्किए के ड्रोन दागे। बैठक में उभरती सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की गई। बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह शामिल हुए।

मोदी ने सैन्य अधिकारियों के साथ की बैठक : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सेना के शीर्ष अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। इस बैठक में प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान के साथ संघर्ष और उससे उत्पन्न हालात का जायजा लिया। इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, तीनों सेनाओं के प्रमुख और सीडीएस अनिल चौहान भी मौजूद रहे। इस बैठक में सुरक्षा परिस्थिति और आगे की रणनीति की समीक्षा की गई। पाकिस्तान के साथ संघर्ष बढ़ता जा रहा है। दरअसल पाकिस्तान ने भारत के सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। हालांकि भारत ने इन हमलों को नाकाम कर दिया। इसके बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई कर पाकिस्तान के एयर बेस पर हमला बोला। आज हुई प्रेस ब्रीफिंग में कर्नल सोफिया ने बताया कि पाकिस्तान एलओसी पर अपने सैनिकों की तैनाती बढ़ा रहा है।

बाड़मेर से मिसाइल का मलबा बरामद : राजस्थान के बाड़मेर में पुलिस ने पाकिस्तानी मिसाइल का मलबा बरामद किया। जैसलमेर और पोखरण से भी इसी तरह के टुकड़े और मलबा बरामद किया गया है।

भारत का व्यवहार संयमित और जिम्मेदारी भरा : एस जयशंकर

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बातचीत में कहा कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष में भारत का व्यवहार संयमित और जिम्मेदारी भरा है। दोनों नेताओं की फोन पर बातचीत ऐसे समय हुई जब पाकिस्तान द्वारा भारत के सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की गई, जिन्हें भारत ने नाकाम कर दिया। बातचीत में अमेरिकी विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों पक्षों को तनाव कम करने और बातचीत शुरू करने की जरूरत है। रुबियो ने बातचीत में अमेरिका की मदद की पेशकश भी की।

भारतीय सेना ने आतंकियों के लॉन्च पैड किए तबाह

भारतीय सेना ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय सेना ने आतंकवादी लॉन्च पैड्स को नष्ट कर दिया। 08 और 09 मई 2025 की रात को पाकिस्तान द्वारा जम्मू कश्मीर और पंजाब के कई शहरों में ड्रोन हमलों की कोशिश करने के बाद पाकिस्तान के दुस्साहस का जवाब देते हुए भारतीय सेना ने आतंकवादी लॉन्च पैड्स को निशाना बनाया और उन्हें तबाह कर दिया। नियंत्रण रेखा के करीब स्थित आतंकवादी लॉन्च पैड अतीत में भारतीय नागरिकों और सुरक्षा बलों के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने का केंद्र थे। भारतीय सेना की कार्रवाई ने आतंकवादी बुनियादी ढांचे और क्षमताओं को एक बड़ा झटका दिया है।

लादेन के साथी का बेटा बना पाक सेना में बड़ा अधिकारी

नई दिल्ली। पाकिस्तानी सेना के इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशन के डीजी अहमद शरीफ चौधरी के पिता का संबंध आतंकी ओसामा बिन लादेन से था। शरीफ के पिता सुल्तान बशीरुद्दीन महमूद को संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका ने आतंकी घोषित किया था। सुल्तान बशीरुद्दीन महमूद ने 1999 में उम्मा तमेर-ए-नू की स्थापना की थी, जो एक चरमपंथी इस्लामिक संगठन था। इस संगठन को अमेरिका ने 2001 में बैन कर दिया था। पाकिस्तान अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम के लिए महमूद की काफी सराहना करता है। यूएस ऑफिस ऑफ फॉरेन असेट्स कंट्रोल ने महमूद को ग्लोबल टेररिस्ट घोषित किया था।

पहलगाम पाकिस्तान प्रायोजित नरसंहार : ओवैसी

हमें ऐसे तत्वों को अनुमति नहीं देनी चाहिए जो विभिन्न समूहों और धर्मों के बीच मतभेद पैदा करें

ब्यूरो

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के विरूद्ध शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर की तरफदारी में विपक्ष का हर नेता केन्द्र सरकार के साथ खड़ा है , लेकिन इनमें भी सबसे तीखी आवाज़ एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की है। ओवैसी पाकिस्तान की लगातार कड़े शब्दों में आलोचना करते हुए ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा कर रहे हैं और सशस्त्र बलों से पड़ोसी देश में आतंकी ढांचे को "पूरी तरह से नष्ट" करने का आह्वान कर रहे हैं। ओवैसी ने कहा है कि किसी भी तरह के टकराव के लिए वृद्धि के लिए पाकिस्तान को ही दोषी मानना होगा। जैसा कि विदेश सचिव ने कहा, हमने अपने लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। हमने केवल उन्हीं लक्ष्यों को चुना है, जहां आतंकवादी संगठन प्रशिक्षण

- वक्फ मेरे देश का आंतरिक मामला है
- जब कोई बाहरी ताकत देश की सुरक्षा को खतरा बनती है, तो हमें अपनी राजनीतिक संबद्धता से ऊपर उठना होगा, हमारे देश पर हमला हुआ है और हमें देश के लिए खड़ा होना होगा

दे रहे थे। हमने किसी भी सैन्य लक्ष्य को नहीं छुआ है और नागरिकों को निशाना बनाने से परहेज किया है। यदि पाकिस्तान इसके बाद भी तनाव बढ़ाता है, तो सरकार ने सही कहा है कि हम चुप नहीं बैठेंगे। इसलिए, इसका दोष पड़ोसी देश पर है।ओवैसी ने कहा है कि मुझे यकीन है कि भारतीय नेतृत्व सभी परिदृश्यों से अवगत है। लेकिन बात का सार यह है कि अगर पहलगाम नहीं हुआ होता, तो क्या हम इस स्थिति में पहुँचते? हमें यह याद रखना चाहिए कि यह पूरी तरह से पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित नरसंहार था। इसी वजह से यह सब हुआ।वक्फ कानून में सरकार की आलोचना और पाकिस्तान के साथ टकराव को लेकर ओवैसी ने कहा कि जहां तक उरी और बालाकोट का सवाल है, मैंने दोनों हमलों का स्वागत किया है। वक्फ कानून के बारे में हमारी स्थिति वही है। हमारी पार्टी को लगता है कि यह संविधान द्वारा दिए मौलिक अधिकारों के खिलाफ बनाया गया एक काला कानून है। हम इसके खिलाफ अपना विरोध और कानूनी लड़ाई जारी रखेंगे।ओवैसी ने कहा कि यह मेरे देश का आंतरिक मामला है। जब कोई बाहरी ताकत देश की सुरक्षा को ख़तरा बनती है, तो हमें अपनी राजनीतिक संबद्धता से ऊपर उठना होगा। हमारे देश पर हमला हुआ है और हमें देश के लिए खड़ा होना होगा। उन्होंने कहा कि मैं जो कुछ भी कह रहा हूं, वह मैं बहुत पहले से कह रहा हूं। अगर किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया है, तो इसमें मेरी कोई गलती नहीं है।असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि एक भारतीय होने के नाते, जब मेरे देश पर आतंकवादी हमला होता है, तो मुझे बोलने का पूरा अधिकार है। मैं ये बातें किसी की प्रशंसा पाने के लिए नहीं कह रहा हूँ। अपनी राजनीति में, मैं हमेशा दिल से बोलता हूं और बोलता रहूंगा। ओवैसी ने कहा कि देश में (ऑपरेशन सिंदूर को लेकर) बहुत उत्साह है और सरकार को इसका इस्तेमाल देश को एकजुट करने और मजबूत करने के लिए करना चाहिए। हमें ऐसे तत्वों को अनुमति नहीं देनी चाहिए जो विभिन्न समूहों और धर्मों के बीच मतभेद पैदा करें उन्होंने कहा कि मैंने हिमांशी नरवाल का उदाहरण दिया, जिन्होंने अपनी शादी के सातवें दिन (पहलगाम हमले में) अपने पति को खो दिया था, उनके इस बयान के बाद उन्हें निशाना बनाया गया कि हमें कश्मीरियों और मुसलमानों से नफरत नहीं करनी चाहिए।

भारत के महत्वपूर्ण एयरबेस पठानकोट को पाकिस्तान लगातार बना रहा है निशाना

ब्यूरो

नई दिल्ली। पठानकोट के एयरबेस को पाकिस्तान लगातार निशाना बना रहा है।क्योंकि पठानकोट न केवल पंजाब का महत्वपूर्ण मिलिट्री शहर है, बल्कि भारतीय एयरफोर्स के लिए एक प्रमुख फॉरवर्ड एयर बेस भी है। यहां पर गुरुवार रात को भारी ड्रोन हमला हुआ था, जो शुक्रवार तड़के तक जारी रहा।शुक्रवार रात को भी पाकिस्तान की तरफ से लगभग 8:45 पर आधे घंटे तक पठानकोट एयरबेस पर हमले किए गए। इस दौरान इस इलाके में कई जोरदार धमाकों की आवाज सुनाई दी थी। कुछ लोग अपनी गाड़ियों की हेडलाइट बंद करके सड़क पर चल रहे थे। कुछ लोगों ने छतों पर खड़े होकर गोलीबारी को देखा। पठानकोट में जिस इलाके में भारत के सैन्य प्रतिष्ठान हैं, वहां की दीवारों पर देशभक्ति के नारे लिखे हुए हैं। हालात के मद्देनजर न सिर्फ सेना बल्कि पुलिस भी हाई अलर्ट मोड पर है।भारत-पाकिस्तान के बीच लगातार बढ़ रहे तनाव को देखते हुए जिला प्रशासन ने तमाम जरूरी दिशा निर्देश जारी किए हैं और लोगों से कहा है कि शाम को घरों से बाहर ना निकलें। लोग इसका पालन भी करते हैं और अपनी दुकानों को भी बंद कर देते हैं। रात की ड्यूटी पर तैनात असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर जसवीर दास ने कहा कि अब तैयार रहना जरूरी होगा। दास ने कहा, "हम जानते हैं कि पाकिस्तान क्या करने जा रहा है तो लापरवाही बरतने का कोई मतलब नहीं है।" हालात को देखते हुए कुछ होटलों ने अपने यहां ठहरने वाले लोगों को वापस भेज दिया और नई बुकिंग नहीं ली। होटल चलाने वाले लोगों का कह रहा है कि हम हालात के मद्देनजर एहतियात बरत रहे हैं। पठानकोट के पड़ोसी जिले गुरदासपुर के रहने वाले मकान सिंह कहते हैं, "कई साल निकल जाते हैं रिश्ते बनाने में और तोड़ने में बस एक मिनट लगता है।" मकान सिंह अपनी फसल को बेचने के लिए पठानकोट आए थे लेकिन यहां शाम 7 बजे के बाद सब कुछ बंद होने की वजह से वह ऐसा नहीं कर सके। इसी तरह पानीपत के रहने वाले भजनलाल भी पठानकोट में फंसे हुए हैं। वह टिपर ट्रक चलाते हैं।

लश्कर-ए-तैयबा का मुरीद के मुख्यालय और जैश-ए-मोहम्मद का बहावलपुर बेस है भारत के निशाने पर

ब्यूरो

नई दिल्ली। पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का 200 एकड़ में फैला मुरीदके मुख्यालय तथा जैश-ए-मोहम्मद का बहावलपुर बेस आतंकियों का सबसे बड़ा केंद्र है। यहीं पर आतंकियों का प्रशिक्षण होता है, इसके आका रहते हैं। ऑपरेशन सिंदूर शुरू करते ही भारत ने 7 मई की सुबह पाकिस्तान व पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के अंदर जिन 9 ठिकानों पर हमला किया, वह केवल पड़ोसी के आतंकी ढांचे पर हमला नहीं है, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ भारत के युद्ध का संकेत है। 9 शिविरों में से कम से कम दो लश्कर-ए-तैयबा का मुरीदके मुख्यालय और जैश-ए-मोहम्मद का बहावलपुर बेस शामिल हैं। ये दोनों ही आतंकी ट्रेनिंग कैंप पिछले कुछ सालों में भारतीय धरती पर हमलों की एक श्रृंखला की योजना बनाने और समन्वय करने में उनकी भूमिका के लिए भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर रहे हैं। यह पहली बार है कि जब भारत ने लश्कर-ए-तैयबा के मुरीदके मुख्यालय और जैश-ए-मोहम्मद के बहावलपुर बेस को निशाना बनाया है। लाहौर से एक घंटे की दूरी पर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक तहसील मुख्यालय मुरीदके है। शेखपुरा जिले में तीन लाख से भी कम आबादी वाला एक छोटा शहर मुरीदके तब चर्चा में आया जब 2000 में मरकज़-ए-तैयबा (या तैयबा सेंटर) की स्थापना हुई थी, जो प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के मूल संगठन मरकज़-ए-दावा वल इरशाद (एमडीआई) का मुख्यालय था। 200 एकड़ से ज़्यादा के विशाल परिसर में फैला, मुरीदके का तैयबा सेंटर लश्कर का कमांड और कंट्रोल सेंटर है। यह आतंकियों की भर्ती व प्रशिक्षण केंद्र और एक विचारधारा का स्कूल था। इस परिसर में स्कूल, मस्जिद, चिकित्सा सुविधाएं और आवासीय क्वार्टर थे।भारत के लिए मुरीदके को लक्ष्य के रूप में चुनना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत पर सबसे जघन्य आतंकवादी हमलों का गढ़ रहा है। कारगिल युद्ध के दौरान कश्मीर में आत्मघाती हमले से लेकर मुंबई में 26/11 के हमलों तक 26/11 के हमलों में बंदूकधारी अजमल कसाब व स्काउट डेविड हेडली ने स्वीकार किया है कि उन्हें मुरीदके में इस सुविधा के अंदर प्रशिक्षण मिला था। द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), वह संगठन जिसने पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली है, वह भी लश्कर का मुखौटा ही है। 7 मई को जब भारत ने 1971 के युद्ध के बाद पहली बार पाकिस्तान के भीतर घुसकर हमला किया, तो मरकज़ तैयबा स्पष्ट लक्ष्य था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मरकज-ए-तैयबा अपने आप में एक शहर है। लश्कर मुख्यालय में वह सब कुछ था जिसकी आतंकी गुर्गों और उनके परिवारों को ज़रूरत थी। यह एक सैन्य मुख्यालय की तरह ही संगठित था और सरकार के बिना समर्थन के इसका संचालन संभव नहीं है। तैयबा केंद्र को पाकिस्तान में "बुराई की जड़" बताते हुए उन्होंने कहा कि मुरीदके सिर्फ़ कश्मीर में ही नहीं, बल्कि दुनिया के कई दूसरे हिस्सों में आतंक का निर्यात करता रहा है।

लश्कर के सभी शीर्ष कमांडर वहीं से काम करते थे। 2000 में श्रीनगर के डाउनटाउन में रहने वाले 17 वर्षीय स्कूली छात्र अफाक अहमद ने शहर में 15 कोर मुख्यालय के गेट पर विस्फोटकों से लदी मारुति कार को उड़ा दिया। घाटी में पहला मानव बम कश्मीर के हिंसाग्रस्त इतिहास में एक नए चरण का प्रतीक था। यह हमला जैश-ए-मोहम्मद नामक आतंकवादी संगठन द्वारा किया गया था। इसका सरगना मसूद अजहर है। इसे 31 दिसंबर 1999 को हाइजैक आईसी-814 के यात्रियों और चालक दल के बदले में कंधार में छोड़ा गया था।इसलिए 7 मई को जब भारतीय मिसाइलों ने पाकिस्तान के भीतर तक हमला किया, तो सबसे दूर का लक्ष्य पंजाब के बहावलपुर में एक मस्जिद थी, जो अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग 100 किलोमीटर दूर है। जामिया मस्जिद सुभान अल्लाह तब से भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर थी, जब से इसे मसूद अजहर के नेतृत्व वाले जैश-ए-मोहम्मद के नए मरकज के रूप में स्थापित किया गया था।विशाल उस्मान अली परिसर को निशाना बनाने का निर्णय भारत में आतंक विरोधी अभियान के प्रतीक के तौर पर है। यह जामिया मस्जिद सुभान अल्लाह स्थित है, भारत में आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए महत्वपूर्ण प्रतीकात्मक महत्व रखता है। यहीं से मसूद अज़हर ने जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख के रूप में भारत पर कुछ सबसे जघन्य हमलों का समन्वय किया था। लश्कर के मुरीदके मुख्यालय से लगभग 400 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बहावलपुर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के दक्षिणी भाग में आता है। यहां, घनी आबादी वाले औद्योगिक क्षेत्र मॉडल टाउन-बी में जामिया मस्जिद सुभान अल्लाह स्थित थी। 2019 में पुलवामा में हुए कार बम विस्फोट के तुरंत बाद, जिसने भारत और पाकिस्तान को युद्ध के कगार पर ला खड़ा किया था।पाकिस्तान ने बहावलपुर शहर के बाहरी इलाके में मस्जिद सुभानल्लाह और अल-साबिर मदरसा पर कब्ज़ा करने का दावा किया था। लेकिन वरिष्ठ आतंकवाद निरोधक अधिकारियों का कहना है कि यह जैश का कमांड सेंटर बना हुआ है, जिसे अजहर नियंत्रित करता है।

मुख्यमंत्री ने पाकिस्तानी गोलाबारी में जान गंवाने वालों के परिजनों को 10-10 लाख की आर्थिक मदद की घोषणा की

जम्मू (हि.स.)

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को केंद्र शासित प्रदेश में पाकिस्तानी गोलाबारी में जान गंवाने वालों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। पिछले महीने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 7 मई को सीमा पार 9 आतंकी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा हमला किए जाने के बाद पिछले चार दिनों में पुंछ, राजौरी, जम्मू और बारामुला सेक्टरों में एक अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त और 19 ग्रामीणों की मौत हो गई। बुधवार को पाकिस्तानी गोलाबारी में पुंछ में 12 नागरिकों की जान गई जबकि शुक्रवार को उरी और पुंछ में दो अन्य लोगों की जान गई। शनिवार सुबह पाकिस्तानी गोलाबारी में एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी सहित पांच अन्य नागरिकों की जान चली गई। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पाकिस्तान की ओर से हाल ही में की गई गोलाबारी के कारण निर्दोष लोगों की जान जाने से बहुत दुख हुआ है। मेरी सरकार अपने लोगों की मुश्किलों को कम करने के लिए हरसंभव उपाय कर रही है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा साझा की गई इस पोस्ट में कहा गया है कि कोई भी मुआवजा किसी प्रियजन की भरपाई नहीं कर सकता या परिवार को हुए आघात को ठीक नहीं कर सकता है।

आतंकवाद को वित्तपोषित करना बेतुका, इसे रोका जाना चाहिए : वैश्विक निवेशक जिम रोजर्स

नई दिल्ली (आईएएनएस)

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से पाकिस्तान को एक अरब डॉलर के वितरण को मंजूरी दिए जाने के बाद अनुभवी वैश्विक निवेशक जिम रोजर्स ने शनिवार को कहा कि आतंकवाद को वित्तपोषित करना बेतुका है, जिसे रोका जाना चाहिए। सरकारी सूत्रों के अनुसार, भारत ने ऐसे देश को धन मुहैया कराने का कड़ा विरोध किया है, जो सीमा पार आतंकवाद को प्रायोजित करना जारी रखता है। भारत ने चेतावनी दी है कि इस तरह के समर्थन से वैश्विक संस्थाओं की प्रतिष्ठा को खतरा है और अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों को कमजोर किया जा रहा है। समाचार एजेंसी आईएएनएस के साथ बातचीत में 82 वर्षीय रोजर्स ने कहा कि वह वैश्विक संगठनों द्वारा आतंकवाद को वित्तपोषित किए जाने के खिलाफ हैं। उन्होंने भारत द्वारा अपनी सीमाओं की रक्षा के प्रयासों की सराहना की। रोजर्स ने कहा, "मैं निश्चित रूप से आतंकवाद को वित्तपोषित किए जाने के खिलाफ हूं और मुझे उम्मीद है कि पूरी दुनिया भी इसके खिलाफ है।

आईएमएफ वोटिंग से भारत ने बनाई दूरी, दर्ज कराई कड़ी आपत्ति

राजनीतिक नेताओं और विशेषज्ञों ने पाकिस्तान को आईएमएफ प्रतिपूर्ति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है, उन्होंने जोर देकर कहा कि इससे भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता को कम करने में मदद नहीं मिलेगी। भारत ने पाकिस्तान को आईएमएफ से और अधिक वित्तीय सहायता का कड़ा विरोध किया है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "सीमा पार आतंकवाद के निरंतर प्रायोजन को पुरस्कृत करना एक खतरनाक संदेश देता है। मंत्रालय ने कहा, "यह फंडिंग एजेंसियों की प्रतिष्ठा के जोखिम में डालता है और वैश्विक मूल्यों को कमजोर करता है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, भारत ने पाकिस्तान को लोन दिए जाने की अपनी असहमति जताते हुए खुद को वोटिंग से अलग कर लिया। भारत ने मतदान में भाग न लेकर आईएमएफ की मतदान प्रणाली की सीमाओं के भीतर अपनी प्रबल असहमति व्यक्त की और इस अवसर का उपयोग औपचारिक रूप से अपनी आपत्तियों को दर्ज करने के लिए किया। सूत्रों के अनुसार, भारत ने आईएमएफ की मौजूदा सहायता की प्रभावशीलता पर सवाल उठाया और कहा कि पाकिस्तान को पिछले 35 वर्षों में से 28 वर्षों में सहायता मिली है। इनमें पिछले पांच साल में चार कार्यक्रम शामिल हैं, जिनमें सार्थक या स्थायी सुधार नहीं हुआ है।

खैबर पख्तूनख्वा में बड़ा हमला: नौ पाक सैनिक ढेर

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकियों ने एक पोस्ट को निशाना बनाकर हमला किया। इसमें नौ पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। हालांकि इस हमले के बारे में अभी तक पाकिस्तानी सेना की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। उर्दू भाषा के दैनिक अखबार मशरिक में शनिवार को प्रकाशित खबर के अनुसार, आतंकियों ने शुक्रवार को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के दक्षिण वजीरिस्तान जिले के शकाई तहसील में डंडा चेक पोस्ट पर हमला किया। यह इलाका अफगानिस्तान की सीमा से सटा हुआ है। हमले में नौ सुरक्षाकर्मी मारे गए और पांच घायल हो गए। घायल सैनिकों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

अमेरिका के तथाकथित 'पारस्परिक टैरिफ' पर चीन और रूस के बीच चर्चा

बीजिंग (आईएएनएस)

रूस की राजधानी मॉस्को में चीनी वाणिज्य मंत्री वांग वनथाओ और रूसी आर्थिक विकास मंत्री मैक्सिम रेशेतनिकोव के बीच हुई बैठक में द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने तथा अमेरिका द्वारा लगाए गए तथाकथित "पारस्परिक टैरिफ" के प्रति संयुक्त प्रतिक्रिया पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने उन्नत चीन-रूस बीमा समझौते के कार्यान्वयन और व्यापार-निवेश सहयोग को गति देने पर जोर दिया। वांग वनथाओ ने कहा कि दोनों देशों के नेताओं के रणनीतिक मार्गदर्शन में, नए युग में चीन-रूस समन्वय की व्यापक रणनीतिक साझेदारी लगातार गहरी हो रही है, आर्थिक और व्यापारिक सहयोग का अच्छा विकसित रुझान बनाए रखता है। दोनों पक्षों को उन्नत संस्करण वाले "निवेश के संवर्धन और पारस्परिक संरक्षण पर चीन-रूस समझौते" की भूमिका को पूरी तरह से निभाते हुए दोनों देशों के उद्यमों के लिए अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष निवेश और कारोबारी माहौल प्रदान करना चाहिए और चीन-रूस आर्थिक व व्यापारिक सहयोग के उच्च गुणवत्ता वाले विकास को लगातार बढ़ावा देना चाहिए। चीनी वाणिज्य मंत्री ने चीन के अमेरिका द्वारा तथाकथित "पारस्परिक टैरिफ" के दुरुपयोग का दृढ़ता से विरोध पर प्रकाश डाला और कहा कि चीन ने दृढ़ प्रतिकार उपाय अपनाए हैं। उनका कहना है कि पूर्ण एवं व्यापक मूल्यांकन के बाद, चीन ने हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ उच्च स्तरीय आर्थिक एवं व्यापार वार्ता आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की है। चीन का रुख हमेशा से सुसंगत है। अपने स्वयं के विकास हितों की रक्षा करने के लिए चीन का दृढ़ संकल्प नहीं बदलेगा और अंतर्राष्ट्रीय निष्पक्षता व न्याय की रक्षा करने तथा अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक और व्यापारिक व्यवस्था को बनाए रखने का चीन का रुख और लक्ष्य नहीं बदलेगा।

झारखंड के किसान मालिक बनें, मजदूर नहीं : शिल्पी नेहा तिर्की

बनहोरा जतरा मैदान में जिला स्तरीय कृषि कर्मशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम

नवीन मेल संवाददाता

रांची। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने रांची के बनहोरा जतरा मैदान में शनिवार को जिला स्तरीय कृषि कर्म शाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा- झारखंड के किसान मजदूर नहीं, बल्कि मालिक है। राज्य के खेतिहर किसानों को अपनी भूमिका मालिक के तौर पर निभानी होगी। वो खुद की जमीन पर उन्नत कृषि के सहारे लाखों का रोजगार कर सकते है। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की योजनाएं किसानों को बेहतर अवसर प्रदान कर रही है। बनहोरा मैदान में कृषि प्रदर्शनी के साथ- साथ विभाग की योजनाओं की जानकारी के लिए स्टॉल लगाए गए थे। गांव के लोगों को स्टॉल पर विभाग के द्वारा संचालित अलग-अलग योजनाओं को लाभ लेने से संबंधित प्रक्रिया से अवगत कराया गया। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने इस मौके पर कहा कि बहुत दुख के साथ ये कहना पड़ता है कि आज लोग खेती बाड़ी के बजाय दूसरों के घर मजदूरी करना पसंद करते है। पहले जहां एक एकड़ में 25 हजार का मुनाफा किसानों को होता था, वहीं बदलते हुए तकनीक में उन्नत कृषि के साथ ये मुनाफा 1 लाख तक पहुंच गया है। इसके लिए सिर्फ सही फसल और कृषि की उन्नत विधि से किसानों को जुड़ने की जरूरत है।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने सरहुल आजीविका फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी नामक एफपीओ का जिक्र करते हुए उसकी उपलब्धि को बताया है। आज इस एफपीओ का सालाना कारोबार 1 करोड़ रुपए के आसपास तक पहुंच गया है। ऐसा सामूहिक प्रयास और कड़ी मेहनत की बदौलत हो सका है। यही वजह है कि विभाग की तरफ सरहुल आजीविका को 15 लाख रुपए का ग्रांट दिया गया है। इस कृषि कर्म शाला में विभाग की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। झारखंड के ग्रामीण शूकर पालन करते है लेकिन उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि झारखंड के शूकर की मांग पूरे देश भर में है।

शूकर पालन के जरिए बेहतर मुनाफा और व्यापार किया जा सकता है। कृषि कर्म शाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि आपके गांव- घर में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग खुद योजनाओं की सौगात लेकर पहुंची है। गांव के किसान विभाग की योजनाओं से जुड़कर कृषि के क्षेत्र में अपने भविष्य को संवार सकते है। पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि राज्य में अगर रोजगार के लिए पलायन से बचना है तो कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता से जुड़ना होगा। विभाग किसानों को आज के दिन हर तरह की सुविधा उपलब्ध करा रही है। लेकिन इसके लिए विभागीय प्रक्रिया को पूरा करना होगा और इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए कृषि कर्म शाला का आयोजन किया गया है।

इस मौके पर मंच से मंत्री के हाथों सरहुल आजीविका फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी और सरई फुल महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी को 15- 15 लाख का ग्रांट दिया गया। जबकि किसान समृद्धि योजना के तहत पुनीता खलखो और सुमन उरांव को योजना का लाभ दिया गया । इस मौके पर स्थानीय जन प्रतिनिधि नीलम तिर्की, आशा देवी, पुष्पा टोप्पो, रियाजुल के अलावा शिव कच्छप, दीपू सिन्हा, प्रकाश तिर्की, मुन्तजिर खान, बेचू तिर्की, ललित कच्छप, सुका उरांव सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

मास्को में संजय सेठ ने भारतीय प्रवासियों के साथ किया संवाद, कहा

भारतीय जहां भी रहते हैं अपने काम और कर्मों से जाने जाते हैं

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारत सरकार के केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मॉस्को में भारतीय दूतावास में आयोजित एक कार्यक्रम में मास्को में रह रहे भारतीय समुदाय के लोगो के साथ मुलाकात की एवं संवाद स्थापित किया। रूसी संघ में भारत के राजदूत विनय कुमार ने भारतीय प्रवासियों और दूतावास की ओर से केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में दूतावास के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रूस में भारतीय समुदाय के लगभग 120 प्रमुख सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में भारतीय प्रवासियों की उपलब्धियों और योगदान की अहम भूमिका है।

उन्होंने भारतीय समुदाय से 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की यात्रा में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया, जिसमें भारत को विकसित राष्ट्रीय बनाने में प्रवासी भारतीयों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। श्री सेठ ने अपने संबोधन में कहा भारतीय जहां भी रहते हैं अपने काम और कर्मों से जाने जाते हैं उनका जन्म भले ही हिंदुस्तान में हो लेकिन उनकी कर्मभूमि जहां होती है वहां वह निष्ठा से अपने कार्यों को करते हैं यह भारतीयों की पहचान है। रक्षा राज्य मंत्री श्री सेठ ने सभी भारतीय प्रवासियों के साथ संवाद किया कार्यक्रम का समापन भारत के विकास दृष्टिकोण के प्रति उपस्थित लोगों के बीच गर्व और प्रतिबद्धता की नई भावना के साथ हुआ।

निगम स्तर से इंदौर के तर्ज पर फूड हब बनाने की योजना : प्रशासक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची नगर निगम प्रशासक संदीप सिंह के द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस क्रम में उनके द्वारा कचहरी चौक, नागा बाबा खटाल वेजिटेबल मार्केट से मछली घर होते हुए पूरे मोरहाबादी क्षेत्र तक का भ्रमण निगम के पदाधिकारियों के साथ किया गया।

निरीक्षण क्रम में उनके द्वारा मार्ग पर अवस्थित मॉड्यूलर टॉयलेस्ट एवं मोरहाबादी स्थित एरोबिक बायो टॉयलेट की सफ़ाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया एवं स्वास्थ्य शाखा के पदाधिकारियों को प्रतिदिन इसके साफ़-सफ़ाई की मॉनिटरिंग करने एवं ब्लीचिंग पाउडर का नियमित छिड़काव करने का निर्देश दिया गया।

साथ ही स्वच्छता शाखा की टीम को निर्देश दिया गया कि किसी भी परिस्थिति में शहर के मुख्य पथों पर डंप कूड़ा ना दिखे तथा सुपरवाइजर इसकी निगरानी करे। साथ ही मोराबादी क्षेत्र में प्रतिदिन सुबह साफ़-सफ़ाई के कार्य जल्दी की जाए ताकि मॉर्निंग वॉकर्स को एक स्वच्छ वातावण मिल सके। इसके अलावा पूरे क्षेत्र में पेड़ो की टहनियों की ट्रिमिंग करने का निर्देश दिया गया। उनके द्वारा मोराबादी रजिस्ट्री ऑफिस के समीप भूमि पर निगम स्तर से इंदौर के तर्ज पर फूड हब के रूप में विकसित करने हेतु योजना तैयार करने का निर्देश सम्बन्धित पदाधिकारियों को दिया गया। मौके पर अपर प्रशासक संजय कुमार, उप प्रशासक रविंद्र कुमार, उप प्रशासक गौतम प्रसाद साहू, नगर प्रबंधक, स्वच्छता शाखा एवं स्वास्थ्य शाखा की टीम उपस्थित थे।

सीएम ने राह दिखाई मैं उसे बढ़ा रहा हूं : मंत्री

नवीन मेल संवाददाता

- मंत्री बाद में, पहले डॉक्टर हूं : डॉ इरफान अंसारी
- गरीबों को मिली राहत, शव परिजनों को सौंपना अनिवार्य, झारखंड बना देश के लिए मिसाल

रांची। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने स्वास्थ्य मंत्री पद की शपथ लेते ही एक बड़ा और ऐतिहासिक निर्णय लिया। मंत्री डॉ अंसारी ने स्पष्ट और सख्त निर्देश जारी किए कि किसी भी परिस्थिति में मृतक का शव निजी अस्पतालों में रोककर नहीं रखा जाएगा। हर हाल में शव परिजनों को सौंपना अनिवार्य होगा। वहीं, इस फैसले से राज्य के हजारों परिवारों को राहत मिली है। राज्यभर से लगातार लोगों ने मंत्री इरफान अंसारी के इस संवेदनशील और मानवीय निर्णय के लिए हृदय से धन्यवाद और आभार व्यक्त किया है।

मौके पर इरफान अंसारी ने कहा कि मैं मंत्री बाद में हूं, पहले एक डॉक्टर हूं। एक डॉक्टर होने के नाते मैं मरीजों और उनके परिजनों के दुख, दर्द और पीड़ा को भलीभांति समझ सकता हूं। मैंने अपनी आंखों से देखा है कि किस तरह अस्पताल शव को पैसे के अभाव में रोक लेते थे और परिवार लाचार, बेबस होकर अस्पतालों के दरवाजे पर बिलखते रहते थे। तभी मैंने मन में ठान लिया था कि अगर मुझे भविष्य में कभी ऐसी जवाबदेही मिलेगी, तो मैं सबसे पहले उन परिवारों को राहत दूंगा जो आर्थिक तंगी के कारण अपनों का अंतिम संस्कार तक नहीं कर पाते।" उन्होंने कहा मंत्री पद की शपथ लेते ही उन्होंने यह निर्णय लागू किया और राज्य के तमाम अस्पतालों ने इसका अनुपालन किया। खास बात यह है कि उन्होंने केंद्र सरकार को भी इस निर्णय की जानकारी दी थी, और अब केंद्र ने भी इस फैसले को मान्यता दी है।

उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का धन्यवाद करता हूं, जिनकी दूरदर्शी सोच और जनहितकारी नेतृत्व के कारण आज मैं स्वास्थ्य मंत्री के रूप में उनके विजन को आगे बढ़ा रहा हूं। राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यापक बदलाव आया है और आने वाले दिनों में और भी क्रांतिकारी परिवर्तन देखने को मिलेंगे।

स्वामी श्रीयुक्तेश्वरजी का 170वां स्मरणोत्सव मना

नवीन मेल संवाददाता

रांची। 10 मई को योगदा आश्रम में स्वामी श्रीयुक्तेश्वरजी के आविर्भाव का स्मरणोत्सव मनाया गया। स्मरणोत्सव सुबह स्वामी गोकुलानंद द्वारा संचालित एक विशेष ऑनलाइन सामूहिक ध्यान के साथ आरंभ हुआ, जिसमें पूरे भारत से भक्तों ने भाग लिया। इसके बाद सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक गुरु पूजा में उपस्थित भक्तों ने ब्रह्मचारी सत्संगानंद और अन्य संन्यासियों ने संचालित भजनों का आनंद लिया। भजन-संकीर्तन के बाद वहां उपस्थित भक्तों और संन्यासियों को प्रसाद वितरित किया गया। 1894 में प्रकाशित अपनी सुप्रसिद्ध पुस्तक, "कैवल्य दर्शनम्" के लिए विख्यात श्रीयुक्तेश्वरजी, परमहंस योगानंदजी के गुरु थे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक आध्यात्मिक गुरु के रूप में प्रसिद्ध योगानंदजी ने अपनी आध्यात्मिक रचना, "योगी कथामृत" से वैश्विक स्तर पर लाखों लोगों को प्रभावित किया है और इस पुस्तक को दुनिया भर की पचास से अधिक भाषाओं में अनूदित एवं प्रकाशित किया गया है। इस विशेष दिन का उत्सव शाम को 3 घंटे के ध्यान के साथ समाप्त हुआ, जहां ब्रह्मचारी प्रहलादानंद ने श्रीयुक्तेश्वरजी के कुछ उपाख्यानों और शिक्षाओं को पढ़ा।

जीएसटी घोटाले में गिरफ्तार तीनों कारोबारियों को भेजा गया जेल

रांची। शेल कंपनी के नाम पर 800 करोड़ रुपए के जीएसटी घोटाले में गिरफ्तार तीन आरोपी कारोबारियों शिव कुमार देवड़ा, मोहित देवड़ा और अमित गुप्ता को ईडी ने शनिवार 10 मई को रांची के पीएमएलए कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में लेते हुए 22 मई तक के लिए बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार भेज दिया गया है। तीनों आरोपियों को अब फिलहाल ठिकाना जेल ही रहेगा। शुक्रवार 9 मई को अमित अग्रवाल उर्फ विक्की भालोटिया के जेल भेजा गया था। ईडी ने तीनों कारोबारियों को कोलकाता के न्यू टाउन और साल्टलेक एरिया से शुक्रवार को गिरफ्तार किया था। ईडी ने तीनों को ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापेमारी के बाद मिले ठोस साक्ष्य के आधार पर पूछताछ की। इसके बाद तीनों को गिरफ्तार कर रांची लाया। मामले में शुक्रवार को जमशेदपुर से गिरफ्तार कारोबारी अमित अग्रवाल उर्फ विक्की भालोटिया को जेल भेजा गया था। बता दें कि ईडी मंगलवार को चारों आरोपियों को पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर ले सकती है।

नशीली दवा बेचने के आरोपी को नहीं मिली जमानत

रांची। रांची सिविल कोर्ट के एनडीपीएस मामले के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने युवाओं को तस्करी की नशीली दवाएं बेचने के आरोप में जेल में बंद आरोपी शैलेश कुमार को जमानत देने से इनकार किया है। उसकी ओर से दाखिल जमानत याचिका सुनवाई पश्चात खारिज कर दी है। वह बीते तीन फरवरी से जेल में है। आरोपी को सदर थाना पुलिस को मिली गुप्त सूचना मिली कि कोकर के तिरिल रोड स्थित तान्या मेडिकल फार्मा से युवाओं को तस्करी की नशीली दवाएं बेची जा रही हैं। पुलिस ने उक्त मेडिकल दुकान में छापेमारी की और आरोपी शैलेश कुमार को गिरफ्तार किया था। उसके कब्जे से 100 एमएल ओनेरेक्स कफ सिरप की 84 बोतलें, 1430 पीस नाइट्रोसम10 टैबलेट और 144 विनस्पास्मो (टीएम) फोर्ट कैप्सूल बरामद किया गया। पूछे जाने पर आरोपी व्यक्ति तस्करी की सामग्री के बारे में बताने में असफल रहा था।

मंत्री दीपिका ने करोड़ों की विकास योजनाओं का किया शिलान्यास

नवीन मेल संवाददाता

रांची। महगामा विधानसभा क्षेत्र के लिए शनिवार का दिन ऐतिहासिक रहा। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण योजनाओं का शिलान्यास कर ग्रामीण आधारभूत संरचना के विस्तार की दिशा में एक नया अध्याय लिखा।

श्रीमती सिंह ने ठाकुरगंगटी प्रखंड में तीन बड़ी विकास योजनाओं का शिलान्यास किया, जिनमें पुल और सड़क निर्माण शामिल हैं। ये योजनाएं न सिर्फ क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएंगी, बल्कि ग्रामीण जनता को आवागमन, व्यापार और रोजगार के अधिक अवसर भी उपलब्ध कराएंगी।

योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ना, आवागमन में सुगमता लाना और आपदा के समय राहत कार्यों को गति देना है।

इसके अतिरिक्त, ठाकुरगंगटी प्रखंड कार्यालय परिसर में आंगनबाड़ी सेविकाओं को स्मार्टफोन वितरित किए गए, ताकि वे तकनीकी रूप से सशक्त बन सकें और शासन की योजनाओं को डिजिटल माध्यम से अधिक प्रभावशाली ढंग से संचालित कर सकें। यह वितरण "डिजिटल झारखंड" की दिशा में एक और सशक्त पहल है।

इस अवसर पर दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल विकास करना नहीं, बल्कि ऐसा समावेशी विकास करना है जिसमें हर गांव, हर महिला और हर युवा को समान अवसर मिले। इन योजनाओं के माध्यम से हम महगामा को एक सशक्त और स्वावलंबी क्षेत्र बनाने के संकल्प को आगे बढ़ा रहे हैं।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी, ग्रामीण जनता और मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पाकिस्तान के खिलाफ रांची के युवाओं में आक्रोश

लगाए मुर्दाबाद के नारे और दुश्मन देश के झंडे पर पोती मिट्टी

नवीन मेल संवाददाता

युवाओं ने फूंका पाकिस्तान का झंडा

छात्रों ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। भारतीय फौज के शौर्य की सराहना करते हुए युवाओं ने कहा कि पाकिस्तान के पास भारत से लड़ने की औकात नहीं है। उसको माकूल जवाब दिया जा रहा है। पहलगाम में आतंकियों द्वारा धर्म पूछकर महिलाओं के सामने पुरुषों की हत्या किए जाने की घटना को याद कर छात्र बेहद आक्रोशित दिखे। इस दौरान छात्रों ने जमीन पर पाकिस्तान के झंडा को पेंट किया और बाद में उसको मिट्टी से पोत डाली। साथ ही पाकिस्तान के झंडे को आग के हवाले किया।

रांची। पहलगाम में 22 अप्रैल को पर्यटकों पर कायराना हमले के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। भारतीय सेना द्वारा 6 मई की मध्य रात्रि के दौरान पाकिस्तान और पीओके के 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक के बाद से पाकिस्तान नफरत की आग में झुलस रहा है। पाकिस्तान पिछले 7 मई से लगातार कायराना हरकत कर रहा है। रिहायशी इलाकों के साथ-साथ स्कूल और अस्पताल तक पर बम से हमला कर रहा है। भारतीय सेना इसका मुकम्मल तरीके से जवाब दे रही है। इधर, पाकिस्तान के कायराना हरकत के खिलाफ झारखंड के युवा अपने-अपने तरीके से गुस्से का इजहार कर रहे हैं। शनिवार को डीएसपीएम यूनिवर्सिटी के छात्रों ने पाकिस्तान के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया।

बता दें कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। भारतीय फौज पाकिस्तान को करारा जवाब दे रही है। लिहाजा, भारतीय फौज की सलामती और विजय के लिए जगह-जगह प्रार्थनाएं की जा रही हैं। रांची की सड़कों पर अलग-अलग राजनीतिक पार्टियां रैली निकालकर सेना की हौसला अफजाई कर रही हैं।

पेज एक के शेष

पुनर्वासित परिवारों को...

पानी, पक्के मकान और अन्य बुनियादी सुविधाएं प्रदान की जा चुकी हैं। साथ ही सिंचाई हेतु नहर योजना, राशन वितरण, पशुपालन और सहकारिता विभाग की योजनाओं का लाभ भी दिलाया जा रहा है। गांव में सोहराई पेंटिंग, पाथवे, कम्यूनिटी सेंटर आदि बनाकर इसे आदर्श गांव के रूप में विकसित करने की योजना पर कार्य हो रहा है। पलामू बाघ परियोजना के कोर क्षेत्र गारू प्रखंड के कुजरूम और जयगीर से कुल 79 परिवारों के पुनर्वास की प्रक्रिया चल रही है। इनमें से 57 परिवार—कुजरूम से 35 और जयगीर से 22—को पोलपोल में बसाया जा चुका है। प्रत्येक लाभुक को नगद सहायता भी प्रदान की जा रही है। मुख्य सचिव के कार्यक्रम में वन, कृषि, जल संसाधन विभागों के सचिवों सहित पलामू, गढ़वा और लातेहार जिलों के उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, वन विभाग के अधिकारी तथा बाघ परियोजना के निदेशक एस.आर. नटेश व उप निदेशक कुमार आशीष भी उपस्थित थे।

तीन घंटे में...

जिसके बाद ब्लैकआउट कर दिया गया। इसके साथ ही पंजाब के फिरोजपुर और होशियार में भी ब्लैकआउट कर दिया गया। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पाकिस्तान की इस नापाक हरकत पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सवालिया लहजे में लिखा, 'आखिर संघर्ष विराम का क्या हुआ?' उन्होंने कहा कि श्रीनगर में धमाकों की आवाजें सुनी गईं। इसके साथ ही उन्होंने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें पाकिस्तान की ओर से ड्रोन आते दिख रहे हैं। उन्होंने लिखा कि यह कोई युद्धविराम नहीं है। श्रीनगर के मध्य में हवाई रक्षा इकाइयों ने अभी-अभी गोलीबारी शुरू की है। इससे पहले, विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने जानकारी दी थी कि शाम 5 बजे से भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर लागू हो गया है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तान के डीजीएमओ (डायरेक्टर जेनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस) ने भारत के डीजीएमओ को दोपहर में फोन किया और गोलीबारी रोकने पर सहमति बनी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा, पाकिस्तान के डीजीएमओ ने आज दिन में 03:35 बजे भारतीय डीजीएमओ को फोन किया। उनके बीच सहमति बनी कि दोनों पक्ष शाम 05:00 बजे से जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद कर देंगे। इस सहमति को लागू करने के लिए दोनों पक्षों को निर्देश दिए गए हैं। वे 12 मई को 12:00 बजे फिर से बात करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत ने अपनी शर्तों पर सीजफायर किया है। भारत के विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने कहा, भारत और पाकिस्तान ने आज (10 मई 2025) गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनाई है। भारत ने सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद के खिलाफ लगातार दृढ़ और अडिग रुख बनाए रखा है। वह ऐसा करना जारी रखेगा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, पिछले 48 घंटों में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शहबाज शरीफ, भारत के विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर, पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर तथा भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार असीम मलिक सहित वरिष्ठ भारतीय और पाकिस्तानी अधिकारियों से बातचीत की है। मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान की सरकारें तत्काल युद्ध विराम और व्यापक मुद्दों पर बातचीत शुरू करने पर सहमत हो गई हैं। हम शांति का मार्ग चुनने में प्रधानमंत्री मोदी और शरीफ की बुद्धिमत्ता और विवेक की सराहना करते हैं। वहीं, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने भी तत्काल युद्धविराम की पुष्टि की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि पाकिस्तान अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से समझौता किए बिना क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए हमेशा से प्रयासरत रहा है। ज्ञात हो कि पिछले महीने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाकर 6-7 मई 2025 की रात को पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। इसके बाद पाकिस्तान ने लगातार भारतीय सैन्य ठिकानों और आबादी वाले इलाके में ड्रोन तथा मिसाइलों से हमले किए, जिनमें ज्यादातर को भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया।

भविष्य में होने वाले आतंकी..

सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुख सहित अन्य अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। इसमें भविष्य की रणनीति पर चर्चा की गई।सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुख सहित अन्य अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। इसमें भविष्य की रणनीति पर चर्चा की गई।

श्रीनगर से नलिया...

सैन्य ठिकानों पर एयर लॉन्च सटीक हथियारों और लड़ाकू विमानों से प्रहार किया। इधर, सिंगापुर ने कहा है कि वह भारत और पाकिस्तान के बीच जारी 'सैन्य टकराव' को लेकर गंभीर रूप से चिंतित है और उसने दोनों पक्षों से तनाव कम करने का आग्रह किया है। सिंगापुर ने एक बयान में कहा कि पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए जघन्य आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच जारी सैन्य टकराव को लेकर सिंगापुर गंभीर रूप से चिंतित है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात करने के बाद कहा कि भारत का दृष्टिकोण हमेशा से ही संतुलित और जिम्मेदाराना रहा है और आगे भी ऐसा ही रहेगा। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि रुबियो ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों पक्षों को गलत अनुमान लगाने से बचने के लिए तनाव कम करने और डायरेक्ट संवाद को फिर से स्थापित करने के तरीके तलाशने की जरूरत है।

अवैध हथियार के...

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने नितेश के पास से एक देशी पिस्तौल, एक जिंदा कारतूस और एक चाकू बरामद किया। इस गिरफ्तारी के साथ यह भी खुलासा हुआ कि 13 अप्रैल 2025 को रेलवे स्टेशन के पास भी अवैध हथियारों के साथ एक गिरोह पकड़ा गया था, जिसमें नितेश शर्मा फरार हो गया था। अब उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके पास से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस छापेमारी कर रही है। नितेश शर्मा पर कई गंभीर अपराधों के आरोप पहले से दर्ज हैं, जिनमें धारा 395, 392, 387 और आर्म्स एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं। उसने पूछताछ के दौरान शहर के अन्य कुख्यात अपराधियों के बारे में भी जानकारी दी है, जो अब पुलिस की रडार पर हैं। इस कार्रवाई में पुलिस के सर्च ऑपरेशन में शामिल सभी अधिकारी और जवानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस सफलता के बाद पलामू पुलिस के अभियान को और मजबूती मिली है, जिससे आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण पाया जा सके।

राष्ट्र सुरक्षा सर्वोच्च...

सिविल डिफेंस के क्षेत्र में कार्य करने वाले संस्थानों से समन्वय स्थापित कर बेहतर सुरक्षा व्यवस्था के लिए कार्ययोजना बनाएं। उन्होंने कहा कि सिविल डिफेंस वॉलेंटियर्स को त्वरित राहत, बचाव कार्य, जनजागरूकता और सामुदायिक क्षमता निर्माण जैसे विषयों पर विशेष प्रशिक्षण दी जाए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष के साथ-साथ जिला स्तर के कंट्रोल रूम को एक्टिव करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि राज्य के भीतर सभी छोटे-बड़े पीएसयू (सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम) के सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जाएं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी अस्पताल के रूफटॉप पर मेडिकल साइन बोर्ड लगाए जाएं। बैठक में मुख्य सचिव अलका तिवारी, अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, प्रधान सचिव वंदना दादेल, डीजीपी अनुराग गुप्ता, सचिव पूजा सिंघल, सचिव राजेश शर्मा, सचिव विप्रा भाल, विशेष सचिव आईपीआरडी राजीव लोचन बक्शी, आईजी ऑपरेशन एवी होमकर, आईजी स्पेशल ब्रांच प्रभात कुमार, एसपी एटीएस ऋषभ झा, एसपी अभियान अमित रेणु, कमांडेंट जैप -1 राकेश रंजन सहित कई अधिकारी उपस्थित थे।

विराट कोहली भी लेना चाहते हैं टेस्ट से संन्यास

- 14 साल लंबे शानदार करियर पर विराम लगाएंगे
- 123 टेस्ट कोहली ने अभी तक खेला है
- 68 में कप्तानी की और 46.85 की औसत से 9230

मुंबई। रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के कुछ दिन बाद स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड में 20 जून से शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की बड़ी सीरीज से पहले बीसीसीआई को सूचित किया है कि वह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना चाहते हैं। माना जा रहा है कि वह इस सीरीज के लिए टीम का हिस्सा होंगे। जानकारी के अनुसार, कोहली पिछले एक महीने से बीसीसीआई अधिकारियों के साथ इस बारे में चर्चा कर रहे थे। अगर कोहली ने अपना मन नहीं बदला, तो वह 14 साल लंबे शानदार करियर पर विराम लगाएंगे, जिसमें उन्होंने 123 टेस्ट खेले, जिनमें से 68 में कप्तानी की और 46.85 की औसत से 9230 रन बनाए हैं।

हालांकि हाल के समय में टेस्ट क्रिकेट में उनका प्रदर्शन खास नहीं रहा है। जब उन्होंने नवंबर 2024 में पर्थ टेस्ट में 100 रन बनाए, तो वह उनका जुलाई 2023 (वेस्टइंडीज के खिलाफ पोर्ट ऑफ स्पेन में) के बाद पहला टेस्ट शतक था। उनका औसत, जो 2019 में पुणे में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ करियर बेस्ट 254 रन बनाने के बाद 55.10 था, पिछले 24 महीनों में गिरकर 32.56 हो गया है।

इसके बावजूद, यह समझा जा रहा है कि टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ता इस दौरे पर कोहली के अनुभव को बेहद महत्वपूर्ण मानते हैं, जहां भारत एक नए कप्तान की अगुआई में खेलेगा। शुभमन गिल सबसे आगे हैं रोहित शर्मा की जगह लेने की दौड़ में, जिन्होंने इसी सप्ताह की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी।

रोहित के अलावा भारत के पास आर अश्विन भी नहीं हैं, जिन्होंने 2024-25 की ऑस्ट्रेलिया सीरीज के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे इस समय टीम में नहीं हैं, और मोहम्मद शमी की फॉर्म भी लंबे समय की चोट के बाद वापसी में सवालों के घेरे में है। ऐसे में कोहली, रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह के साथ मिलकर गिने-चुने सीनियर खिलाड़ियों में शामिल हैं। इससे पहले कि रोहित ने कोहली से टेस्ट कप्तानी की कमान संभाली, भारत ने कोहली की कप्तानी में खेले गए 68 टेस्ट मैचों में से 40 में जीत हासिल की और केवल 17 में हार मिली। ये 40 जीतें कोहली को भारत का सबसे सफल टेस्ट कप्तान बनाती हैं। महेंद्र सिंह धोनी ने 60 में से 27 और सौरव गांगुली ने 49 में से 21 टेस्ट जीते थे।

भारत का लक्ष्य श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना

एजेंसी

कोलंबो। भारत रविवार को आर प्रेमदासा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले महिला वनडे त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में मेजबान श्रीलंका से भिड़ने पर सभी विभागों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए दृढ़ संकल्पित होगा। रविवार के फाइनल के लिए, श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने घोषणा की है कि प्रशंसक स्टेडियम में मुफ्त में फाइनल देख सकेंगे।

लीग चरण में श्रीलंका के खिलाफ ही भारत को त्रिकोणीय श्रृंखला में अपनी एकमात्र हार का सामना करना पड़ा था और रविवार का मुकाबला उन्हें चामरी अथापथु की अगुवाई वाली टीम पर पलटवार करने का मौका देता है, साथ ही फाइनल खेलने के दबाव का सामना करने का भी मौका देता है - ऐसा कुछ जो उन्हें इस साल के वनडे विश्व कप की तैयारी में भी मदद करेगा।

भारतीय बल्लेबाजी के नजरिए से, जेमिमा रोड्रिग्स 67 की औसत से 201 रन बनाकर उनकी सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रही हैं - जिसमें पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार 123 रन भी शामिल हैं।

भारत: प्रतीका रावल, स्मृति मंधाना, हरलीन देयोल, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, श्री चरणी, स्नेह राणा, शुचि उपाध्याय, क्रांति गौड़, यास्तिका भाटिया, तेजल हसब्निस और

फीफा 2031 संस्करण: महिला विश्व कप में 48 टीमों को शामिल करने की मिली मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) ने शुक्रवार को फीफा परिषद की बैठक के बाद घोषणा की है कि उन्होंने 2031 संस्करण से महिला विश्व कप में भाग लेने वाली टीमों की संख्या 32 से बढ़ाकर 48 करने का फैसला किया है। आभासी रूप से आयोजित बैठक में लिए गए इस निर्णय से प्रतिनिधित्व काफी व्यापक हो जाएगा, ज्यादा देशों और खिलाड़ियों को शीर्ष प्रतियोगिता तक पहुंच मिलेगी और दुनिया भर में महिला फुटबॉल में निवेश में तेजी आएगी। 48 टीमों वाला फीफा महिला विश्व कप 12-समूह प्रारूप अपनाएगा, जिसमें मैचों की कुल संख्या 64 से बढ़कर 104 हो जाएगी और टूर्नामेंट एक सप्ताह आगे बढ़ जाएगा। फीफा महिला विश्व कप के 2031 और 2035 संस्करणों के लिए मेजबानी की आवश्यकताओं को तदनुसार अनुकूलित किया गया है। फीफा अध्यक्ष जियानी इनफैंटिनो ने कहा, "यह सिर्फ फीफा महिला विश्व कप में 16 और टीमों के खेलने के बारे में नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करके सामान्य रूप से महिलाओं के खेल के बारे में अगला कदम उठाना है कि अधिक फीफा सदस्य संघों को टूर्नामेंट से लाभ उठाने का मौका मिले और वे समग्र दृष्टिकोण से अपनी महिला फुटबॉल संरचनाओं को विकसित कर सकें।" फीफा महिला विश्व कप 2023, पहला ऐसा विश्व कप है जिसमें सभी संघों की टीमों ने कम से कम एक मैच जीता और पांच संघों की टीमें नॉकआउट चरण में पहुंचीं, कई अन्य रिकॉर्डों के अलावा, इसने वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए एक नया मानक स्थापित किया।

> "यह एक ऐतिहासिक पहल है। फीफा हर लड़की को फुटबॉल खेलने का मौका देने के लिए प्रतिबद्ध है।"
>
> **फीफा अध्यक्ष**

तीरंदाजी विश्व कप स्टेज 2 में भारत ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते

शंघाई। भारत ने शनिवार को शंघाई में हुए आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज 2 में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन पदक अपने नाम किए। पुरुषों की कंपाउंड टीम ने स्वर्ण, महिलाओं की टीम ने रजत और मिक्स्ड टीम ने कांस्य पदक जीता। पुरुषों की कंपाउंड टीम में अभिषेक वर्मा, ओजस देओताले और ऋषभ यादव शामिल थे। इस टीम ने फाइनल में मेक्सिको को 232-228 अंकों से हराकर स्वर्ण पदक जीता। सेमीफाइनल में भारत ने डेनमार्क को 232-231 से हराया था। इस टीम ने क्वालीफाई राउंड में सबसे अधिक 2134 अंक हासिल किए थे, जिससे उन्हें पहले राउंड में बाय (सीधा प्रवेश) मिला। इसके बाद उन्होंने क्वार्टरफाइनल में ग्रेट ब्रिटेन को 239-232 से हराकर आगे का सफर तय किया। महिलाओं की कंपाउंड टीम में ज्योति सुरेखा वेन्नम, मधुरा धमांगांवकर और चिकिता तनीपार्थी ने रजत पदक जीता। फाइनल में भारत को मजबूत मेक्सिको टीम से 221-234 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि हार एकतरफा थी, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में भारतीय महिलाओं ने शानदार प्रदर्शन किया और दूसरा स्थान हासिल किया। महिला टीम ने भी क्वालिफिकेशन में सबसे ज्यादा 2114 अंक बनाकर पहले राउंड में बाय पाया था। उन्होंने क्वार्टरफाइनल में कजाखस्तान को 232-229 और फिर सेमीफाइनल में ग्रेट ब्रिटेन को 232-230 से हराया। ग्रेट ब्रिटेन की टीम में दुनिया की नंबर एक तीरंदाज एला गिब्सन भी शामिल थीं।

आईपीएल: विदेशी खिलाड़ियों ने भारत छोड़ना शुरू किया

एजेंसी

नई दिल्ली। अगर मई में आईपीएल दोबारा शुरू होता है, तो बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद को आईपीएल 2025 के बचे हुए 16 मुकाबलों की मेजबानी के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। ईएसपीएन क्रिकइंफो को जानकारी मिली है कि अगर भारत सरकार से हरी झंडी मिलती है, तो इन तीन शहरों में टूर्नामेंट को दोबारा शुरू करने की योजना पर काम किया जा सकता है।

भारत-पाकिस्तान के बीच सीमा पर बढ़े तनाव को देखते हुए बीसीसीआई ने शुक्रवार को आईपीएल को एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया था। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि बीसीसीआई ने टूर्नामेंट को दोबारा शुरू करने के लिए कोई अंतिम तारीख तय की है या नहीं।

हालांकि बीसीसीआई ने इन तीन वेन्यू को तैयार रखने का फैसला पहले ही ले लिया है, लेकिन अधिकारियों ने माना है कि मौजूदा हालात में आईपीएल को जल्दी शुरू करना चुनौतीपूर्ण होगा। फ्रेंचाइजियों को शुक्रवार को अनौपचारिक रूप से इसकी जानकारी दे दी गई थी, और कई टीम अधिकारियों ने ईएसपीएन क्रिकइंफो से बातचीत में संकेत दिया कि टूर्नामेंट के बचे हुए मैच इस साल के बाद के हिस्से में कराए जा सकते हैं।

अगर मई में आईपीएल दोबारा शुरू होता है, तो बीसीसीआई के सामने सबसे बड़ी चुनौती विदेशी खिलाड़ियों को वापस लाना होगा। जैसे ही स्थगन की घोषणा हुई, खिलाड़ी अपने-अपने देशों के लिए पहली उपलब्ध फ्लाइट से रवाना होने लगे। उम्मीद है कि शनिवार तक ज्यादातर विदेशी खिलाड़ी भारत छोड़ देंगे।

फ्रेंचाइजियों को उम्मीद है कि अगर टूर्नामेंट मई के आखिरी हिस्से में दोबारा शुरू होता है, तो ज्यादातर विदेशी खिलाड़ी लौट सकते हैं। लेकिन उन्होंने यह भी माना कि अगर टूर्नामेंट की विंडो 25 मई से आगे जाती है तो फिर कोई गारंटी नहीं होगी। इसकी वजह कई खिलाड़ियों की द्विपक्षीय सीरीज की व्यस्तता और ऑस्ट्रेलिया तथा दक्षिण अफ्रीका के बीच 11 जून से लॉर्ड्स में शुरू होने वाला वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल है।

आईपीएल 2025 के अब तक 57 मुकाबले पूरे हो चुके हैं और 58वां मैच आठ मई को पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच धर्मशाला में खेला जा रहा था, जो 10.1 ओवर के बाद रद्द कर दिया गया। आईपीएल ने अब तक यह तय नहीं किया है कि उस मैच को दोबारा खेला जाएगा या नहीं।

अभी भी लीग स्टेज के 12 मुकाबले बचे हैं, और उसके बाद चार प्लेऑफ मैच हैं। पहले हैदराबाद में क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर होना था, जबकि कोलकाता को क्वालिफायर 2 और फाइनल की मेजबानी करनी थी।

फ्रेंचाइजियों को उम्मीद है कि अगर टूर्नामेंट मई के आखिरी हिस्से में दोबारा शुरू होता है, तो ज्यादातर विदेशी खिलाड़ी लौट सकते हैं।

नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नई दिल्ली। 24 मई को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में प्रस्तावित नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 को मौजूदा भारत-पाकिस्तान तनाव के मद्देनजर अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। आयोजकों ने शुक्रवार को यह घोषणा की।

आयोजन समिति ने बताया कि यह निर्णय विचार-विमर्श और सभी पक्षों से बातचीत के बाद लिया गया है। खिलाड़ियों, साझेदारों और व्यापक समुदाय की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। 'राष्ट्र सर्वोपरि, खेलों की एकता की शक्ति पर विश्वास' नीरज चोपड़ा क्लासिक की आयोजन समिति ने अपने बयान में कहा, "हम खेल की एकता की शक्ति में विश्वास रखते हैं, लेकिन इस नाजुक समय में राष्ट्र के साथ खड़े रहना ज्यादा ज़रूरी है। हमारी पूरी श्रद्धा और भावनाएं इस समय हमारे सशस्त्र बलों के साथ हैं, जो देश की रक्षा में अग्रिम पंक्ति में डटे हुए हैं।"

यह प्रतियोगिता वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल मीट का हिस्सा है। आयोजन समिति ने बताया कि इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की नई तारीख की घोषणा जल्द की जाएगी।

मो. अफजल ने तोड़ा पुरुषों के 800 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड, दुबई में रचा इतिहास

दुबई। एशियाड सिल्वर मेडलिस्ट मोहम्मद अफजल ने शुक्रवार को दुबई में आयोजित यूएई एथलेटिक्स ग्रां प्री में पुरुषों के 800 मीटर दौड़ में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना डाला। अफजल ने 1 मिनट 45.61 सेकंड में रेस पूरी कर 2018 में जिन्सन जॉनसन द्वारा बनाए गए 1:45.65 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। 29 वर्षीय अफजल ने यह कारनामा वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर के ब्रॉन्ज लेवल मुकाबले में किया, जो दुबई पुलिस स्टेडियम में आयोजित हुआ था। हालांकि वे रेस में केन्या के निकोलस किप्लागट से पीछे रह गए, जिन्होंने 1:45.38 सेकंड में रेस जीत ली।वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए क्वालिफिकेशन समय नहीं छू सके हालांकि अफजल ने नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड तो बनाया, लेकिन वह 2025 वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन टाइम 1:44.50 सेकंड को पार नहीं कर सके। इससे पहले उन्होंने 2023 हांगझो एशियन गेम्स में 800 मीटर में सिल्वर मेडल जीता था, जहां उनका समय 1:48.43 सेकंड था।

नोवाक जोकोविच जेनेवा ओपन में खेलेंगे

नई दिल्ली। नोवाक जोकोविच इस सीजन पहली क्ले कोर्ट जीत की तलाश में जेनेवा ओपन में उतरेंगे। टूर्नामेंट आयोजकों ने शुक्रवार को पुष्टि की कि सर्बियाई स्टार 17 से 24 मई तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। यह फ्रेंच ओपन से पहले खिलाड़ियों के लिए अंतिम वार्मअप टूर्नामेंट है। छठे वरीयता प्राप्त जोकोविच इस साल यूरोपीय क्ले कोर्ट सीजन में अब तक जीत नहीं दर्ज कर सके हैं। वे मोंटे कार्लो और मैड्रिड ओपन में जल्दी बाहर हो गए थे। उनका रिकॉर्ड अब तक 0-2 का है। इस बार वे अपने करियर का 100वां खिताब जीतने के इरादे से उतरेंगे।

देश में खाने-पीने की चीजों का पर्याप्त स्टॉक: प्रल्हाद जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। वर्तमान हालात को देखते हुए केंद्र सरकार ने खाने-पीने की चीजों को लेकर होड़ न मचाने की सलाह नागरिकों को दी है। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा है कि देश में जरूरी वस्तुओं की कोई कमी नहीं है।नागरिकों से अपील है कि वे घबराएं नहीं और न ही खाद्य सामग्री खरीदने के लिए बाजार में दौड़ लगाएं।

केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने भरोसा दिलाया है कि देश में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। चावल का मौजूदा स्टॉक 135 लाख मीट्रिक टन के बफर मानक के मुकाबले 356.42 लाख मीट्रिक टन है।

इसी तरह, गेहूं का स्टॉक 276 लाख मीट्रिक टन के बफर मानक के मुकाबले 383.32 लाख मीट्रिक टन है, जो जरूरत से कहीं ज्यादा है, जिससे देश भर में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा, "मैं सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हमारे पास वर्तमान में सामान्य आवश्यकता से कई गुना अधिक स्टॉक है, चाहे वह चावल हो, गेहूं हो या चना, अरहर, मसूर या मूंग जैसी दालें हों। इसकी कोई कमी नहीं है और नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे घबराएं नहीं और न ही खाद्यान्न खरीदने के लिए बाजारों में भागदौड़ करें।"

इसके अलावा, भारत के पास वर्तमान में लगभग 17 लाख मीट्रिक टन खाद्य तेल का स्टॉक है।

घरेलू स्तर पर, सरसों के तेल की उपलब्धता चालू पीक उत्पादन सीजन के दौरान पर्याप्त है, जो खाद्य तेल की सप्लाई को और बढ़ा रहा है। चालू शुगर सीजन की शुरुआत 79 लाख मीट्रिक टन के कैरी-ओवर स्टॉक के साथ हुई।

इथेनॉल उत्पादन के लिए 34 लाख मीट्रिक टन के डायवर्जन को ध्यान में रखते हुए, उत्पादन 262 लाख मीट्रिक टन होने का अनुमान है।

अब तक, लगभग 257 लाख मीट्रिक टन चीनी का उत्पादन हो चुका है। 280 लाख मीट्रिक टन की घरेलू खपत और 10 लाख मीट्रिक टन के निर्यात को ध्यान में रखते हुए, समापन स्टॉक लगभग 50 लाख मीट्रिक टन होने की उम्मीद है, जो दो महीने की खपत से अधिक है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अनुकूल जलवायु परिस्थितियों को देखते हुए 2025-26 शुगर सीजन के लिए उत्पादन का पूर्वानुमान भी आशाजनक है। उन्होंने आगाह किया कि भ्रामक रिपोर्टों का शिकार न बनें और जमाखोरी या भंडारण में लिप्त किसी भी व्यक्ति पर आवश्यक वस्तु अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा चलाया जाएगा।

15 मई तक बंद रहेंगे भारत के 32 एयरपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और संबंधित विमानन अधिकारियों ने नोटिस टू एयरमेन (नोटम) जारी कर उत्तरी और पश्चिमी भारत के 32 हवाई अड्डों को सभी नागरिक उड़ान संचालन के लिए अस्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की है। ये आदेश 15 मई तक प्रभावी रहेगा। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने सुबह के ताजा अपडेट में कहा, "परिचालन कारणों से यह बंद 15 मई 2025 को भारतीय समयानुसार 05:29 बजे तक रहेगा।"

इन प्रभावित हवाई अड्डों में आदमपुर, अंबाला, अमृतसर, अवंतीपोरा, बठिंडा, भुज, बीकानेर, चंडीगढ़, हलवारा, हिंडन, जैसलमेर, जम्मू, जामनगर, जोधपुर, कांडला, कांगड़ा (गग्गल), केशोद, किशनगढ़, कुल्लू मनाली (भुंतर), लेह, लुधियाना, मुंद्रा, नालिया, पठानकोट, पटियाला, पोरबंदर, राजकोट (हीरासर), सरसावा, शिमला, श्रीनगर, थोइस और उत्तरलई शामिल हैं। इस अवधि के दौरान इन हवाई अड्डों पर सभी नागरिक उड़ान गतिविधियां निलंबित रहेंगी। एएआई ने दिल्ली और मुंबई फ्लाइट इन्फॉर्मेशन रीजन में हवाई यातायात सेवा (एटीएस) के 25 मार्गों को भी परिचालन कारणों से अस्थायी रूप से बंद करने का फैसला किया है।

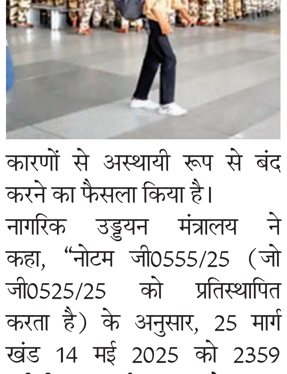

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा, "नोटम जी0555/25 (जो जी0525/25 को प्रतिस्थापित करता है) के अनुसार, 25 मार्ग खंड 14 मई 2025 को 2359 यूटीसी (15 मई 2025 को 0529 भारतीय समयानुसार) तक ग्राउंड लेवल से लेकर असीमित ऊंचाई तक अनुपलब्ध रहेंगे।"एयरलाइनों और उड़ान संचालकों को मौजूदा हवाई यातायात सलाह के अनुसार वैकल्पिक मार्गों की योजना बनाने की सलाह दी गई है। प्रमुख विमानन कंपनी एयर इंडिया ने कहा, "मौजूदा स्थिति में हम सभी यात्रियों से अपडेट रहने का आग्रह करते हैं।"एयर इंडिया ने बताया, "विमानन अधिकारियों की सूचना के अनुसार, भारत के कई हवाई अड्डों के बंद रहने के कारण जम्मू, श्रीनगर, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट के लिए उड़ानें 15 मई तक रद्द की जा रही हैं।

भारत के पहले हाइड्रोजन-पावर्ड ट्रक को दिखाई गई हरी झंडी

एजेंसी

रायपुर। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) के स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के लिए भारत के पहले हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रक को शनिवार को हरी झंडी दिखाई गई। हाइड्रोजन से चलने वाले ये ट्रक धीरे-धीरे कंपनी के लॉजिस्टिक्स संचालन में इस्तेमाल होने वाले डीजल वाहनों की जगह लेंगे।

अदाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी ने एक बयान में कहा, "अदाणी, एक भारतीय और एक इंटरनेशनल एनर्जी टेक्नोलॉजी फर्म के अलावा, एक बड़े ऑटो मैन्युफैक्चरर के सहयोग से कार्गो ट्रांसपोर्ट के लिए 'हाइड्रोजन फ्यूल सेल बैटरी-ऑपरेटेड ट्रक' को विकसित कर रहा है।" हर ट्रक स्मार्ट टेक्नोलॉजी और तीन हाइड्रोजन टैंक से लैस हैं, जो 40 टन तक कार्गो को 200 किलोमीटर की रेंज तक लेकर जा सकते हैं।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर में पहले ट्रक को हरी झंडी दिखाई। इसका इस्तेमाल गारे पेल्मा। ब्लॉक से राज्य के पावर प्लांट तक कोयले के परिवहन के लिए किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, "छत्तीसगढ़ में भारत के पहले हाइड्रोजन-पावर्ड ट्रक की लॉन्चिंग राज्य की सस्टेनेबिलिटी के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस तरह की पहल हमारे कार्बन फुटप्रिंट को काफी हद तक कम करेगी और उद्योग के लिए एक नया मानक स्थापित करेगी। छत्तीसगढ़ न केवल देश की बिजली की मांगों को पूरा करने में सबसे आगे है, बल्कि सस्टेनेबल प्रैक्टिस को अपनाने में भी मिसाल कायम करता है।

भारत-पाकिस्तान तनाव का असर, भारतीय शेयर बाजार इस सप्ताह गिरावट के साथ बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार सप्ताह के दौरान तेजी से गिरावट के साथ बंद हुए। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण निवेशकों में घबराहट पैदा हो गई और सभी सेक्टर में बिकवाली की लहर सी दौड़ गई, जिसका असर शेयर बाजार पर गिरावट के रूप में देखने को मिला। निफ्टी 1.39 प्रतिशत गिरकर 24,008 पर बंद हुआ, जबकि सेंसेक्स 1.30 प्रतिशत गिरकर 79,454.47 पर बंद हुआ। सेक्टर के हिसाब से रियलिटी, बैंकिंग, फार्मा और फाइनेंशियल सर्विस शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट आई, जिसमें 2 प्रतिशत से 6 प्रतिशत के बीच गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, ऑटो और मीडिया शेयरों ने कुछ मजबूती दिखाई और गिरावट को कम करने में मदद की। व्यापक बाजार भी प्रभावित हुए, जिसमें मिड- और स्मॉल-कैप सूचकांक 0.90 प्रतिशत और 2.17 प्रतिशत के बीच गिरे। अगला सप्ताह बाजारों के लिए महत्वपूर्ण होने की उम्मीद है। विशेषज्ञों ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक हालात में किसी भी तरह के घटनाक्रम पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के अजीत मिश्रा ने कहा, "इसके अलावा, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई), थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) और ट्रेड डेटा जैसे प्रमुख आर्थिक संकेतकों पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी।